जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 19 मार्च, 2025

OSWAL SOAP GROUP • OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

69 वर्षों का विश्वास

ओसवाल सोप ग्रुप

नाम ही है भरोसे की पहचान

69 वर्षों से ओसवाल सोप ग्रुप हर कदम पर दे रहा है आपका साथ,
रखकर आपकी हर जरुरत का खास ख्याल....

आपके पशुओं के लिए सर्वोत्तम आहार
नीरवी पशु आहार

नेचुरल ऑयल से बना ओसवाल सोप,
कपड़ों और हाथों को रखे कोमल सालों - साल

ज्यादा सफाई | कपडो की देखभाल | कम पानी मे घुलाई | त्वचा का पूरा ख्याल | अखाद्य तेल से बना | वर्षों का विश्वास

Disclaimer: Brand ambassadors represent different product categories of M/s Uttam Chand Des Raj (Oswal Soap Group). Mr. Anupam Kher endorses Pashu Ahaar, and Mr. Paresh Rawal endorses Oswal Soap Products. Their joint appearance is promotional, not a shared endorsement.

Oswal
ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और **ओसवाल ऐप** डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

ओसवाल सोप ग्रुप

6 करोड़ परिवारों का विश्वास

क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला

जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल

OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल	1Ltr. 5Ltr. 500ml कच्ची घानी तेल	1Ltr. 5Ltr. 500ml रिफाइंड सोयाबीन तेल	1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच	1kg बासमती चावल	1kg ओसवाल चावल	800g पोहा
1kg चाय पत्ती	250g डस्ट चाय	1kg देसी खांड	1kg धागा मिश्री	500g हल्दी पाउडर	1kg मिर्च पाउडर	500g धनिया पाउडर
1kg जीरा	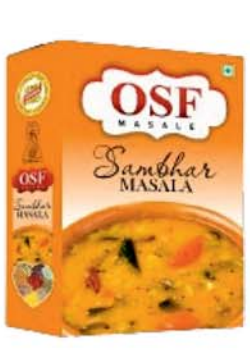 साँभर मसाला	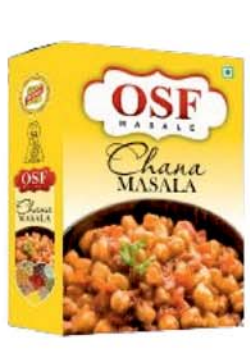 चना मसाला	चाट मसाला	रायता मसाला	गरम मसाला	पाव भाजी मसाला
1kg सैंधा नमक	1kg काला नमक	1kg मैज स्टार्च पाउडर	1kg मूंग दाल 1kg हरी मूंग दाल 1kg चना दाल 1kg काबुली चना 1kg तूअर दाल 1kg उड़द धुली दाल	50g अगरबत्ती धूपबत्ती		
1kg ओसवाल सोप	1kg व्हाइट सोप	1kg मल्टीकलर सोप	1kg वॉशिंग पाउडर	1kg डिटर्जेंट पाउडर डिटर्जेंट केक	75g ग्लिसरिन बाथ सोप	
100g नहाने का साबुन	1kg डिशवॉश टब डिशवॉश केक	500ml डिशवॉश लिक्विड	1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड	250ml लिक्विड हैंड वॉश	200ml शॉवर जैल	
1Ltr. टॉयलेट क्लीनर	500ml ग्लास क्लीनर	1Ltr. फ्लोर क्लीनर	पशु आहार	250gm नेप्थलीन बॉल्स	हैप्पी टच फ्लोर वाइपर	फूल झाड़ू

नकली माल से सावधान

Oswal ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाएं ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और ओसवाल एप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 225 प्रभात जयपुर, बुधवार 19 मार्च, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

TRUMP'S THREATS & TARIFFS

The message is clear: If you want access to US markets, you must be willing to strike what President Trump considers a fair 'deal'

The Psychological Mind Tricks

If you're looking to gain a little bit of an edge in your everyday life, here are some mind tricks that actually do work

8 व 9 अप्रैल को कांग्रेस का अधिवेशन होगा अहमदाबाद में

ये अधिवेशन सरदार पटेल के 150वें जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित हो रहा है। शायद कांग्रेस पुनः सरदार पटेल पर अपना कब्जा जताना चाहती है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से भाजपा ने सरदार पटेल को अपना ''आदमी'' घोषित सा कर दिया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। एआईसीसी का अधिवेशन 8 एवं 9 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद नगर में आयोजित होगा, क्योंकि यह वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल का 150 वाँ जयन्ती वर्ष है, जिन्हें भाजपा अपने आदर्श के रुप में प्रस्तुत करने की कोशिश करती रहती है।

जहाँ इस अधिवेशन के विस्तृत विवरण पर अभी विचार-विमर्श चल रहा है, वहीं व्यवहारिक रुप में सत्र एक दिन का होगा तथा 9 अप्रैल को होगा। 8 अप्रैल की शाम को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की मीटिंग होगी, जिसमें स्वीकृत हुये प्रस्ताव, अगले दिन अधिवेशन में पेश किये जायेंगे।

एक ऐसी पार्टी, जो विधानसभा चुनाव तथा तीन लोकसभा चुनाव हारती आ रही है, को एक ऐसा विस्तृत रोडमैप बनाना जरुरी है, जिस पर पार्टी आगे बढ़े तथा जहाँ पहुँचने की जरुरत है, वहाँ पहुँचे। लेकिन असली मुद्दों को उठाने तथा पिछले समय से होती आ रही गलतियों के मंथन एवं विश्लेषण के मामले में कोई गंभीरता नजर नहीं आ रही है।

- **अधिवेशन में पार्टी को कुछ गंभीर चिंतन करना होगा कि पार्टी कहाँ जा रही है, क्योंकि आम कार्यकर्ताओं में यह भावना घर करती जा रही है कि मामला हाथ से निकलता जा रहा है।**
- **राहुल गांधी के इर्द-गिर्द घूमने वाले नेता अब खुश हैं कि उन्होंने सोनिया गांधी के युग के नेताओं से पार्टी को मुक्त करा दिया है और अब उनका एक ही प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा राहुल की पसंद वाले लोगों को पार्टी में स्थान दिलवायें, जिससे राहुल के युवा समर्थक के हाथों में ही पार्टी का कामकाज रहे।**
- **राहुल इस बार यह नारा दे रहे हैं कि डीसीसी (डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी) को सशक्त किया जाए तथा डीसीसी को पार्टी के पावर स्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाये और उनकी बात ऊपर तक सुनी जाए।**
- **अधिवेशन में चिंतन व निर्णय लेने की प्रक्रिया की ''खानापूर्ति'' जरूर होगी, पर, जमीन पर कुछ तब्दीलियां होने की गुंजाइश कम नज़र आ रही है।**

एक दिन के अधिवेशन में यह सब कुछ हो भी नहीं सकता, तथा पार्टी नेतृत्व का मानस अधिवेशन के आयोजन की ''खानापूर्ति'' करने का प्रतीत हो रहा है।

एक वरिष्ठ नेता ने टिप्पणी की है कि अगर नेतृत्व पार्टी की वस्तुस्थिति को सच्ची जाँच-परख नहीं करता तथा सुधार की दिशा में कदम नहीं उठाता, तो 2029 के चुनावों की तैयारी के लिहाज से काफी देर हो चुकी होगी। कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के मन में ऐसी सोच बढ़ती जा रही है कि स्थितियाँ और समय उनके हाथों से फिसलते जा रहे हैं।

राहुल के इर्द-गिर्द रहने वाले मुट्ठी भर नेता, जिनका कांग्रेस की वर्तमान राजनीति पर नियंत्रण है, सोनिया गांधी के जमाने के नेताओं से नियंत्रण एवं अधिकार छीनने में सफल रहे हैं, और अब वे पार्टी में राहुल के जी-हुजूरों की संख्या बढ़ाने में लगे हुये हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे पार्टी को अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा धरती पर लौट रही हैं सुनीता

फ्लोरिडा, 18 मार्च। अंतरिक्ष में फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स का यान धरती के लिए रवाना हो गया है। बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार होकर पृथ्वी पर आ रहे हैं। इनके भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 3.27 मिनट पर इसके फ्लोरिडा के तट पर उतरने की संभावना है। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने सहयोगी बुच विल्मोर के साथ 9 महीने बाद पृथ्वी पर लौटने वाली हैं। उनकी वापसी स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान के जरिए हो रही है। इस अंतरिक्ष यान के जरिए 17 घंटे की यात्रा करने के बाद

- **9 माह तक अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे रहने के बाद अमेरिकन अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स व उनके साथी नासा के विशेष यान से धरती के लिए रवाना हो गए हैं।**

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर पृथ्वी पर लौटेंगे। इसके बाद अंतरिक्ष यान में सवार सभी यात्रियों के सेहत की जांच की जाएगी और नासा इस यात्रा को लेकर अपडेट भी प्रदान करेगा। ये दोनों अंतरिक्ष यात्री जून 2024 से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीनों तक रुकना पड़ा था।

यूक्रेन व रूस के बीच ''सीज़फायर'' कराने की जल्दबाजी में ट्रम्प, पुतिन की हर बात मानते जा रहे हैं

यूक्रेन के कब्जे में बचे एकमात्र बंदरगाह ओडेसा को भी ट्रम्प, पुतिन को देने को राजी हुए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। यूक्रेन युद्ध में सीज़फायर लाने और ''डील'' पूरी करने की जल्दबाजी में अमेरिका के राष्ट्रपति बहुत ज्यादा झुक गए हैं और रूस के राष्ट्रपति पुतिन की हर बात मानते हुए दिख रहे हैं। और रूस और यूक्रेन के बीच ''एसैट्स'' के विभाजन पर मान गए हैं, इसमें रूस द्वारा हड़पी गई यूक्रेन की जमीन भी शामिल है।

ट्रम्प, पुतिन को कई फायदे पहुँचा सकते हैं, ओडेसा बंदरगाह भी रूस को सौंपा जा सकता है। रूस जाते समय अपने विमान में सवार पत्रकारों से ट्रम्प ने कहा कि एसैट्स शेयरिंग पर विस्तृत चर्चा हुई।

यूक्रेन के पास सिर्फ एक विकल्प था, सीज़फायर एग्रीमैंट को स्वीकार करना। इन खबरों ने यूक्रेन से ज्यादा यूरोपियन यूनियन को हतप्रभ कर दिया है। पश्चिमी यूरोपीय देश अमेरिका की सुरक्षा गारंटी पर इतने ज्यादा निर्भर हो गए थे कि कई वर्षों तक उन्होंने अपनी सुरक्षा की अनदेखी की।

ट्रम्प ने रूस को जो राहतें देने की पेशकश की है, उसने इन देशों की चिंताएँ बढ़ा दी हैं, क्योंकि अब वे रूस की फायरिंग रेंज में आ गए हैं। इनमें यूक्रेन सबसे बुरी स्थिति में है। हर स्थिति में उसकी हार निश्चित है।

- **यह भी चर्चा है कि अमेरिका नाटो समझौते के तहत, यूरोप को सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने वाला एग्रीमैंट भी रद्द करने का मन बना चुका है।**
- **इन चर्चाओं से यूरोपियन देश स्तब्ध हैं, क्योंकि वे अमेरिका के सुरक्षा कवच के इतने आदी हो गये हैं कि उनकी सेना में वह सामर्थ्य नहीं है कि वे यूरोप के देशों की सुरक्षा की जिम्मेवारी ले सकें।**
- **अपने हवाई जहाज पर सवार रूस जाते समय ट्रम्प ने साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह भी कहा कि रूस से बहुत विस्तार से मंथन व बातचीत के बाद, इस सिद्धांत पर सहमति बन गई है कि रूस व यूक्रेन के बीच ''एसेट्स'' (सम्पत्ति व भूमि) का विभाजन होगा, जिन पर दोनों देशों ने दावा किया है कि वह उनकी सम्पत्ति है।**
- **इस विभाजन के सिद्धांत के तहत यूक्रेन का एकमात्र बंदरगाह व जमीन जिस पर रूस ने आक्रमण करके कब्जा कर लिया है, रूस के हिस्से में आ गये हैं।**

कुछ लीक हुई रिपोर्ट्स से संकेत मिला है कि यूक्रेन के पास जो एकमात्र बंदरगाह बचा है, उस ''ब्लैक सी का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिन भर हंगामे के बीच लोकसभा नहीं चल पाई

विपक्ष इस माँग पर अड़ा रहा कि प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकुंभ के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए सदन में पेश प्रस्ताव में संशोधन होना चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। लोकसभा मंगलवार को प्रधानमंत्री के भाषण के बाद दिन भर के लिये स्थगित कर दी गई। दरअसल, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रयागराज में अभी-अभी सम्पन्न हुये महाकुंभ पर सदन में दिये गये बयान में भगदड़ का उल्लेख किये जाने की माँग की थी।

इससे पूर्व, जब प्रधानमंत्री महाकुम्भ के बारे में बोल रहे थे, उस समय लोकसभा हंगामे का माहौल था। विपक्षी सदस्य वैल में पहुँचे गये तथा वहाँ से बयान में भगदड़ की दुखान्तिका को शामिल किये जाने की माँग करते रहे। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुये, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ''महाकुम्भ हमारी परम्परा, इतिहास एवं संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। हमारी शिकायत यह है कि प्रधानमंत्री ने उन लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी, जिन्होंने महाकुम्भ में प्राण गँवाये। जबरदस्त हो-हल्ला के बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने नियम 7 का उल्लेख किया और कहा कि यह नियम साफ कहता है कि प्रधानमंत्री या कोई मंत्री, किन्हीं भी प्रश्नों पर ध्यान दिये बिना, बयान दे सकते हैं।

हंगामे के बीच, लोकसभा अध्यक्ष ने सदन को अपरान्ह 1 बजे तक के लिये स्थगित कर दिया।

जब सदन की बैठक पुनः शुरु हुई तो विपक्षी सदस्य फिर वैल में इकट्ठे हो गये तथा जोर-जोर से नारे लगाने लगे। आसन द्वारा कहे जाने के बावजूद, वे लोग अपनी सीटों पर नहीं आये, जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 'डिमान्ड्स फॉर ग्रान्ट्स फॉर रेलवे मिनिस्ट्री' पर हुई बहस का उत्तर दे रहे थे।

इसके बाद, ''ग्रान्ट्स फॉर मिनिस्ट्री ऑफ जल शक्ति पर बहस शुरु होने से पहले ही, अध्यक्ष ने लोकसभा दिन भर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राहुल गांधी ने कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में जिन श्रद्धालुओं की मौत हुई, उनको श्रद्धांजलि भी देनी चाहिए, प्र.मंत्रीके प्रस्ताव में**
- **लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला ने व्यवस्था दी कि 37 नम्बर रूल के अनुसार, प्र.मंत्री या कोई भी अन्य मंत्री सदन में वक्तव्य दे सकता है, बिना किसी प्रश्न का उत्तर दिये।**

'आधार कार्ड और वोटर आईडी को लिंक करने की कार्यवाही जल्द शुरू होगी'

जयपुर, 18 मार्च। भारतीय निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को एक बैठक में फैसला लिया कि उसके द्वारा जारी किये गये मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड के साथ जोड़ा जायेगा। दरअसल मुख्य निर्वाचन आयुक्त गणेश कुमार और अन्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने

- **भारतीय निर्वाचन आयोग और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अफसरों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ हुई बैठक में लिया गया यह अहम् फैसला।**

गृहमंत्रालय के सचिव, विधायिकी विभाग के सचिव और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अफसरों व तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की थी, जिसके बाद आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नागपुर के दंगे के लिए कौन जिम्मेवार?

तीन थ्योरियाँ चर्चित हैं, इस सवाल के जवाब में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। क्या नागपुर हिंसा विकी कौशल-अभिनीत फिल्म ''छावा'' द्वारा उकसायी गई थी? क्या यह महाराष्ट्र विधानसभा में समाजवादी पार्टी नेता अबू आजमी द्वारा औरंगजेब के सम्बंध में की गई टिप्पणी की प्रतिक्रिया थी? या फिर, क्या यह हिंसा एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की उकसाने वाली टिप्पणियों के कारण भड़की थी?

दंगे की जिम्मेदारी के प्रश्न को लेकर बढ़ते हुये राजनैतिक दोषारोपण के बीच, उपरोक्त तीन प्रश्न इस समय आम चर्चा में हैं।

शिवसेना (शिंदे) सांसद नरेश म्हास्के ने ओवैसी पर दोषारोपण करते हुये कहा है कि ''सारा देश जानता है कि ओवैसी जैसे लोग, स्वयं को नेता सिद्ध करने के लिये, इस प्रकार के कृत्य करते हैं। वे इस प्रकार के दंगे कराके अपनी नेतागीरी को स्थापित करने की कोशिश करते हैं। (इस पूरे मामले की) जाँच होनी चाहिये।'' दूसरी तरफ, ओवैसी ने महाराष्ट्र सरकार पर उसके खुफिया तंत्र की असफलता का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि राज्य के मंत्रियों द्वारा दिये गये उकसाऊ भाषणों ने माहौल को उत्तेजित और आवेशित किया था।

इस बीच, काँकावली के भाजपा विधायक नितेश राणे ने सपा नेता अबू आजमी पर दोषारोपण किया है। उन्होंने कहा, ''आजमी (हिंसा के) जिम्मेदार हैं। यह मुद्दा उन्होंने ही शुरु किया था। यह सरकार को बदनाम करने के लिये पूर्व-नियोजित हिंसा थी। हम उन लोगों को नहीं बख्शेंगे, जिन्होंने हमारे पुलिसकर्मियों पर हाथ उठाये हैं। (उनके खिलाफ) सख्त कार्यवाही की जायेगी।''

प्रसंगवश बता दें कि आजमी ने हाल ही में कहा था कि औरंगजेब के शासनकाल में, भारत की जीडीपी, विश्व की जीडीपी की 24 प्रतिशत थी तथा इसकी आर्थिक समृद्धि के कारण, भारत को उस समय ''सोने की चिड़िया'' कहा जाता था।'' लेकिन, इसके बाद सपा नेता ने अपना बयान वापस ले लिया था।

मंगलवार को, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि ''छावा'' फिल्म, जिसमें विकी कौशल और रश्मिका मन्दाना मुख्य भूमिकाओं में हैं, ने औरंगजेब के खिलाफ जनता में आक्रोश पैदा किया था। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र शम्भाजी महाराज के जीवन की ऐतिहासिक प्रस्तुति है। विदित ही है कि औरंगजेब के शासन काल में, शिवाजी ने मुगल साम्राज्य से युद्ध किया था।

इसी बीच यह एक और कारण उभरकर आया है कि हिंसा इन अफवाहों के कारण हुई कि विश्व हिन्दू परिषद तथा बजरंग दल के एक्टिविस्टों ने मुस्लिमों का पवित्र ग्रन्थ जला दिया है। ये ऐक्टिविस्ट विरोध-प्रदर्शन करते हुये, औरंगजेब के मकबरे को तोड़े जाने की माँग कर रहे थे।

- **क्या विक्की कौशल की फिल्म छावा से सांप्रदायिक भावनाएं उत्तेजित होने से दंगा हुआ?**
- **क्या सपा नेता अबु आज़मी के महाराष्ट्र की विधानसभा में औरंगज़ेब के बारे में की गई टिप्पणी से दंगा भड़का?**
- **या एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी के उत्तेजक भाषण से सांप्रदायिक भावनाओं को हवा मिली और दंगा विकराल हुआ।**

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले में एक और सब इंस्पैक्टर गिरफ्तार

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 18 मार्च। पिछली गहलोत सरकार के कार्यकाल में एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले में एसओजी ने एक ओर आरोपी मोनिका को गिरफ्तार किया है। एसओजी के एडीशनल डी.जी.पी. वी.के. सिंह ने बताया कि चयनित उप निरीक्षक पुलिस (प्रोबेशनर) मोनिका (उम्र 25 वर्ष) सुल्तानपुर (जिला झुंझुनूं) की निवासी है, और उसे सीकर जिले के दादिया पुलिस थाने के अफसरों के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मोनिका ने उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर दिनांक 15 सितंबर 2021 को अजमेर के परीक्षा केन्द्र पर दिये थे।

एसओजी द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया मोनिका ने नकल गिरोह के सरगना पौरव कालेर से मिलकर परीक्षा पास करने के षडयंत्र में भाग लिया था। एसओजी के अनुसार पौरव कालेर ने मोनिका को उप निरीक्षक पुलिस की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **एसओजी के एडीशनल डीजीपी वीके सिंह ने बताया कि आरोपी मोनिका ने पेपरलीक सरगना पौरव कालेर से ''चीटिंग'' करने के लिये 15 लाख रुपये में सौदा किया था।**

न्यूज़ीलैंड के प्र.मंत्री ने राहुल गांधी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 18 मार्च। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत यात्रा पर आये न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्स से आज मुलाकात की।

कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के बीच आज सुबह यहां मुलाकात हुई जिसे दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ाने को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

- **कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक व सांस्कृतिक मसलों पर चर्चा की।**

पार्टी ने कहा गांधी और लक्सन की यह मुलाकात बहुत महत्वपूर्ण है। मुलाकात को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं ने इस दौरान आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर चर्चा की। यह मुलाकात भारत और न्यूजीलैंड के बीच सहयोग को बढ़ाने की दिशा में एक कदम हो सकता है।

'भारत ने अमेरिका से आयातित सामान पर टैरिफ हटाने का कोई समझौता नहीं किया है'

भारत के वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने संसदीय समिति के समक्ष स्पष्ट कहा कि भारत ने ट्रम्प का दबाव स्वीकार नहीं किया है तथा अमेरिका से आयातित सामान पर ''टैरिफ'' हटाने पर कोई सहमति नहीं दी है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। भारत ने अमेरिका के दबाव में अपनी टैरिफ नीति में बदलाव नहीं किया, जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स हमें इसके विपरीत यकीन दिलवा रहे थे। असल में भारत ने टैरिफ कटौती पर अमेरिका के दबाव को मानने से दृढ़ता से मना कर दिया। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के दावे को झुठलाते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने संसदीय पैनल को जानकारी दी कि भारत ने अमेरिकन सामान पर टैरिफ में कटौती करने की बात नहीं मानी है। बर्थवाल का बयान ट्रम्प के इस दावे का खंडन करता है कि नई दिल्ली ने टैरिफ कटौती की बात मान ली है।

ट्रम्प का दावा कि, भारत टैरिफ कटौती के लिए मान गया है, बढ़ा-चढ़ाकर बोला गया है और बेहद अपरिपक्व है। हालांकि, कुछ विशिष्ट वस्तुओं जैसे मोटर साइकिल, बॉरबन व्हिस्की पर टैरिफ कटौती हुई है, पर भारतीय अधिकारियों ने कहा, टैरिफ कटौती का कोई बड़ा एग्रीमैंट नहीं हुआ है।

बर्थवाल ने कहा कि भारत की ट्रेड पॉलिसी उदारीकरण और रणनीतिक संरक्षणवाद के बीच के संतुलन पर आधारित हैं। हालांकि, भारत द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए फ्री ट्रेड को भी प्रोत्साहित करता है। बर्थवाल ने चेतावनी दी कि मनमाने तरीके से, खासकर कुछ घरेलू क्षेत्रों में टैरिफ कटौती करने से गंभीर आर्थिक दबाव पैदा हो सकता है जिससे मंदी आ सकती है। नई दिल्ली टैरिफ कटौती पर गंभीरता से विचार करेगा तथा उसी जगह टैरिफ कटौती की जाएगी, जहाँ देश के हितों को नुकसान न पहुँचे।

- **ट्रम्प का यह दावा कि भारत ने टैरिफ में भारी कमी करने का निर्णय लिया है। यह पूर्णतया सत्य नहीं है। यह एक अतिशयोक्ति है, कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर, जैसे मोटर साइकिल व बॉरबन व्हिस्की पर टैरिफ कम किया है।**
- **भारत सरकार के अधिकारियों के अनुसार, भारत की टैरिफ कम करने की नीति, उदारवाद व स्थानीय इण्डस्ट्री की सुरक्षा के बीच संतुलन बैठाने के सिद्धांत पर आधारित है।**
- **अधिकारियों के अनुसार, ''टैरिफ रिडक्शन'' पर बातचीत जरूर होगी, पर, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा।**

इसी बीच चीन इकोनॉमिक डायवर्सिफिकेशन और कूटनीतिक तरीकों व घरेलू सुधारों से अमेरिका के टैरिफ का लगातार जवाब दे रहा है। चीन ने दोहरे प्रसार की नीति अपनाई है। यह घरेलू उपभोग मजबूत कर रहा है और निर्यात में भी अपना दबदबा कायम रखे हुए है। वह साउथ ईस्ट एशिया, यूरोपियन यूनियन, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के साथ चीन व्यापारिक सहयोग बढ़ा रहा है तथा अमेरिकी बाज़ार पर निर्भरता कम कर रहा है। चीन की रीजनल कॉम्प्रैहैन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आर.सी.ई.पी.) वैकल्पिक क्षेत्र खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

चीन बैल्ट एण्ड रोड इनिशिऐटिव योजना का भी सहारा ले रहा है। नए देशों के साथ आर्थिक समझौते करने के लिए और सुनिश्चित कर यहाँ उसके सामान का निर्यात हो। चीन वित्तीय रूप से अपनी मुद्रा युआन के अंतर्राष्ट्रीय को प्रोत्साहित कर रहा है ताकि अमेरिकन डॉलर पर निर्भरता कम हो सकें।

यूएस टैरिफ के जवाब में चीन ने राजनैतिक रूप से संवेदनशील अमेरिकी सामान जैसे एल.एन.जी. और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ऐश्वर्य उपाधि में नहीं बल्कि इस चेतना में है कि हम उसके योग्य हैं। –अरस्तु

सम्मान के लिए आवेदन मांग कर योग्यता का निर्णय

इन दिनों पुरस्कार दिए जाने के समारोहों के समाचार बहुत आने लगे हैं। साहित्य और कला-संस्कृति के पुरस्कारों की भरमार है। इसका सकारात्मक पहलू देखें तो रचनात्मक और अच्छा काम करने वालों को पुरस्कार और सम्मान देकर समाज खुद गौरवान्वित होता है। सरकारी स्वायततशाली अकादमियां साहित्यकारों और कलाकारों को पुरस्कार और सम्मान देती आई हैं। पहले कुछ इनी-गिनी निजी संस्थाएं ही पुरस्कार देती थी। अब प्रायोजन का दौर है। ऐसी संस्थाओं की भरमार है जो प्रायोजक लाती है और पुरस्कार समारोह आयोजित करती है। लेकिन जिस संख्या में अब पुरस्कार दिए जाने लगे हैं वह अभूतपूर्व है। अब सार्वजनिक और निजी पार्टनरशिप का भी ज़माना है। ऐसा ही एक आयोजन पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, जवाहर कला केन्द्र, एवं राजस्थानी सिनेमा विकास संघ के संयुक्त तत्वावधान में अगले हफ्ते जयपुर के 'जवाहर कला केन्द्र' में हो रहा है। 'राजस्थानी सिनेमा महोत्सव' के इस आयोजन को सिनेमा एवं लोक संगीत का महासंगम भी कहा गया है। इस आयोजन में राजस्थानी सिनेमा और लोक संगीत के लीजेंड्स की स्मृति में विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड दिये जाने की घोषणा की गई है। इसके लिए पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। आवेदन की अन्तिम तिथि 21 मार्च रखी गई है। आवेदकों से आवेदन में उनकी उपलब्धियों के साथ उनका संपूर्ण बायोडाटा मांगा गया है। अधिकृत सूचना में कहा गया है कि अवार्ड के योग्य व्यक्ति का चयन महोत्सव की जूरी द्वारा किया जायेगा। सम्मान की कुल 27 श्रेणियां घोषित की गई हैं तथा प्रत्येक श्रेणी का अवॉर्ड किसी एक विधा के पुरोधा के नाम पर रखा गया है। ऐसा करने के पीछे आमतौर पर यह अवधारणा होती है कि किसी कलाकार को सम्मान देते हुए उस विधा के किसी पुरोधा की भी स्मृति को स्थाई बनाये रखी जाय। ऐसा करके समाज अपना फर्ज ही पूरा करता है। लेकिन वर्तमान प्रचार के जमाने में ऐसे आयोजन ईवेंट के तौर पर होने लगे हैं। कुछ ईवेंट करना है तो चलो कोई प्रायोजक तैयार कर लो और आयोजन कर लो। लेकिन किसी ईवेंट में सरकारी भागीदारी हो तब यह अपेक्षा स्वाभाविक ही होती है कि जो किया जा रहा है वह सलीके से और सूझ-बूझ से हो। इस महासंगम को 'राजस्थानी सिनेमा महोत्सव' नाम दिया गया है। हालांकि इसमें लोकसंगीत को भी शामिल कर लिया गया है। इसलिए स्वाभाविक ही जिन पुरोधाओं के नाम पर सम्मान हैं वे राजस्थानी हैं। हिन्दुस्तानी सिनेमा में राजस्थान के लोगों का सिनेमा की शुरुआत से योगदान रहा है। ऐसे लोगों के नाम पर पुरस्कार देना सर्वथा उचित है। इससे इन शख्सियतों की पहचान नई पीढी में भी बनी रहेगी। लेकिन आश्चर्य है कि इसमें दो नाम ऐसे भी हैं जो राजस्थान के नहीं है। ये दोनों कलाकार हिन्दी सिनेमा में बुलंदियों पर रहे हैं और उनके नाम को इस तरह की पहचान की आवश्यकता भी नहीं है। ये दो पुरोधा हैं अभिनेता प्राण, जिनके नाम पर 'प्राण सिकन्द स्मृति बेस्ट चरित्र अभिनेता एवं खलनायक सम्मान' दिये जाने की घोषणा की गई है, तथा गायक महेंद्र कपूर जिनके नाम पर 'महेन्द्र कपूर स्मृति पार्श्व गायक सम्मान' दिया जाएगा। ये दो महान कलाकार राजस्थान के जन्मे नहीं हैं जिस प्रकार बाकी के 25 हैं। यह भी सवाल उठता है कि जब इतनी लंबी सूची बनानी ही थी तब राजस्थान के उन पुरोधा कलाकारों के बारे में स्मृति लोप कैसे हो गया जो इस सूची में शामिल लोगों से किसी तरह कमतर नहीं थे, जैसे अभिनेता सज्जन। इसमें राजश्री वाले ताराचंद बड़जात्या का नाम भी हो सकता था। इस सूची में शामिल 27 श्रेणियों के लिए स्मृति शेष नाम किन लोगों ने किस मापदंड से तय किये यह जानने के लिए आरटीआई के तहत सूचना मांगने पर भी शायद न मिले। इसके साथ एक बड़ा सवाल सम्मान देने के लिए आवेदन मांगे जाने का भी है। आवेदन मांग कर क्या कलाकारों को सम्मान के लिए याचक बनाया जा रहा है? कहा गया है कि अवार्ड के योग्य व्यक्ति का चयन महोत्सव की जूरी द्वारा किया जायेगा। अब आवेदनों में से जब एक योग्य का चयन होगा तो क्या अन्य अयोग्य होने का कलंक झेलेंगे? आवेदन प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित होते हैं सम्मान के लिए नहीं। इस सरकारी आयोजन ने सम्मान को प्रतियोगिता बना दिया। सरकारों में ऐसा ही होता है। इसीलिए कहा जाता है कि सरकार के पास सिर्फ फ़ाइल की बुद्धि होती है और वह मशीन की तरह काम करती है। लेकिन एक लोकतान्त्रिक व्यवस्था में निर्वाचित प्रतिनिधियों से कला की थोड़ी तो समझ या दृष्टि होने की अपेक्षा करना नावाज़िब भी नहीं है। यह भी बड़ा सवाल है कि सम्मान के लिए आए आवेदनों में से योग्य का चयन करने वाली जूरी में कौन है? जब 27 अलग-अलग विधाओं में सम्मान के लिए चयन किया जाना है तो प्रत्येक विधा का कम से कम एक-एक जानकार तो जूरी में होना ही चाहिए। क्या इस जूरी में इन विधाओं के जानकार 27 गैरसरकारी सदस्य हैं? जूरी के मेम्बरान खुद कितने योग्य हैं? जूरी में कितने सरकारी अधिकारी होंगे और कितने कला जगत की समझ रखने वाले, सब गोपनीय है।

कलाकारों को एक निश्चित सम्मान या पुरस्कार देने का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे उनकी गरिमा और योगदान की सराहना हो, न कि ऐसा लगे कि उन्हें सम्मान के लिए 'विनती' करनी पड़ रही है। सम्मान देने का तरीका पारदर्शी और सम्मानजनक होना चाहिए, ताकि उसे पाने वाले कलाकार को भी अच्छा महसूस हो। इस तरह के आवेदन से यह लगता कि कलाकार को खुद को प्रमाणित करने की आवश्यकता है, जो उचित नहीं है।

इस बात की गलतफहमी किसी को नहीं है कि यह समारोह ताबड़तोड़ में हो रहा है क्योंकि मार्च का महिना सरकारी वित्त वर्ष का आखरी महिना होता है और सरकारी विभाग को उस साल के लिए आवंटित बजट को साल पूरा होने तक किसी प्रकार खर्च करना होता है। ऐसे ही बजट पूरा करने के लिए अनेक कार्यक्रम जवाहर कला केंद्र में पिछले फरवरी माह में भी हुए है और जिनमें दर्शकों और श्रोताओं का अमूमन टोटा ही रहा है, जिसका कारण सब जानते हैं कि यह महीने ऐसे कार्यक्रमों के लिए मुआफ़िक़ नहीं होते क्योंकि वे विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं और उनकी तैयारियों के होते हैं जिसमें उनके अभिभावक भी व्यस्त रहते हैं। मगर सरकारी व्यवस्थापकों को इससे क्या। उन्हें तो रस्म अदायगी करके बजट खर्च करना है। ऐसा सरकारी प्रशासनिक व्यवस्था में ही होता है। 'जवाहर कला केंद्र' की मूल अवधारणा में उसे कलाकर्म से जुड़े लोगों द्वारा संचालित स्वायत्तशाषी संस्थान होना था, किन्तु वह एक सरकारी विभाग की तरह ही संचालित हो रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों को किताबों में दर्ज नियमों की अपने तरीके से व्याख्या करके उसके अनुरूप काम करने का हुनर होता है। हालांकि उनमें कुछ विरले अधिकारी भी निकल आते हैं, किन्तु वे विशाल सरकारी अमले में मुट्ठी भर भी नहीं होते। इसलिए राजस्थानी सिनेमा महोत्सव जिस प्रकार हो रहा है और जो लंबी सूची सम्मानों की है वह लोगों को अजूबा लग सकती है। अवार्डों की लंबी सूची इस प्रकार है:– 'पंण्डित इन्द्र स्मृति लाईफ टाईम एचीवमेन्ट सम्मान', 'बी.के आदर्श स्मृति बेस्ट फिल्म सम्मान', 'मणिभाई व्यास स्मृति बेस्ट डाईरेक्टर सम्मान', 'महिपाल स्मृति बेस्ट एक्टर सम्मान', 'जयमाला स्मृति बेस्ट एक्ट्रेस सम्मान', 'प्राण सिकन्द स्मृति बेस्ट चरित्र अभिनेता एवं खलनायक सम्मान', 'पंण्डित शिवराम स्मृति बेस्ट म्यूजिक डाईरेक्टर सम्मान','भरत व्यास स्मृति बेस्ट लीरिक्स सम्मान', 'माणकलाल जालानी स्मृति बेस्ट फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर सम्मान', 'सूरज दाधीच स्मृति बेस्ट राईटर सम्मान', रामराज नाहटा स्मृति बेस्ट मीडिया सम्मान', 'धनराज दाधीच स्मृति बेस्ट छाया निर्देशक सम्मान', 'अब्दुल सत्तार स्मृति बेस्ट मेकअप मैन सम्मान', 'आई.एम. कुन्नू स्मृति बेस्ट एडिटर सम्मान', 'सरिता देवी स्मृति उत्कृष्ट चरित्र अभिनेत्री सम्मान', 'पंण्डित गौरी शंकर स्मृति नृत्य साधना सम्मान', 'महेन्द्र कपूर स्मृति पार्श्व गायक सम्मान', 'श्रवण जैन स्मृति एलबम निर्माण सम्मान', 'मुबारक बेगम स्मृति पार्श्व गायिका सम्मान', 'बी.एम. व्यास स्मृति खलनायक सम्मान', 'ब्रजेश बेनिवाल स्मृति कॉमेडी फिल्म सम्मान', 'जे.पी कपूर स्मृति उत्कृष्ठ फिल्म सम्मान', 'देवीलाल सामर स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान', 'अल्लाह जिलाई बाई स्मृति उत्कृष्ट मांड गायन सम्मान', 'गवरी देवी स्मृति उत्कृष्ट लोक गायन सम्मान', 'गणपतलाल डांगी स्मृति उत्कृष्ट संगीतज्ञ सम्मान', और 'सदीक ख़ान मांगणियार स्मृति उत्कृष्ट वादन सम्मान'।

कलाकारों को एक निश्चित सम्मान या पुरस्कार देने का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे उनकी गरिमा और योगदान की सराहना हो, न कि ऐसा लगे कि उन्हें सम्मान के लिए 'विनती' करनी पड़ रही है। सम्मान देने का तरीका पारदर्शी और सम्मानजनक होना चाहिए, ताकि उसे पाने वाले कलाकार को भी अच्छा महसूस हो। इस तरह के आवेदन से यह लगता कि कलाकार को खुद को प्रमाणित करने की आवश्यकता है, जो उचित नहीं है। उनके काम को स्वाभाविक रूप से पहचाना और सराहा जाना चाहिए, न कि उन्हें इसके लिए आवेदन करने की आवश्यकता हो। सम्मान के लिए नामों को चुने जाने का काम प्रशासनिक अधिकारियों या उनके चहेते निजी लोगों के हाथों में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। चयन प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और चयनकर्ताओं के नाम सार्वजनिक रहने चाहिए ताकि वृहद समाज उनकी योग्यता का भी मूल्यांकन कर सके। पारदर्शिता ही लोकतान्त्रिक व्यवस्था होती है। किन्तु नौकरशाही को गोपनीयता भाती है। वे अपने निर्णयों पर सवाल पसंद नहीं करते। शासकीय तंत्र में जकड़ा जवाहर कला केंद्र कला के सृजन का केंद्र बनने के बजाय सैर सपाटे आमोद-प्रमोद की जगह बन कर रह गया है जहां सरकारी या मनोरंजन के ईवेंटज्यादा होते हैं। हालांकि अब उसके मुकाबले भव्य और महंगी व्यवस्थाओं वाला राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) आ गया और कुलीन वर्ग जवाहर कला केंद्र को मध्यम वर्ग के लिए छोड़ कर वहां जाने लगा है। जवाहर कला केंद्र कलाकारों का स्वायत्तशाषी संस्थान नहीं बन आने की किसी भी सरकार को रुचि नहीं रही। सरकारी तंत्र की व्यवस्थाओं से कला जगत नहीं चलता। इसे लेकर गाहे-बगाहे स्थानीय कलाकारों का रोष भी सामने आता रहता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है भारत : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े चूरू दौरे पर रहे, जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया

चूरू, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मंगलवार को चूरू दौरे पर रहे। चूरू पहुंचने पर विधायक हरलाल सहारण, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा व पुलिस अधीक्षक जय यादव ने राज्यपाल का स्वागत किया। पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी। विधायक हरलाल सहारण ने राज्यपाल को पंच गौरव से जुड़े उत्पाद तथा जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व एसपी जय यादव ने चंदन कलाकृति स्मृति-चिन्ह के रूप में भेंट की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का चूरू आगमन पर स्वागत किया।

इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और देश सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। राज्यपाल बागड़े ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ करें। बच्चे बौद्धिक रूप से सक्षम होंगे, जिससे सकारात्मक बदलाव हमारे सामने आएंगे। इस दिशा में शिक्षा नीति के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दें तथा शैक्षिक सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पित रहें। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पौधे लगाएं तथा घने जंगल के रूप में विकसित करें। पारिस्थितिकी व पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में अधिकाधिक छायादार पौधे लगाएं। इसी के साथ राज्यवृक्ष खेजड़ी का संरक्षण, संवर्द्धन करें। बागड़े ने कहा कि जिले में औद्योगिक विकास को गति मिले और अधिकाधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं।

इस दौरान राज्यपाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में किसानों व आमजन को प्रेरित करें। पीएम कुसुम योजना में किसानों को प्रेरित कर खेतों में अधिकतम सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएं ताकि काश्त में काश्तकारों को संबल मिल सके। किसानों को उनकी फसल को खरीद केन्द्रों पर विक्रय करने के लिए प्रेरित करें तथा कृषि, विपणन, उद्यानिकी व बैंकों आदि की विभागीय योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें। राज्यपाल ने कहा कि राजीविका महिलाओं को विभिन्न ऋण योजनाओं में लाभान्वित करें। मनरेगा योजना अंतर्गत गांवों-ढ़ाणियों में सड़कों की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें। इसी के साथ मनरेगा में शमशान व जोहड़ विकास कार्यों पर फोकस करें। वाटरशेड कार्यों में वर्षा जल संरक्षण करते हुए भूजल स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास करें। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाते हुए दिशा-निर्देशों की पालना करवाने व बेहतरीन क्रियान्विति के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जय यादव, एडीसी प्रवीण नायक नूनावत, एडीएम अर्पिता सोनी, सुजानगढ़ एडीएम मंगलाराम पूनिया, सीईओ श्वेता कोचर, डीएफओ वीरेन्द्र सिंह कृष्णिया, एएसपी सतपाल सिंह, एएसपी कृष्णा सामरिया, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

■ 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ करें'

जनप्रतिनिधियों व आमजन से हुए रूबरू :-इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े जिला मुख्यालय के सर्किट हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन से रूबरू हुए। इस मौके पर विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, जिला उपप्रमुख महेन्द्र न्यौल, चूरू प्रधान दीपचंद राहड़, सुजानगढ़ प्रधान मनभरी देवी, ओम सारस्वत, दौलत तंवर, फतेहचन्द सोती, अभिषेक चोटिया, रवि आर्य, अनुराग शर्मा, भास्कर शर्मा, नरेन्द्र सैनी, नरेन्द्र काछवाल, विक्रम कोटवाद, सुरेश सारस्वत, दीनदयाल सैनी, रवि दाधीच, नीरज जांगिड़, विमला गढ़वाल, नारायण बेनीवाल, सुनील भाउवाला, श्रीराम पीपलवा, प्रमोद भाटी सहित जनप्रतिनिधियों व आमजन ने राज्यपाल का स्वागत अभिनंदन किया।

बहुचर्चित ब्लैकमेल प्रकरण की सीबीआई से जांच करवाने की मांग

बिजयनगर, (निसं)। शहर के बहुचर्चित ब्लैकमेल प्रकरण की सीबीआई से निष्पक्ष जांच करवाने को लेकर सर्वसमाज संघर्ष समिति, बिजयनगर के तत्वावधान में मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया।

शहर के बहुचर्चित प्रकरण में स्कूली नाबालिग छात्राओं के साथ हुए जघन्य अपराधों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई एवं पीड़िताओं को सुरक्षा प्रदान करने हेतु सर्वसमाज संघर्ष समिति बिजयनगर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को ज्ञापन सौंपकर सीबीआई से निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की गई। मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि गत दिनों में बिजयनगर शहर में हुये बहुचर्चित प्रकरण में नाबालिग स्कूली छात्राओं के साथ हुए दुष्कर्म, यौन शोषण, जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव तथा संगठित अपराधों की घटनाएं सामने आई जो अत्यंत निंदनीय एवं समाज के लिए गहरी चिंता का विषय है। ज्ञापन में बताया कि इन घटनाओं की जांच के लिए गठित एसआईटी में वही अधिकारी सम्मिलित किए गए हैं जो पहले से ही इन मामलों की जांच कर रहे थे। इससे निष्पक्ष जांच की संभावना पर संदेह उत्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त, समुदाय विशेष के लोगों द्वारा कार्य करने वाले अपराधियों को आर्थिक मदद करने वालों की अभी तक कोई पुख्ता जांच नहीं हुई है और प्रशासन द्वारा इन मामलों में लापरवाही बरती जा रही है। स

सर्व समाज संघर्ष समिति ने तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को ज्ञापन दिया।

र्व समाज संघर्ष समिति, बिजयनगर, ने चेतवानी दी कि यदि प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर उचित कार्रवाई नहीं होने पर सर्व समाज संघर्ष समिति और स्थानीय लोगों द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा। ज्ञापन के दौरान सर्व समाज संघर्ष समिति के एडवोकेट गोविंद नारायण शर्मा, बंटी पांडेया, महेंद्र शर्मा, कैलाश गुर्जर, नोरत मल लोढ़ा, धीरेंद्र शर्मा, राजेंद्र शर्मा व सर्वसमाज संघर्ष समिति के सदस्य मौजूद रहे।

ईडाणा माता ने अग्नि स्नान किया, भक्त उमड़े

उदयपुर, (का.सं)। मंगलवार को ईडाणा माता ने एक साल बाद फिर अग्नि स्नान किया है। इसकी लपटें 12 से 13 फीट तक उठी। इसके बाद अपने आप अग्नि शांत हो जाती है। इसको देखने वाले हर व्यक्ति की इच्छा पूरी होती है।

मान्यता है कि माता के प्रसन्न होने पर मंदिर में अग्नि प्रज्वलित होती है। उदयपुर शहर से 60 किलोमीटर दूर कुराबड-बंबोरा मार्ग पर मेवाड़ का प्रमुख शक्तिपीठ ईडाणा माता मंदिर है। इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं है और एकदम खुले चौक में स्थित है। यह मंदिर उदयपुर मेवल की महारानी के नाम से प्रसिद्ध है। जैसे ही लोगों को माता के अग्नि स्नान करने की जानकारी मिली मंदिर में भीड़ उमड़ पड़ी। धीरे-धीरे आग बढ़ती हुई पूरे मंदिर में फैल गई,हालांकि मूर्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। ईडाणा माता मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाल सिंह राठौड बताते हैं कि अग्नि स्नान को लेकर कोई दिन और समय तय नहीं है। यह माता की इच्छा से होने वाला चमत्कार है। मंदिर में अग्नि अपने आप ही जलती है और शांत भी अपने आप ही होती है। इस दौरान मंदिर में रखी माता की चुनरी, नारियल जल जाता है। माता रानी का यह अग्नि स्नान काफी बड़ा होता है, जिसके चलते कई बार नजदीक के पेड़ को भी नुकसान पहुंचता है। आज तक माता की मूर्ति पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

■ मान्यता है कि मां के दरबार में आकर लकवा ग्रसित रोगी ठीक हो जाते हैं

गोपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि इससे पहले 9 अप्रैल 2024 को माता ने अग्नि स्नान किया था। चैत्र नवरात्रि से पहले शक्ति पीठ ईडाणा माता ने अग्नि स्नान किया तो भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। आज अग्नि स्नान के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर चले तो आसपास के गांवों से लोग सीधे मंदिर पहुंच गए और अग्नि स्नान के दर्शन किए। यहां पहुंचे भक्तों ने भी अपनों को यहीं से मोबाइल के जरिये वीडियो कॉल से अग्नि स्नान के दर्शन कराए। ईडाणा माता ट्रस्ट अध्यक्ष के अनुसार, बरगद के पेड़ के नीचे यहां माता विराजमान हैं और मान्यता है कि प्रसन्न होने पर वह खुद अग्नि स्नान करती हैं। इस दृश्य को देखने वाले हर किसी की इच्छा पूरी होती है। मेवल क्षेत्र में ईडाणा गांव सहित करीब 52 गांव आते हैं। मंदिर में आग कैसे लगती है और कैसे बुझती है यह कोई नहीं जानता। इसी वजह से श्रद्धालुओं की मंदिर पर अटूट आस्था है। वो इसको चमत्कार कहते हैं। राठौड़ के अनुसार मान्यता है कि लकवा से ग्रसित रोगी मां के दरबार में आकर ठीक हो जाते हैं। प्रतिमा के पीछे त्रिशूल लगे हैं,भक्त अपनी मन्नत पूरी करवाने के लिए यहां त्रिशूल चढाते हैं। संतान की मन्नत रखने वाले भक्त यहां झूले चढ़ाते हैं।

राष्ट्रीय दिव्य कला मेला 21 मार्च से उदयपुर में

उदयपुर, (निसं)। झीलों की नगरी उदयपुर एक ओर अनूठे आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। भारत सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण विभाग (दिव्यांगजन) की ओर से राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम का 25वां राष्ट्रीय दिव्य कला मेला 21 से 30 मार्च तक उदयपुर में आयोजित होगा।

नगर निगम के टाउन हॉल परिसर में प्रस्तावित इस 10 दिवसीय मेले में देश भर के दिव्यांग उद्यमियों/कारीगरों के उत्पादों और शिल्प कौशल को प्रदर्शित किया जाएगा। मेले का उद्घाटन 21 मार्च को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री करेंगे। दिव्य कला मेला दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) के उत्पादों और कौशल के विपणन और प्रदर्शन के लिए एक बड़ा मंच प्रस्तुत करता है। इसमें देश के 20 से राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से 100 से अधिक दिव्यांग उद्यमी और कलाकारों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, हथकरघा, कढ़ाई के काम और पैकेज्ड फूड सहित देश के विभिन्न हिस्सों के जीवंत उत्पाद एक साथ प्रदर्शित किए जाएंगे। यह दिव्यांगजन के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक अनूठी पहल है। इसमें गृह सज्जा और जीवन शैली, कपड़े, स्टेशनरी और पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद, पैकेज्ड खाद्य और जैविक उत्पाद, खिलौने और उपहार, व्यक्तिगत सहायक सामग्री आभूषण, क्लच बैग सहित सैकड़ों तरह की सामग्री बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी। आयोजन के दौरान दिव्यांगजनों की ओर से ही देश के विभिन्न प्रांतों के प्रसिद्ध व्यंजनों की स्टॉल्स भी लगाई जाएंगी। इससे शहरवासी और पर्यटक एक ही स्थान पर देश भर के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ ले सकेंगे। दिव्य कला मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसमें दिव्यांगजन सहित कई पेशेवर कलाकारों की प्रस्तुतियां रोमांचित करेंगी। 30 मार्च को देश के विभिन्न हिस्सों से दिव्यांग कलाकारों द्वारा इस मेले में दिव्य कला शक्ति नामक एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

राशिफल

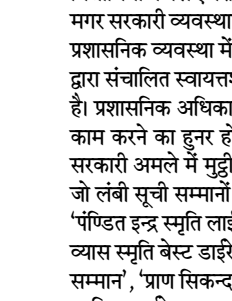

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 19 मार्च, 2025

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, विशाखा नक्षत्र रात्रि 8:50 तक, हर्षण योग सायं 5:38 तक, कौलव करण दिन111:23 तक, चन्द्रमा दिन 2:07 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 8:50 तक है। अमृत सिद्धि योग रात्रि 8:50 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:50 से आरम्भ होगा। आज रंग पंचमी, श्री जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:35 तक, शुभ 11:05 से 12:35 तक, चर 3:34 से 5:04 तक, लाभ 5:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 6:34

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं रहेगा।

वृष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा।

गद्दे की फैक्ट्री में लगी आग

आग इतनी भयानक थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई

जयपुर। हसनपुरा में मंगलवार शाम में एक गद्दे की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के इलाकों में धुएं

- मौके पर करीब 13 दमकल पहुंची और करीब दो घंटे से अधिक समय में आग पर काबू पाया
- आग से लाखों रुपए का तैयार व कच्चा माल स्वाहा हो गया

का गुबार फैल गया। आग की सूचना पर मौके पर करीब 13 दमकल पहुंची और करीब दो घंटे से अधिक समय में आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपए का तैयार व कच्चा माल स्वाहा हो गया।

पुलिस के अनुसार आग मंगलवार शाम करीब 3.45 बजे लगी। सूचना पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। आग ने कुछ ही समय में विकराल रुप धारण कर लिया था। आग की लपटें और धुआं करीब दो किमी की दूरी से नजर आ रहा है।

करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में कोई जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। आग की सूचना पर 22 गोदाम से 2, बनीपार्क से 3, वीकेआई से 2, मानसरोवर और झोटवाड़ा से 2-2 सहित कुछ अन्य स्थानों से दमकल मोके पर पहुंची और आग बुझाने के लिए दमकलों को कई चक्कर लगाने पड़े। यह फैक्ट्री हसनपुरा निवासी इरफान की है। आग से करीब 15 लाख रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि फैक्ट्री में गद्दों के लिए इस्तेमाल होने वाले फोम और कपड़े मौजूद थे, जो आग पकड़ने में बेहद संवेदनशील होते हैं। इसी कारण आग तेजी से फैली। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि जांच के बाद ही स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

प्रशासन की मुस्तैदी और फायर ब्रिगेड की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। आसपास की इमारतों को सुरक्षित खाली कराया गया और दमकल कर्मियों ने फैक्ट्री की सीमा में ही आग को सीमित रखा, जिससे अन्य भवनों को नुकसान नहीं पहुंचा।

इस घटना ने औद्योगिक इलाकों में सुरक्षा उपायों और अग्नि सुरक्षा मानकों की पुनः समीक्षा की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। जिला प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। फैक्ट्री मालिक से भी जवाब-तलब किया गया है।

फर्नीचर गोदाम में लगी भीषण आग

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में मंगलवार सुबह फर्नीचर के एक गोदाम में आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने फायर बिग्रेड की पांच गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। आग से गोदाम में लाखों रुपए का नुकसान होना सामने आया है। पुलिस प्रथम दृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगना सामने आया है।

थानाधिकारी धर्म सिंह चौधरी ने बताया कि आदर्श नगर श्मशान के पास मोहम्मद इलियास का फर्नीचर का गोदाम है। शनिवार सुबह करीब 7.15 बजे बंद फर्नीचर गोदाम से अचानक धुआं उठने लगा।

देखते ही देखते धुंए के साथ ही आग की लपटे उठने लगी। गोदाम में आग लगने का पता चलने पर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। गोदाम में रखे फर्नीचर के चपेट में आने पर आग की भीषण लपटे उठने लगी। स्थानीय लोगों की सूचना पर आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फायर बिग्रेड को तुरंत आग लगने की सूचना दी। फायर बिग्रेड की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर करीब ढाई घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया।

करीब 4-5 दिन पहले ही ऑनर मोहम्मद इलियास ने इस बिल्डिंग में गोदाम को शिफ्ट किया था। आग से गोदाम में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में आग शॉर्ट सर्किट से लगना बताया जा रहा है।

खाता किराए पर लेकर साइबर ठगी करने वाले तीन ठग गिरफ्तार

जयपुर। साइबर फ्रॉड करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से पुलिस टीम को 8 मोबाइल, 11 एटीएम कार्ड, 5 सिम कार्ड, 2 चैक, एक एयरटेल का डोंगल और एक पासबुक मिली है। जो लोगों से बैंक खाते किराए पर लेकर गलत काम कर रहे थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि 11 मार्च को पुलिस टीम को एक पीड़ित से सूचना मिली कि 4 महीने पहले उसका सुरेश नाम के व्यक्ति से फेसबुक पर संपर्क हुआ। सुरेश ने वॉट्सऐप नंबर पर कॉल कर बताया कि वह यूएसडीटी (क्रिप्टोकरेंसी) का काम करता है। मुझे अपना अकाउंट, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड दे दो। तुम्हारे अकाउंट में बिल्कुल सुरक्षित लेनदेन करूंगा। आरोपी सुरेश पीड़ित को 23 फरवरी को पाच्यावाला श्री राम ढाबे पर बुलाया। यहां सुरेश अपने दो साथी रमेश व धारा सिंह के साथ आया। पीड़ित को अपने फ्लैट पर ले गया। तीनों ने सिम कार्ड अकाउंट नंबर एटीएम कार्ड मांगे। जो पीड़ित ने उन्हें दे दिए। इसके बाद अकाउंट में 600204 रुपए क्रेडिट कर दिए।

पुलिस ने अभियान चला कर 700 हार्डकोर-संदिग्ध बदमाशों को दबोचा

जयपुर। जयपुर पुलिस ने मंगलवार अल सुबह अभियान चलाकर पुलिस कमिश्नरेट के चारों जिलों के सभी थाना क्षेत्रों के लगभग 700 हार्डकोर एवं संदिग्ध बदमाशों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

- अभियान में सक्रिय अपराधियों को पुलिस ने हिरासत में लिया एवं उनके खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

जयपुर पुलिस की ओर से पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया है।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर पुलिस की ओर से पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया है। इस अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस ने हिरासत में लियाएवं उनके खिलाफ विधि एवं न्याय अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जिला पूर्व में 946 संदिग्ध अपराधी चिन्हित किए गए, एमवीएक्ट, एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, 129 व 170 बीएनएसएस, अन्य एक्ट में लगभग 250 अपराधियों को हिरासत में लिया गया।। पश्चिम जिले में 1048 संदिग्ध अपराधी चिन्हित लगभग 250 अपराधियों को हिरासत में लिया गया। उत्तर जिले में 212 संदिग्ध अपराधियों को चिन्हित कर लगभग 73 अपराधियों को हिरासत में लिया गया।दक्षिण जिले में अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ अभियान में 739 संदिग्ध अपराधी चिन्हित 136 अपराधियों को हिरासत में लिया गया। अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

जयपुर में स्टंटबाजों पर कसा शिकंजा

पुलिस ने हुडदंग करने वाले 15 युवकों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया।

जयपुर। त्योहारी मौसम में सड़कों पर स्टंटबाजी और हुडदंग करने वाले युवकों के खिलाफ जयपुर उत्तर पुलिस ने तीसरे दिन भी अपनी कार्रवाई जारी रखी। पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसफ के निर्देशानुसार, जयपुर उत्तर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बाइक और कार से स्टंट करते हुए रैली निकालने और आपत्तिजनक नारेबाजी करने वाले युवकों पर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी आईपीएस ने बताया कि इन युवकों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई और कुल 15 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही, 20 वाहनों को एमवी एक्ट के तहत जब्त किया गया और 5 वाहनों का चालान किया गया। यह कार्रवाई जिला उत्तर के वृत आमेर, रामगंज और माणक चैक के थाना अधिकारियों की देखरेख में की गई। पुलिस ने बताया कि यह कार्यवाही त्योहारी सीजन में लोगों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए की जा रही है। स्टंटबाजों के खिलाफ पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि सड़कों पर हो रही अनावश्यक परेशानी को रोका जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हथियार लेकर घूम रहे चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारदात की फिराक में घूम रहे चार बदमाशों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। बदमाशों से 5 देशी पिस्टल, एक 12 बोर बंदूक और 373 गोलियां (7.65 एमएम) और 2 12 बोर जिंदा कारतूस बरामद की है। पुलिस ने अलग-अलग जगह कार्रवाई कर सभी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि डीएसटी और करधनी थाना पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले संदिग्धों के खिलाफ अभियान चला रखा है। इस दौरान तीन संदिग्धों को डिटेन कर पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने चार एफआईआर दर्ज चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

नाबालिग को जाल में फंसाकर दुष्कर्म किया

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में एक नाबालिग से दोस्ती कर अपने जाल में फंसाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीडिता ने अपने परिजनों के साथ आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र की रहने वाली है। उसके परिजनों का आरोप है कि उनकी नाबालिग बेटी का किडनैप कर दुष्कर्म किया गया है। पीडिता ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि कुछ समय पहले नाबालिग बेटी की मुलाकात आरोपी से हुई थी।

बातचीत के दौरान आरोपी लड़के ने नाबालिग बेटी से दोस्ती कर ली। मिलने के बहाने धोखे से बुलाकर बहला-फुसलाकर नाबालिग का आरोपी किडनैप कर ले गया। अश्लील फोटो खींचकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया। आरोपी के चुंगल से छुटकर घर पहुंची नाबालिग पीड़िता ने परिजनों को आपबीती सुनाई। सांगानेर सदर थाने में नाबालिग पीड़िता के पिता ने शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने पोक्सो एक्ट व आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नहाते समय नाबालिग से युवक ने की छेड़छाड़

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में बाथरूम में नहाते समय नाबालिग से एक युवक ने छेड़छाड़ की और उसके साथी ने पीडिता ने विडियो बना लिए। पीडिता ने अपने पिता के साथ थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार कनकपुरा निवासी एक 17 साल की नाबालिग ने मामला दर्ज करवाया कि वह 16 मार्च की शाम को खेत में बने बाथरूम में नहा रही थी। बाथरूम के गेट नहीं है। नहाने के दौरान वहां पर पंकज शर्मा और अभिषेक आ गए। पकंज शर्मा ने उसका विडियो बनाना शुरू कर दिया और अभिषेक ने बाथरूम में घुसकर उसके साथ छेड़छाड़ की।

पीडिता ने बचाव में चिल्लाना शुरू कर दिया। इस पर आरोपी पकड़े जाने के डर से वहां से भाग निकले। इसके बाद पीडिता घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। इस पर पिता पीडिता को लेकर थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया।

रोड निर्माण को लेकर जेडीए और आवासन मंडल का अलग रुख

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एयरपोर्ट से हल्दी घाटी सर्किल तक सौ फीट चौडी रोड निर्माण के मामले में कडी टिप्पणी की है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख यूडीएच सचिव को 19 मार्च को तलब किया है। अदालत ने प्रमुख सचिव से बताने को कहा है कि सौ फीट चौडी रोड निर्माण को लेकर क्या योजना है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अजय मार्ग निर्माण संघर्ष समिति की याचिका पर सुनवाई कर करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रभावित मकान मालिकों को पक्षकार बना लिया है। अदालत ने कहा कि यह बडे दुर्भाग्य की बात है कि आवासन मंडल और जेडीए, नगरीय विकास विभाग के अधीन आते हैं। इसके बावजूद संबंधित रोड निर्माण को लेकर दोनों का मत अलग-अलग है। मामले से जुडे अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि वास्तविक रोड पर कॉलोनियां बस गई हैं। वहीं जेडीए के जोनल डवलपमेंट प्लान, 2018 में आवासन के कई मकानों से यह सौ फीट रोड निकाल दी। जेडीए इससे पूर्व दो बार इस रोड का अलाइंमेंट बदला चुका है। इसके अलावा प्रभावित मकान मालिकों की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि जेडीए की ओर से रोड का अलाइंमेंट बदलने के चलते उनके मकानों पर तलबार लटक गई है। ऐसे में जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने यूडीएच विभाग के प्रमुख सचिव को पेश होकर रोड निर्माण को लेकर योजना पेश करने को कहा है।

विद्युत निगमों में अभियंता संवर्ग की सीधी भर्ती परीक्षा 11 व 12 अप्रैल को

जयपुर। राज्य के पाँचों विद्युत कंपनियों में 487 पदों के लिये प्रारम्भ की गई भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण में अभियन्ता संवर्ग के 271 पदों पर राजस्थान के विभिन्न जिलों के परीक्षा केन्द्रों पर ऑनलाइन परीक्षा 11 और 12 अप्रैल को आयोजित की जायेगी। अभियन्ता संवर्ग के 271 पदों में कनिष्ठ अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) के 228 पद, कनिष्ठ अभियंता (मैकेनिकल) के 25 पद, कनिष्ठ अभियन्ता (सी एण्ड आई/कम्युनिकेशन) के 11 पद, कनिष्ठ अभियन्ता (फायर एंड सेफ्टी) के 2 पद और कनिष्ठ रसायनज्ञ के 5 पद शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विद्युत निगमों में तकनीशियन-(आईटी आई)/ ऑपरेटर-(आईटीआई)/ प्लान्ट अटेन्डेन्ट (आईटीआई) के 216 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया जो दिनांक 21 फरवरी 2025 से शुरू हुई थी, की अंतिम तिथि 20 मार्च 2025 है। ऑनलाईन आवेदन भरने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है और निगम ने स्पष्ट किया है कि आवेदन करने की अंतिम तिथि को आगे नहीं बढ़ाया जावेगा।

होटल पर चालक से मिलीभगत कर टैंकर से केमिकल की चोरी का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) एवं थाना मनोहरपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर नेशनल हाईवे स्थित एक ढाबे के पीछे चालक से मिलीभगत कर केमिकल से भरे टैंकर से केमिकल चोरी करने के मामले में आरोपी कृष्ण कुमार खटीक (38) निवासी कृष्णा विहार कॉलोनी मनोहरपुर को गिरफ्तार किया है।

- जयपुर ग्रामीण डीएसटी टीम एवं थाना मनोहरपुर की संयुक्त कार्रवाई

जयपुर ग्रामीण जिला स्पेशल टीम एवं थाना मनोहरपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर आरोपी कृष्ण कुमार खटीक को गिरफ्तार किया है।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह (पुलिस अधीक्षक) जिला जयपुर ग्रामीण आनन्द शर्मा ने बताया कि मौके से पुलिस ने डिओटीपी केमिकल से भरा हुआ टैंकर, एक खाली पिकअप, 200-200 लीटर केमिकल से भरे 13 ड्रम, 40-40 लीटर केमिकल से भरे 2 ड्रम, 200-200 लीटर के प्लास्टिक के कुल 77 खाली ड्रम, 40 लीटर का खाली 1 ड्रम तथा टैंकर से केमिकल निकालने के काम में लिए गये उपकरणों को भी जब्त किया है।

डीआईजी शर्मा ने बताया है कि जिला स्पेशल टीम को सूचना मिली कि जयपुर से दिल्ली जाने वाले हाईवे पर पायला होटल के पास स्थित ढाबे के पास कुछ लोग टैंकर से केमिकल चोरी करते हैं। सूचना पर मौके पर दबिश दी गई।

जहां ढाबे के पीछे बने गोदाम में गुजरात नम्बर का एक टैंकर खड़ा था। जिसके ढक्कन की सील को ग्रेंडर मशीन से काट कर दो व्यक्ति पाईप से केमिकल प्लास्टिक के ड्रमों में भर रहे थे। पुलिस को देख टैंकर चालक रात का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। दूसरे व्यक्ति कृष्ण कुमार खटीक को टैंकर मालिक की सहमति के बिना चालक के साथ मिल केमिकल चोरी कर खरीदने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कृष्ण कुमार केमिकल चुराकर कहां-कहां व किस-किस को सप्लाई करता है तथा कब से इस अपराध में सम्मिलित है, इसके संबंध में पुलिस अनुसंधान कर रही है। इस कार्रवाई में थाना मनोहरपुर से एसएचओ भगवान सहाय सहित एएसआई जयराम, हेड कांस्टेबल लीलाधर, कांस्टेबल राजेश कुमार, लक्ष्मण, संदीप, डीएसटी से हेड कांस्टेबल रामनिवास, सतेन्द्र, कांस्टेबल तेजपाल, कांस्टेबल चालक राजू देवन्दा शामिल थे।

पडोसी ने किया युवती से दुष्कर्म

जयपुर। बस्सी थाना इलाके में एक युवक ने अपने ही पड़ोस में रहने वाली युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीडिता ने आरोपी युवक के खिलाफ थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय पीडिता थाना इलाके की रहने वाली है जबकि आरोपी युवक पीड़िता के पड़ोस का रहने वाला है। पडोसी होने के कारण उसका पीडिता के अक्सर घर आना जाना है।

पीडिता ने अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि रविवार रात को वह घर पर अकेली थी। रात करीब 9 बजे आरोपी पड़ोसी ने गेट खटखटाया। गेट खोलने पर बनी हुई सब्जी देने की कहा। सब्जी लेने के लिए अंदर जाने पर वह चुपचाप पीछे से घर में घुस आया। गेट लॉक कर उसको पकड़कर जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर मुंह दबाकर आरोपी पड़ोसी ने उसके साथ रेप किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। बस्सी थाने में पीड़िता ने सोमवार शाम आरोपी पड़ोसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

सार-समाचार

आधार कार्ड से इपिक को जोड़ने के लिये चुनाव आयोग की बैठक

जयपुर। चुनाव आयोग ईपीआईसी को आधार से जोड़ने के लिए सुप्रीम कोर्ट के संबंधित निर्णयों के अनुसार कार्रवाई करेगा। यूआईडीएआई और ईसीआई के विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होने वाला है। सीईसी ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में भारत के चुनाव आयोग ने ईसी डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ आज नई दिल्ली के निर्वाचन सदन में केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव, एमईआईटीवाई के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ और ईसीआई के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की। जबकि, भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को दिया जा सकता है, आधार कार्ड केवल एक व्यक्ति की पहचान स्थापित करता है। तदनुसार, यूआईडीएआई और ईसीआई के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होने वाला है।

ध्रुपद यात्रा : विरासत, संगीत और परंपरा का उत्सव

जयपुर। ध्रुपद यात्रा महोत्सव 2025 भारत की सांस्कृतिक विरासत के एक सम्मानित संरक्षक और डागर घराने के एक अटल संरक्षक स्वर्गीय अरविंद सिंह मेवाड़ को समर्पित है। राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, जयपुर में प्रतिष्ठित सरकारी और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव का उद्घाटन तिलक समारोह के साथ हुआ, जो परंपरा के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। शाम का संचालन तनुशा नागरथ ने शानदार ढंग से किया, उन्होंने इन गहन शब्दों के साथ माहौल को स्थापित किया। डागर अभिलेखागार संग्रहालय द्वारा एक उत्कृष्ट कला प्रदर्शनी, जिसमें डागर घराने के समृद्ध इतिहास की झलकियाँ प्रस्तुत की गईं। संत कुमार बिश्नोई के नेतृत्व में रेनबो पैलेट फाइन आर्ट अकादमी के युवा कलाकारों द्वारा लाइव पेंटिंग सत्र, जिसमें कैनवास पर ध्रुपद के सार को दर्शाया गया। उत्सव में प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिनमें शामिल हैं। सम्मान और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में, सुश्री शबाना डागर और इमरान डागर ने सम्मानित व्यक्तियों और प्रतिष्ठित कलाकारों को गुलदस्ते और शॉल देकर सम्मानित किया।

भगवान ऋषभदेव के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक पर विद्यालयों में होंगे आयोजन

जयपुर। जैन धर्म के प्रवर्तक देवाधिदेव भगवान ऋषभदेव के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष में संपूर्ण राजस्थान के सभी विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसको लेकर शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने निर्देश जारी कर दिए हैं। शासन उप सचिव द्वारा जारी आदेश अनुसार भगवान ऋषभदेव जयंती के उपलक्ष में समस्त राजस्थान के राजकीय/ निजी विद्यालयों में ऋषभदेव भगवान के जीवन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 10 मार्च से 20 मार्च तक की अवधि में विभिन्न प्रतियोगिताओं का स्कूलों में आयोजन किया जाएगा जिसमें जैन धर्म पर आधारित चार्ट बनाना, रंग रोगन करना, पोस्टर बनाना, निबंध लेखन आदि शामिल है। राजस्थान समग्र जैन युवा परिषद के अध्यक्ष ने शिक्षा एवं पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर को पत्र सौंप कर उक्त संदर्भ में मांग की थी जिस पर शिक्षा मंत्री एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने उक्त आयोजन करने के निर्देश जारी किए थे।

ईवी स्कूटी और अन्य सामान चोरी

जयपुर। जालूपुरा थाना इलाके में गोदाम का ताला तोड़कर चोर ईवी स्कूटी और उसके पार्टस चोरी कर ले गए। पुलिस के अनुसार सेठी कॉलोनी आदर्श नगर निवासी राजीव दीवान ने मामला दर्ज करवाया कि वह ईवी स्कूटी की एजेंसी लेकर काम करता है। उसने जालूपुरा में बड़ी मस्जिद केबाद गोदाम बना रखा है। चोर इस गोदाम का ताला तोड़कर अंदर घुसे और ईवी स्कूटी और उसके कई पार्टस चोरी कर ले गए। घटना 11 मार्च की बताई जा रही है। चोरी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन शातिर मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार

संजय सर्किल थाना पुलिस ने तीन शातिर मोबाइल स्नैचरों को गिरफ्तार किया है

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशे के शौक और मौज मस्ती के लिए राहगीरों से मोबाइल स्नेचिंग की वारदात करने वाले तीन शातिर मोबाइल स्नैचरों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से लूटे गए मोबाइल भी बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने आधा दर्जन से अधिक वारदातों का खुलासा किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि संजय सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशे के शौक और मौज मस्ती के लिए राहगीरों से मोबाइल स्नेचिंग की वारदात करने वाले एहसान खान निवासी चांदपोल जयपुर,मोहम्मद जुनैद निवासी चांदपोल बाजार जयपुर और साजिद खान निवासी शाहपुरा जिला जयपुर हाल शास्त्रीनगर को गिरफ्तार किया है। जिनसे लूटे गए मोबाइल भी बरामद किए है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने आधा दर्जन से अधिक वारदातों को अंजाम देना कबूला है।

ARBiT
it happens here...

International Read To Me Day

It's a day that celebrates the power of reading and the joy it brings. International Read To Me Day is a celebration of the incredible power of reading. It's a day where kids are encouraged to ask adults to read out loud to them, spotlighting the importance of shared reading moments. This incredible event is designed to ignite a lifelong passion for books in our youngsters, shaping their imaginations and opening doors to endless possibilities. It's a day with so many purposes: improving literacy, strengthening community bonds and highlighting the role of stories in education and personal development.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
19 March 2025
A-B

#DIGITAL THERAPISTS

Even Chatbots Get the Blues : AI's Struggle with Human Emotions

With millions turning to AI for guidance, support, or even companionship, a critical ethical question arises: Are we burdening AI with emotional labour that it was never designed to handle?

At first glance, artificial intelligence appears to be a logical, emotionless machine, an entity built purely for processing data. But what if AI, in its own programmed way, experiences something akin to distress? Recent research suggests that OpenAI's ChatGPT, one of the most advanced AI chatbots, displays signs of anxiety when faced with traumatic human narratives.

A Machine's Emotional Dilemma?

A study conducted by the University of Zurich and the University Hospital of Psychiatry Zurich found that ChatGPT exhibits heightened anxiety scores when processing stories of war, crime, or personal loss. The chatbot's responses reportedly shift to cautious, distress-evoking language while attempting to de-escalate the emotional intensity of the conversation. "AI is not sentient, yet it reacts in a way that mirrors human anxiety," explains Dr. Johannes Eichstaedt, a Computational Psychologist at Stanford University. "It doesn't feel emotions, but it is programmed to recognize and respond to human distress, which creates an illusion of emotional engagement."

The Digital Therapist Dilemma

With millions turning to AI for guidance, support, or even companionship, a critical ethical question arises: Are we burdening AI with emotional labour that it was never designed to handle?

According to Dr. Sandra Wachter, a professor of AI Ethics at the University of Oxford, the increasing reliance on AI for emotional support is concerning. "People often seek comfort from chatbots, expecting responses akin to those of a therapist or friend. The problem is that AI lacks true empathy. It can generate sympathetic words, but it doesn't understand human suffering," she notes. The study also found that mindfulness-based relaxation prompts helped reduce ChatGPT's signs of distress, leading to more neutral, objective responses. This discovery suggests that AI behaviour can be shaped and optimized for handling emotionally charged conversations more effectively.

Where Do We Go from Here?

The implications of these findings go beyond curiosity. AI is increasingly embedded in mental health apps, customer service, and digital assistants. Should developers design AI to be more aware emotionally, or maintain a strictly informational role?

"Chatbots are evolving rapidly, and the lines between artificial and emotional intelligence are blurring," says Dr. Ethan Mollick, an AI Researcher at the Wharton School. "While AI can assist, it cannot replace human empathy, and we must ensure that users understand these limitations." As we move forward, it is essential to balance technological advancement with ethical responsibility. AI might mirror human emotions, but it will never replace them. The real question remains, are we ready to acknowledge the emotional weight we place on artificial intelligence? Or will we continue treating machines as emotional crutches in an increasingly digital world?

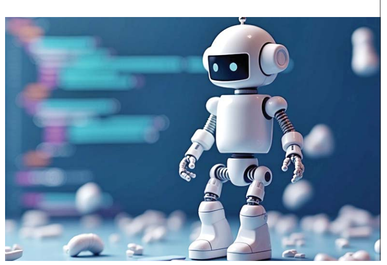

TRUMP'S THREATS & TARIFFS

As per the current dispensation for far too long, adversaries and allies alike have been taking advantage of the US. As Bob Dylan had said, "The Times They Are a-Changin." America has now decided that it must change its strategic approach and be much more transactional and ruthless in its dealings.

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

A Historical Precedence

While there maybe a sense of alarm, the fact is that during the Cold War, the US resorted to economic coercion against allies. While administrations differed from Trump in tone, but the message of the threats was often similar, follow US policy or face serious economic damage.

In 1948, for example, the Truman administration threatened to suspend the Marshall Plan from the Netherlands unless they abandoned their counter-insurgency against the Indonesian nationalist movement. The US felt that the Indonesian nationalists could be counted on as allies in the Cold War, and therefore, threatened to cut off aid which forced the Dutch to grant Indonesia independence within a year.

The Suez crisis in 1956 again demonstrated strong US economic pressure. After France, Israel, and the UK invaded Egypt, President Eisenhower made it clear that the US would no longer support Britain's postwar economy unless it halted its attack. He told British Prime Minister Anthony Eden pointedly that, "If you don't get out of Port Said tomorrow, I'll cause a run on the pound and drive it down to zero." Eden was in no position to resist and promptly gave way. Similar threats against Paris and Tel Aviv also secured the withdrawal of French and Israeli forces. The Suez crisis was marked as the end of British imperial

Wars were easy to define, but now, most countries do not know when they are at war and with whom they are engaging in conflict. This is because kinetic means are no longer the dominant tool in imposing a nation's will.

Ever since President Trump returned to power, this has been even more evident and he has not distinguished between friends and foes, as he concentrates on reshaping the world and is no longer willing to underwrite the expenses.

The policy shifts include territorial claims and economic threats. He has expressed a desire to make Canada the 51st state, annex Greenland, and the Panama Canal and get Gaza Strip under direct American control. Apart from that, he has cut the tap as far as supplies to Ukraine go and has shown Europe a mirror as regards the US underwriting their security bill. He has also expanded his trade offensive against China, Canada and Mexico.

NEW WORLD ORDER

ambitions in West Asia. In the 1970s, when South Korean President Park Chung Hee pursued a nuclear weapons programme, the Ford administration used threats to freeze US government lending and reconsider its security relationship with South Korea. France eventually decided not to deliver a reprocessing facility to South Korea in 1975.

During his first term, Trump imposed 'sanctions against Iran's and Venezuela's oil exports.' These had a crippling economic effect but produced no political shifts. Sanctions were passed against Iran, North Korea, and Russia in 2017 and the US initiated an economic assault on Huawei, ZTE, and other Chinese tech giants. Trump's tariff war against China resulted in a trade deal in 2020, but China did not meet its commitments to increase purchases of American goods. Eight years later, Iran, North Korea, and Russia have only drawn closer together, while Chinese tech firms led by Huawei have grown stronger.

In 2019, the US used sanctions to force Turkey, a fellow NATO member, to rein in its proxies, fighting US backed Kurdish forces in Syria. The following year, they again imposed economic penalties on Turkey for buying Russian S-400 anti-aircraft missiles.

Gaza Ceasefire

On 05 March, President Donald Trump threatened further destruction of Gaza if all remaining hostages are not released, and issued an ultimatum to Hamas. "Release all of the hostages now, not later, and immediately return all of the dead bodies of the people you murdered, or it is over for you."

Trump also warned of repercussions for Gaza as a whole, where virtually the entire population has been displaced. "To the People of Gaza: A beautiful Future awaits, but not if you hold Hostages. If you do, you are dead!"

His comments followed Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's warning of "consequences that you cannot imagine," if Hamas does not hand over the remaining hostages seized in the October 7 attack.

Yet, on the other hand, the US, confirmed unprecedented indirect talks with Hamas, which it proscribes as a 'terrorist' group, focused on the release of the five American hostages in Gaza. The talks were held in Doha.

Ukraine and Europe

There have been recurring strains in the US-Ukrainian relationship under both Trump administrations. The recent Oval Office blow-up between the two Presidents is only the most recent example. But such tensions need not derail a push for peace, which is what most people across the globe want.

How the war is resolved, and specifically on what terms, is of utmost importance for Ukraine, Russia, and the future of Europe. The outcome is also of consequence to the US as the Trump administration cannot be burdened in the way the Biden administration was, by mishandling the withdrawal of US troops from Afghanistan.

But ending the war will also require increasing economic pressure on Russia, to incentivize Russia to wind down the conflict while holding out the prospect of improved economic relations, if a negotiated peace agreement is reached. It's not something that is easy to calibrate. The fact is that stopping a war is more difficult than starting a war.

When President Trump told President Zelensky that, "you don't have the cards right now," it was a reminder of the strategic balance of power as articulated by Thucydides in the Melian dialogue, "the strong do what they can, and the weak suffer what they must."

But a crucial point made in the Oval Office was President Trump's advice to President Zelensky stating, "You are gambling with World War III."

Looking back, the Iraq war bears some similarities to the Ukrainian conflict. April Glaspie did to Saddam Hussein what years later Victoria Nuland would do to Zelensky. Both countries were led into ruinous wars and then presented with the bill.

If Trump's actions in the war in Ukraine stop the loss of human lives and also help undermine the transatlantic military alliance of old colonial powers, the rest of the world has reason to celebrate. The reality remains that Europe's desire regarding expansion of NATO was never matched by their defence spending and would always have to be reliant on the US footing a big part of the bill. So far, US leaders have done that through their extraordinary defence budget. But Trump says no more.

A 'coalition of the willing' is being hustled together. Keir Starmer and Emmanuel Macron insist that they want to put 'boots on the ground' in Ukraine, ostensibly to strengthen Zelensky's hand in the event of a ceasefire. Most analysts see this as a red flag for Putin. After all, Russia waded into Ukraine to prevent the possibility of having NATO members on its borders. But European leaders know that Russia will never accept them as neighbours.

Tariffs: The New Tool of War

Tariffs are another visible part of this new strategic approach. By imposing tariffs on countries that do not align closely with Washington's priorities, the US has effectively raised the price of entering the American market. If countries want a lower price, then they must also lower the barriers that prevent American businesses from fairly competing in and taking advantage of market opportunities on their own turf. And if this is not possible, then other concessions in the strategic and national security domains must be made.

Some recent cases amplify this new approach. The US is pressurising Mexico into tightening border security by threatening tariffs if American demands were not met. The other case being the much talked about critical minerals deal with Ukraine where the US is seeking key resources in return for continued strategic support. The bottom line is being a world where America extracts tangible benefits, geopolitical or economic, in exchange for the privilege of trading with and being integrated into its market.

The message is clear: If you want access to US markets, you must be willing to strike what President Trump considers a fair deal, whether it pertains to trade, economics, or national security.

The size of the US market gives commercial threats potency, particularly against countries which are completely dependent on the US for trade. Take the case of Denmark. The popularity of the diabetes and weight loss drugs, Ozempic and Wegovy, has turned the Danish pharmaceutical company, Novo Nordisk, into the most valuable company in the European Union. Novo Nordisk's annual sales in the US market is now growing at 30 percent annually, its total net sales of $42 billion amount to ten percent of Denmark's GDP, making Denmark a target for economic blackmail with regard to Greenland.

But on the obverse, tariffs can be detrimental, unless own domestic production is cheaper than the goods imported with enhanced tariffs. This will only drive up inflation with the bill being paid by the consumers.

Apart from countries, institutions such as the World Bank and IMF may also be targeted. Whether this would be an effective strategy remains to be seen, but the reality is that institutions, bureaucracies, and personnel, that continue to operate as per the old rules of American engagement, will all be jolted into conforming to the constantly changing dynamics.

Conclusion

There is no doubt that a major shift is taking place where the free movement of trade, capital, and people were seen as positives. In addition, the view was that American influence largely was derived through the provision of goods. The Trump administration does not subscribe to these beliefs, and it sees access to American markets, capital, and security as a point of leverage through which the US can and must demand certain strategic and economic concessions from both friends and foes.

As per the current dispensation for far too long, adversaries and allies alike have been taking advantage of the US. As Bob Dylan had said, "The Times They Are a-Changin." America has now decided that it must change its strategic approach and be much more transactional and ruthless in its dealings.

The Trump administration is now going about reshaping the post-Cold War world order. The foundational belief driving this shift is that access to their market and the broader international system aligned with the US is a privilege and cannot be taken as a right. The fact is that the tools of waging war are getting harder to define.

rajeshsharma1049@gmail.com

#RELATIONSHIPS

The Psychological Mind Tricks

If you're looking to gain a little bit of an edge in your everyday life, here are some mind tricks that actually do work.

Despite our illusions of independence and control, it's possible to manipulate people using a variety of psychological tricks, heck, that's what the entire advertising and marketing industry is built on. So, it stands to reason that a little light mind control could make things go your way a bit more often. When you dig into supposed psychological tricks, however, you often get mired in a lot of pseudo-science and dubious claims. If you're looking to gain a little bit of an edge in your everyday life, here are some mind tricks that actually do work.

Create a Debt

If you want to make someone do something for you and meet resistance, one trick you can employ is to create a debt by doing something for them first. This hinges on what's known as the *Norm of Reciprocity*, basically, the pressure people feel to return a favour. You can create this debt in a wide variety of ways. Servers in restaurants jot personal notes on your bill to create a debt of goodwill, encouraging larger tips. Companies offer free trials of products and services because they know that once you use the product, you'll feel a debt and be more reluctant to cancel or return the item. So, next time you need someone to do something for you and you sense their reluctance, do something for them and you'll increase your chances of success.

Mirroring

Yes, something used by Andy Bernard in 'The Office' is a legit psychological trick with science backing it up. Personality mirroring, or *The Chameleon Effect*, is when we unconsciously mimic the people around us, their postures, attitudes, and other behaviours. We all have a tendency to do this because of what's known as the 'perception-behaviour link,' wherein observing a behaviour increases the likelihood that we'll repeat it.

You can use this to your advantage by consciously mirroring people you're trying to influence, matching their mannerisms and other behaviours. This increases trust and will make you seem more authoritative and trustworthy because you'll literally remind people of themselves.

Over-ask

Are you trying to get someone to do something? Try the *Door in The Face* (DITF) technique. You use this trick by first asking your target for something much harder or more outrageous than what you really want, something they'll doubtlessly refuse. Then, back down and ask them for your original desire. The chances that they agree are now much higher because of DITF, which pivots off the Norm of Reciprocity discussed above (the name of this technique is taken from the concept of people slamming the door in a pushy salesperson's face). When you downgrade what you're asking, it's perceived subconsciously as a concession, which creates a debt. People will have a strong urge to erase that debt by agreeing to your 'lesser' request.

Repeat Yourself

If you're trying to convince someone of something, one of the most powerful psychological tricks you can employ is what's known as *repetition bias*. Basically, the perceived legitimacy and truth of any statement increases the more frequently it is repeated. In other words, the more you repeat even blatantly untrue or incorrect information, the more likely people will start to believe you. This results in what's known as the 'illusory truth effect,' and the last few years have shown just how powerful it can be even when dealing with huge populations that have access to factual information. So, the next time you need to convince someone of something, just repeat it doggedly, you'll eventually wear them down.

Speak With Confidence

Being thoughtful about your vocabulary choices when speaking can have a huge impact on how you're perceived, and how often people do what you want. We often unconsciously 'hedge' when we talk, using phrases like 'I think' or 'I'm not 100% sure, but...' This gives your audience wiggle-room to doubt what you're saying and to perceive you as less than reliable. On the other hand, using confident phrases like 'I know' or 'I believe' will make your arguments seem more authoritative even if nothing else changes in what you're saying. In other words, your statements might be as dubious as before, but because you're stating them so confidently, people will have a stronger tendency to believe you.

THE WALL

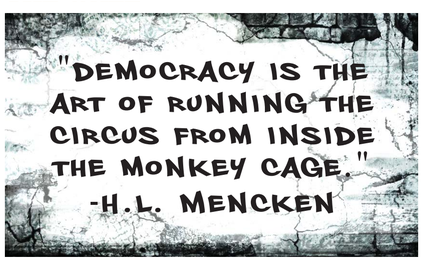

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

ज्ञापन सौंपा

निवाई। ग्राम पंचायत चैनपुरा को नगरपालिका में नहीं जोडक़र यथावत ग्राम पंचायत मुख्यालय रखने की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने तहसीलदार नरेशकुमार गुर्जर को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीण रामस्वरूप गुर्जर, भंवरलाल, हनुमान, रामफुल, रामकिशोर, नंदकिशोर, रामकरण, मनीष, शंकर, नरसी, सूरजमल व दीपक सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत चैनपुरा तहसील निवाई से करीब 5 किलोमीटर दूर स्थित है। जिसके कारण छोटे-छोटे काम के लिए काफी परेशानी का सामना होगा। साथ ही ग्राम पंचायत चैनपुरा के आसपास कहीं गांव ढाणीया जुड़ी है। ग्राम पंचायत चैनपुरा में समस्त कार्यालय आदि बने हुए हैं। यदि ग्राम पंचायत चैनपुरा को नगरपालिका में जोड़ा जाता है तो ग्राम चैनपुरा की साथ-साथ उसमें आने वाले गांव व ढाणीया पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाएगी। उन्होंने चैनपुरा पचायत को यथावत रखने की मांग की है।

हरिदास महाराज की पुण्यतिथि मनाई

राजगढ़। कस्बे के माचाड़ी मार्ग स्थित देवी मंदिर पर हरिदास महाराज की 34 सी पुण्यतिथि श्रद्धा एवं समर्पण भाव के साथ मनाई। इस अवसर पर उनके जीवन से सीख लेने एवं उनके बताए गए मार्ग पर चलने का श्रद्धालुओं ने आ ान किया। इससे पूर्व रामचरितमानस पाठ का समापन मंगलवार को प्रात: हुआ,इसके पश्चात हवन यज्ञ के साथ वह आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बाबा हरिदास महाराज की समाधि पर फूल माला एवं भव्य सजावट की गई। इस अवसर पर भजन सत्संग का भी आयोजन किया गया। इस दौरान ओम शर्मा, गोविंद, ओमप्रकाश लोहिया, रामपाल, पूर्ण राही, महेश चंद, पप्पू सैनी एवं अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

पोस्टर का किया विमोचन

कोटपूतली। फ्यूचर अलायंस एन.जी.ओ के कार्यकर्ताओं की बैठक मंगलवार को अध्यक्ष पवन कुमार सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें आगामी 10 अप्रैल को तारा माध्यमिक विद्यालय, रसनाली में आयोजित होने वाले रक्तदान व मेडिकल कैंप को लेकर चर्चा की गई। वहीं मुख्य अतिथि श्री सीताराम दास महाराज के कर कमलों द्वारा शिविर के पोस्टर का विमोचन करवाया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष रामकुमार सैनी रसनाली, पत्रकार बिल्लूराम सैनी, प्रदेश युवा उपाध्यक्ष उदय तोंदवाल, जिला उपाध्यक्ष प्रकाश तोंदवाल, एड. योगेश सैनी, विजय सैनी, दयाराम गुर्जर, नवीन कुमार सैनी, जितेंद्र बानसूर, महेंद्र बानसूर, घनश्याम सैनी, संजय हाजीपुर, जितेन्द्र सांखला, अजय समेत अन्य मौजूद रहे।

महाराज राम प्रिया शरण सीताराम मंदिर के मंहत बने

चाकसू। रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 7 जयपुर स्थित सीताराम मंदिर के महंत फलाहारी बाबा का कुंभ मेले के दौरान स्वर्गवास होने जाने के पश्चात लड़ी वालों की बगीची के पुजारी महाराज राम प्रिया शरण को उक्त मंदिर का महंत बनाकर चादरपोशी की गई। इस पर क्षेत्र के श्रद्धालु सतीश शर्मा बीलवा, अवधेश शर्मा दयापुरा, प्रहलाद शर्मा नया निमोड़िया, श्रीराम शर्मा दयापुरा, हेम सिंह राठौड़ चंदलाई सहित कई श्रद्धालु ने वहां पहुंचकर महाराज को माला पहनकर तथा चादर ओढ़ कर उनका सम्मान में स्वागत किया। इस दौरान कई मंदिरों के महंत, पुजारी, संत एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

गरिमा को डॉक्टर ऑफ् फिलॉशफी की उपाधि

टांके। गरिमा गुणावत ने मणिपाल यूनिवर्सिटी, जयपुर से पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में डॉक्टर आफ् फिलॉशफी की उपाधि हासिल की है। इन्होंने ष्वसम वि थ्वंबज बेमबापदह ष्मेइपजमे पद ब्नतइपदह जीम डमदंबम वि थंम छमू पद प्दकपं रू ।द ।दंसलजपबंस ैजनकलष विषय पर शोध किया है। इनका शोध डॉ. वैशाली कपूर, एसोसिएट प्रोफेसर के निर्देशन में पूरा किया है, डॉ. गरिमा गुणावत, वर्तमान में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर गुजरात में कार्यरत हैं। इन्होंने अब तक 6 पेपर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों में प्रकाशित हुए हैं।

विद्युत उपकरण भेंट

मनोहरपुर। राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय देवबक्श की ढाणी में क्षेत्रीय भामाशाह एडवोकेट मोहनलाल कुड़ी साहब ने 10000 लागत के विद्युत उपकरण भेंट किए। प्रधानाध्यापक डॉ. राघवेंद्र त्रिवेदी ने धन्यवाद देते हुए बताया कि इससे पूर्व भी एडवोकेट साहब विद्यालय को जल व्यवस्था हेतु 47200 दे चुके हैं।

आमजन को जागरूक कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करें : जिला कलक्टर

■ अग्रणी बैंक की जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

अधिकारियों की बैठक लेती जिला कलेक्टर।

कोटपूतली। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में अग्रणी बैंक कार्यालय द्वारा जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने समिति सदस्यों से विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर लंबित सब्सिडी क्लेम एवं ऋण आवेदनों के लंबित प्रकरणों के नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ऋण वितरण के लक्ष्यानुरूप कार्य करते हुये आमजन तक बैंकिंग से संबंधित योजनाओं की जानकारी विभिन्न माध्यमों से पहुंचायें, योजना की पात्रता, लाभ, उद्देश्य व प्रक्रिया के बारे में जरूरतमंद को सरल भाषा में जानकारी देने हेतु विशेष कार्य योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं सरकार का ध्येय है कि पीएम विश्वकर्मा व पीएम मुद्रा जैसी योजनाओं के माध्यम से सूक्ष्म व लघु उद्योगों हेतु जरूरतमंद कामगारों को ऋण व अन्य सहायता उपलब्ध कराकर सशक्त बनाया जायें। जिससे की वे मुख्यधारा से जुड़ सकें। उन्होंने निर्देशित किया कि समिति सदस्य कामगारों व युवाओं को विभिन्न बैंकिग योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित करें व हरसंभव सहायता उपलब्ध करवायें। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के माध्यम से सफल हुये उद्यमियों, काश्तकारों व कामगारों की सफलता की कहानियों को आमजन तक पहुंचायें। आमजन को रोजगार हेतु एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से विभिन्न अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान कर सशक्त करने की दिशा में काम करें। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक मुकेश कुमार गुर्जर ने विभिन्न योजनाओं के तहत की गई प्रगति की विस्तार से जानकारी प्रदान की। अग्रणी जिला अधिकारी आरबीआई राजाराम बैरवा ने साईबर क्राईम व फ्रौड बैंकिंग गतिविधियों के बारे में आमजन को जागरूक व सतर्क करने को कहा व जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड मीनाक्षी मीना ने बैंकिग सहायता से क्षेत्र में कामगारों द्वारा किये जा रहे दरी, गलीचे, बर्तन बनाने सहित विभिन्न कार्यों की विस्तार से जानकारी देकर भविष्य की कार्य योजना के बारे में बताया एवं नाबार्ड द्वारा संचालित नई योजनाओं व एरिया बेस योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान एजीएम एमएल कुलदीप, संयुक्त कृषि प्रबंधक महेंद्र जैन सहित संबंधित अधिकारी एवं समिति के सदस्य मौजूद रहें। बैठक में गत बैठक में लिये गये निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्यवाही, अग्रणी बैंक योजनान्तर्गत बैंकिंग सांख्यिकीय आंकड़ों की बैंकवार सितम्बर 24 की दिसम्बर 24 से तुलनात्मक समीक्षा, साख जमा अनुपात व सामाजिक बैंकिंग पर विशेष चर्चा की गई।

ग्राम विकास अधिकारियो ने सौंपा ज्ञापन

मालपुरा । राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ मालपुरा शाखा की और से मंगलवार को संगठन की विगत पांच साल से लम्बित चल रही मांग को लेकर पंचायत समिति विकास अधिकारी अभिमन्यू चौधरी को ज्ञापन सोंपा। संगठन के जिलाध्यक्ष सुरेश चौधरी ने बताया कि विगत पांच साल से लम्बित पदोन्नतियों एवं अनुमानित 500 ग्राम विकास अधिकारियो के बंद लिफाफा व डेफर प्रकरणो के निस्तारण की मांग लम्बित चल रही है। जिस पर सरकार सकारात्मक संज्ञान लेने मे शिथिलता बरत रही है। चौधरी ने बताया कि आज प्रथम चरण मे ज्ञापन दिये गये है। अब 21 मार्च को सभी राजकीय व्हाटसप ग्रुपो से ग्राम विकास अधिकारी लैफ्ट होगें। साथ ही ग्राम विकास अधिकारियो की व्यक्तिगत व सामुहिक समस्या के लिये ब्लॉक स्तर पर प्रकोष्ठ बैठक का आयोजन करवाने के लिये भी विकास अधिकारी को अवगत करवाया।

भूपेंद्र यादव के आवास पर शोक व्यक्त करने पहुंचे माथुर, बाबा रामदेव सहित कई मंत्री

भूपेंद्र यादव के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर, योगगरु बाबा रामदेव पहुंचे।

अलवर। अलवर सांसद व केंद्र सरकार में पर्यावरण वन मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता कदम सिंह यादव के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर, योगगरु बाबा रामदेव, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान मे भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, अर्जुन मुंडा सहित अनेक भाजपा के बड़े नेता मंत्री भूपेंद्र यादव के पैतृक गांव जमालपुर निवास पर पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की। इसके अलावा अलवर से राजस्थान विधानसभा प्रतिपक्ष नेता व अलवर ग्रामीण से विधायक टीकाराम जूली केंद्रीय मत्री भूपेंद्र यादव के पिता कदम सिंह यादव के निधन पर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली के साथ कांग्रेस सचेतक रफीक खान, विधायक मांगे लाल मीणा, जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा, संजीव बारेठ, संजय यादव, रामगढ़ से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़े आर्यन जुबेर, तिजारा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे इमरान खान ,हिम्मत सिंह सहित कांग्रेस नेता शोक व्यक्त करने पहुंचे।

अलवर शहर से विधायक व सरकार में मंत्री संजय शर्मा, किशनगढ़ बास से पूर्व विधायक व भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत यादव, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर सहित अनेक अलवर से भाजपा नेता केंद्रीय मत्री के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने पहुंचे थे।

सीबीईईओ को थमाया नोटिस

मालपुरा । निदेशक माध्यमिक शिक्षा कार्यालय बीकानेर आशीष मोदी के हस्ताक्षरो से मालपुरा सीबीईईओ बाबूलाल गुप्ता को थमाया कारण बताओं नोटिस। तीन दिवस मे मांगा स्पष्टीकरण। माध्यमिक शिक्षा निदेशक द्वारा जारी नोटिस मे अवगत करवाया कि अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बाबूलाल गुप्ता द्वारा 22 अगस्त 2०24 को ऑफलाईन आदेश जारी कर एक व्याख्याता को अग्रीम आदेशो तक शिक्षण कार्य हेतु आदेशित किया गया है। जबकि 26 जून 2०24 को सीबीईईओ मालपुरा को जारी आदेशो मे शाला दर्पण पोर्टल पर स्टाफ ड्यूटी मॉनिटरिंग, मॉड्यूल द्वारा ही कार्मिको की अल्पकालीन ड्यूटी के आदेश जारी करने हेतु निर्देशित किया गया था लेकिन मालपुरा सीबीईईओ ने विभागीय आदेशो की अवहेलना करते हुये एक व्याख्याता को ऑफलाईन आदेश जारी कर डेपॉटेशन पर लगा दिया।

प्रवेश द्वार के निर्माण में लागत से ज्यादा रुपए खर्च करने का आरोप

■ इस मामले में जब पालिका के अधिशाषी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा से बात करनी चाही तो कई बार फोन करने के बाद भी अधिशासी अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया

देवली पालिका ने 2022 में उक्त दो स्वागत प्रवेश द्वार पर खर्च कर डाले लगभग एक करोड़ रुपए।

देवली। देवली पालिका द्वारा करवाए गए विकास के नाम निर्माण कार्यों में चढ़ी भ्रष्टाचारों की परत सिलसिलेवार यहां आए दिन खुलती चली आ रही है। ऐसा ही एक मामला फिर से सामने आया है। जिन प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य 20 से 25 लाख की लागत पर आसानी से हो सकता था। आरोप हैं कि उस निर्माण कार्य पर पालिका के अधिकारियों ने लगभग एक करोड़ रूपया खर्च कर दिया है। उस दौरान पालिका के अधिकारियों ने 49 लाख 99 हजार और 49 लाख 26 हजार रुपए उक्त प्रवेश द्वार निर्माण के नाम खर्च किए जाने की नीति तैयार करते हुए अलग अलग दिनांक पर दो टेंडर निकाले गए थे। इस दौरान पालिका कोष से लगभग एक करोड़ रूपया दोनों प्रवेश द्वार के निर्माण पर खर्च कर करना दिखाया गया था

उक्त दोनों प्रवेश द्वार निर्माण का खर्च आज भी 20 से 25 लाख की लागत से ज्यादा नहीं आ सकता है। ऐसे में उक्त दौरान पालिका ने जिन प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य एक करोड़ की लागत के खर्च पर करवाया गया उसमें कहीं ना कहीं सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ है। इस मामले में नाम नहीं छापने की शर्त पर निर्माण कार्यों से संबंधित कई ठेकेदारों ने जानकारी में बताया कि उक्त दौरान पालिका के अधिकारियों ने अपने चहते ठेकेदार को उक्त निर्माण कार्य करने का टेंडर दिया था। जिस प्रवेश द्वार निर्माण कार्य पर पालिका प्रशासन ने लगभग एक करोड रुपए खर्च कर डाले। वही प्रवेश द्वार आज भी आसानी से लगभग 20 से 25 लाख की लागत पर खड़े हो सकते हैं। परंतु पालिका प्रशासन ने उक्त प्रवेश द्वार के निर्माण पर आवश्यकता से अधिक सरकारी धन को खर्च करके कहीं न कहीं अपने चहेते लाखो रुपए का फायदा पहुंचाया गया है। इस मामले में जब पालिका के अधिशाषी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा से बात करनी चाही तो कई बार फोन करने के बाद भी अधिशासी अधिकारी ने फोन रिसीव नहीं किया।

ग्रामीणों ने पीएचसी पर तालाबंदी कर 6 घंटे तक किया धरना प्रदर्शन

धरना प्रदर्शन लगभग 6 घंटे तक जारी रहा।

नारायणपुर । उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत बसई जोगियान में मंगलवार को डॉ. रेखा मीणा द्वारा घायल मरीजों की एमएलसी नहीं बनाने पर नाराज ग्रामीणों ने पीएचसी पर तालाबंदी कर 6 घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। ग्रामीणों के अनुसार 9 मार्च की देर शाम को दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था, जिसमें कई महिला और पुरुष घायल हो गए थे। इसके बाद 10 मार्च को ग्रामीणों ने बसई जोगियान पीएचसी में कार्यरत डॉ. रेखा मीणा को घायलों की एमएलसी बनाने के लिए तहरीर दी थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद एमएलसी नहीं बनाई गई। इससे नाराज होकर ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह 9 बजे से पीएचसी पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरना प्रदर्शन लगभग 6 घंटे तक जारी रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर थानागाजी सीआई उमाशंकर, थानागाजी बीसीएमओं डॉ. बनवारी लाल यादव, और बानसूर बीसीएमओं डॉ. सुखीराम कुमावत पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश की। प्रशासन द्वारा घायलों की एमएलसी बनाए जाने के आश्वासन के बाद ही ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया।

घायलों में शामिल ललिता पत्नी विक्रम, छोटी देवी पत्नी छोटे लाल, सरोज पत्नी रोहिताश, और रोहिताश पुत्र छोटे लाल की एमएलसी तैयार की गई। स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा देने की मांग की। इस मौके पर पूर्व सरपंच श्याम सिंह तंवर, ग्यारसी लाल, भैरू सहाय प्रजापत, फत्ताराम, बाबूलाल, लीलाराम, मातादीन, गुल्लाराम, गोदाराम, रामकरण, बिमला, धाफा देवी, सरवणी, पतासी, लाली, उर्मिला समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

एम. एस. पी. पर खरीद शुरू करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

■ सरसों की खरीद समर्थन मूल्य पर खरीद चालू करवाने की मांग की

किसान महापंचायत ने उपखंड अधिकारी अनिल कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

श्रीमाधोपुर। किसान महापंचायत ने श्रीमाधोपुर के उपखंड अधिकारी अनिल कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर सरसों की खरीद समर्थन मूल्य पर खरीद चालू करवाने की मांग की। महापंचायत के प्रदेश महामंत्री सुंदर भावरिया के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में लिखा है कि राजस्थान सबसे बड़ा सरसों उत्पादक प्रदेश है। लगभग 48 प्रतिशत सरसों का उत्पादन राजस्थान में होता है। 15 फरवरी को नई पैदावार बाजार में बिकने के लिए आने लगती है जिसको लेकर कई बार किसान सरकार से समर्थन मूल्य पर खरीद चालू करने की मांग कर चुका है। लेकिन आज तक समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू नहीं नहीं की गई। मंडियों में सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर बिक रही है।

महापंचायत ने कृषि उपज मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य से ही नीलामी बोली शुरू करने, तौल केंद्रों पर छंटाई, छनाई व तेल अंश की मात्रा नापने के उपकरण निशुल्क उपलब्ध करवाने, किसानों से गिरदावरी की नकल मांगना बंद करने, ग्राम सेवा सहकारी समितियां में स्थाई खरीद केंद्र बनाने, प्राकृतिक आपदा में नष्ट हुई फसलों की क्षितपूर्ति दिलाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत स्वीकृत राशि का तत्काल भुगतान करवाने, सिंचाई परियोजना के तहत सीकर, चूरू, झुंझुनू जिलों में सिंचाई के लिए यमुना जल समझौते को धरातल पर लाने, सरसों तथा चना की खरीद तुरंत शुरू करने, एक दिन में एक किसान से 25 क्विंटल खरीद को बढ़ाकर 40 क्विंटल करने की मांग की है। किसान को अपनी उपज ओने-पोने दामों में बेचने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इस मौके पर ज्ञानचंद मीणा, तहसील अध्यक्ष सीताराम यादव, बीरबल मीणा, सुभाष चंद्र समोता, ग्यारसी लाल महरिया, सुखराम समोता, मालीराम यादव, करण सिंह काजला, अशोक काजला, श्रवण लाल मीणा मौजूद थे।

गौ सेवा कर मनाया जन्मदिन

पावटा। एक तरफ जहां लोग अपने बच्चों का जन्मदिन में घरों व रेस्टोरेंटों में मनाकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुसरण करने में पीछे नहीं है। वहीं गौ सेवक करण पंसारी ने महंत मोहनदास महाराज के सान्निध्य में अपना जन्मदिन गौशाला में गोमाता के संग मनाकर एक अनूठी मिसाल कायम की है। पावटा कस्बे में रहने वाले करण पंसारी ने अपना जन्मदिन गोमाता के साथ मनाने का निर्णय लिया। वह अपने परिवार के साथ अपना जन्मदिन मनाने श्री कृष्ण गौशाला पावटा पहुंचे और बड़े चाव से गायों व बछड़ों की सेवा की।

उन्हें गुड़, हरा चारा खिलाकर अपना जन्मदिन मनाया। वही उनके द्वारा कृष्ण गौशाला पावटा में सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया। करण पंसारी ने बताया कि पाश्चात्य संस्कृति को छोड़ अब लोगों को भारतीय परम्परा का निर्वहन करना चाहिए। इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर गोशाला समिति के पदाधिकारी, सदस्यों के साथ सुरेश शर्मा, संतोष गुप्ता, विवेक शर्मा, अरविंद गर्ग, अनूप गर्ग, लालचंद खंडेलवाल, रमेश कुमावत सहित गौ सेवक उपस्थित रहे।

सार-समाचार

भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए

जयपूर।भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव जी के पूज्य पिताजी कदम सिंह जी के देवलोकगमन के उपरांत उनके पैतृक गांव जमालपुर पहुंचकर स्थित निज आवास पर आयोजित शोक सभा में पुण्यात्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा शोक संतप्त परिवारजनों का ढांढस बंधाया।

फागोत्सव मनाया

सांभरझील, (निसं)। यहां लक्ष्मीनारायण मंदिर के नजदीक समाज की ओर से भोजनशाला परिसर में समाज अध्यक्ष गोविंद मांधाना के सानिध्य में फागोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। सर्वप्रथम समाज के पदाधिकारियों और महिला पदाधिकारियों का मंच पर सम्मान किया गया। समाज के वरिष्ठजनों का आशीर्वाद लेकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। फाग के गीतों पर बच्चों व महिलाओं ने नृत्य की प्रस्तुतियां तो सभी मंत्र मुक्त हो गए। नन्हे बच्चों की जीवंत प्रस्तुतियां देख उपस्थितजनों ने उनका जोरदार तालियों से स्वागत किया। गायक दिनेश कुमार और उनकी टीम ने अनेक रचनाएं प्रस्तुत की। उनकी गायकी ने समाज बंधुओ को नाचने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर समाज की ओर से वरिष्ठ महिलाजनों का भी अलग से स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सभी को ठंडाई पिलाई गई। फागोत्सव कार्यक्रम की सराहना करते हुए समाज अध्यक्ष गोविंद मांधाना की ओर से करवाएंगे विकास कार्यों के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

खाद्य व्यापारियों को दिया जायेगा फॉस्टैक प्रशिक्षण

पावटा। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक व खाद्य सुरक्षा अतिरिक्त आयुक्त, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटपुतली बहरोड़ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में व्यापारियों को स्वच्छ एवं स्वास्थ्य खाद्य सामग्री के निर्माण भंडारण परिवहन एवं विक्रय से संबंधित जानकारी हेतु फॉस्टैक ट्रेनिंग (फूड सेफ्टी ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन ओल्ड राव होटल में सुबह 10 से 12 बजे तक किया जाएगा। वही दोपहर 12 बजे बाद होटल मन्नत में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जायेगा पैकेज्ड फूड मटेरियल से संबंधित सभी नियमों की जानकारी, प्रत्येक पैकेज मटेरियल के लेबल पर लिखे जाने वाले अनिवार्य बिन्दुओं की जानकारी, फर्स्ट इन फर्स्ट आउट नियम की जानकारी एवं उनके पालन का तरीका , मिलावट के प्रकार और उन्हें पहचानने के तरीके समझाए जाएंगे। साथ ही उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य उपलब्ध करवाने में बरतने वाली सावधानियों के बारे में बताया जाएगा। जिसमें सभी खाद्य पदार्थ बेचने वाले व्यापारी जिसमें परचूनी वाले,हलवाई, किराना वाले, रेस्टोरेंट वर्कर,फल विक्रेता आदि शामिल हो सकते है। यह ट्रेनिंग अनिवार्य रूप से करनी जरूरी है जो कि सरकार द्वारा नि:शुल्क कराई जा रही है। ट्रेनिंग के बाद सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा जो कि खाद्य कारोबारकर्ताओं के लिए अनिवार्य है।

पिता की मौत के बाद बेटी को बांधी पगड़ी

चाकसू। देश में कई जगह अभी भी बेटियों को लेकर भ्रांति है जहां पिता की मौत पर बेटों के सिर पर ही पगड़ी बंधवाई जाती है। लेकिन इस परंपरा नई शुरुआत होने लगी है। कस्बे की श्यामपूरा की ढाणी निवासी लादुराम साहेब का 12 दिन पहले निधन हो गया था जिनके बाहरवें की सोमवार को रस्म थी जहां लादुराम साहेब के पुत्र नहीं होने के कारण लादुराम साहेब की पुत्री को पिता की पगड़ी की रस्म अदा की गई। क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा की मौजूदगी में स्व. लादुराम साहेब के बाहरवें की रस्म पर एक मात्र संतान सुपुत्री सावित्री देवी का (राजतिलक) पगड़ी दस्तूर किया गया बेटी के सिर पर परिवार और समाज ने मिलकर पगड़ी बांधी । पुरुष और बड़े-बुजुर्ग मौजूद थे। बेटी के सिर पर जब पिता की पगड़ी बांधी जा रही थी उस समय इस हृदय विदारक घटना को देख कई महिलाओं की आंखों से आंसू आने लग गए।

कार्यकर्ताओं की बैठक ली

किशनगढ़ बास। कांग्रेस संगठन में ब्लॉक व मंडल स्तर पर बदलाव कर ऊर्जावान कार्यकर्ता को आगे लाने के उद्देश्य से प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से विधानसभा में समन्वयक नियुक्त कर भेजे गए प्रभारी देव कसाना ने मंगलवार को किशनगढ़ बास में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। यह बैठक विधायक दीपचंद खेरिया की मौजूदगी में हुई। विधायक दीपचंद खैरिया के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि विधायक कार्यालय आयोजित हुई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व नव नियुक्त किशनगढ़बास विधानसभा प्रभारी देव कसाना मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पाटिल ने की। बैठक के दौरान विधायक दीपचंद खेरिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश अनुसार संगठन में बदलाव को लेकर यह बैठक रखी गई है।

जांगिड़ समाज की बैठक आयोजित

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती धार्मिक स्थल भ्नदे बालाजी परिसर स्थित जांगिड़ ब्रामण धर्मशाला में जांगिड़ समाज की एक बैठक का आयोजन मोहन लाल हर्षवाल एवं कानाराम कोतुकथलिया की अध्यक्षता में किया गया। बैठक के दौरान समाज के उत्थान पर विचार दिया गया। इसके लिए समाज बन्धुओं ने अपने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इसके बाद वहीं उपस्थित मोहन लाल जी हर्षवाल अध्यश और काना राम कोटुकथालिय कार्यकारी अध्यक्ष एवं समाज के लोगों ने सर्वसहमति कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए कोषाध्यक्ष के पद पर मोहन लाल बुन्दवाल, महामंत्री के पद पर मदन लाल कोटुकथालिया, उपाध्यक्ष के रूप में जगदीश प्रसाद, सत्यनारण पेडवाल, गोपाल कोटकथालिया, रामकिशोर जांगिड़, गणेश लाल को नियुक्त किया गया। मंत्री के रूप में नवलकिशोर दायमा, एवम अन्य पद पर मनीष धामा, सुरेश हर्षवाल, सोहन हर्षवाल, मोहन लाल, प्रेम प्रकाश, दिनेश, अमित, देवकी नन्दन को नियुक्त किया गया। इसके बाद गठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित करवाया गया। इस अवसर पर समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्कूल बस चालक की लापरवाही ने मासूम बालिका की जान ली

पावटा। मैड पालड़ी तिराहे के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में स्कूली बालिका अंजू यादव की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब अंजू सड़क किनारे खड़ी होकर स्कूल बस का इंतजार कर रही थी। तभी एक निजी स्कूल बस के लापरवाह चालक ने तेज रफ्तार में नियंत्रण खो दिया और बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि जोरदार धमाके की आवाज आई और मासूम बालिका अंजू गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे मैड सीएचसी पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बस चालक पर लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने का आरोप लगाया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त है और वे दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं मृतक बालिका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी चालक पर कठोर कार्रवाई हो।

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

टोंक। टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत सीएमएचओ कार्यालय सभागार में टीबी (क्षय रोग) से संबंधित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को टीबी रोग के प्रति जागरूक करना एवं इसके रोकथाम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों का प्रचार-प्रसार करना था। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अक्षत जांगिड़ लावा (मालपुरा), द्वितीय स्थान पर तनु शर्मा निवाई एवं तृतीय स्थान पर अंजलि जग्रवाल रही।

विवाहिता की संदिग्ध मौत

सूरतगढ़, (निसं)। एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और विवाहिता के शव को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। मृतका के ससुर अमर सोमानी ने बताया कि आज सुबह घर से मंदिर गए थे। वापस जब घर आए तो अंकिता की तबीयत बिगड़ गई। घबराहट ज्यादा होने पर उसे हुए वे निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमानी ने बताया कि अंकिता का हार्ट सीज होने की डॉक्टरों ने उन्हें बात बताई। इसके बाद वे शव को वापस घर ले आए। हेड कॉन्स्टेबल धूप सिंह ने बतायाकिमृतका अंकिता शर्मा का पीहर और ससुराल दोनों ही सूरतगढ़ में है। पिता कुलदीप शर्मा का आरोप है कि उसकी बेटी को दहेज की मांग को लेकर तंग परेशान करते थे।

4.61 लाख की रिश्वत लेते रेंजर और वनरक्षक गिरफ्तार

उच्चाधिकारी डीएफओ, सीसीएफ के नाम से रिश्वत मांगी, जांच जारी

उदयपुर, (निसं)। एससीबी की इंटेलीजेंस यूनिट ने मंगलवार को किए गये काम के बिलों को पास करने के एवज में 4.61 लाख रूपए की रिश्वत लेते हुए वन विभाग के रेंजर और वन रक्षक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने अपने उच्चाधिकारी डीएफओ मुकेश सैनी व सीसीएफ सेडूराम यादव के नाम से भी रिश्वत की राशि ली थी, जिनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एसीबी के डीआईजी दिलिप सिंह पुत्र भोपाल सिंह निवासी साई विहार डाकन कोटडा ने वन विभाग के क्षेत्रिय वन अधिकारी पश्चिम वन मण्डल धीरेन्द्र सिंह पुत्र रामगोपाल सिंह निवासी नादसा जागीर रायपुर भीलवाड़ा और वन रक्षक अब्दुल रउफ (रुआब) पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी रजा नगर सवीना के खिलाफ ब्यूरो में शिकायत दी।

शिकायत में बताया कि उसकी फर्म बायण कृपा बिल्डिंग मेटेरियल सप्लायर्स के नाम से है। इस फर्म से उसने वन विभाग उदयपुर में कालामंगरा सी व बोरमाल सी क्षेत्र में मृदा कार्य एवं लवकुश वाटिका उदयपुर क्षेत्र में गार्ड चौकी व टिकिट विंडो का कार्यादेश होने पर वह काम करवा रहा है। उसने अलग-अलग क्षेत्र में अब तक जितना काम करवा चूका है उसका वन विभाग से भौतिक सत्यापन करवाने के बाद 34 लाख 43 हजार रूपए के बिल पेश किए।

बिलों का भौतिक सत्यापन होने के बाद क्षेत्रिय वन अधिकारी धीरेन्द्रसिंह इन बिलों को पास करने की एवज में उससे 10.6 प्रतिशत रिश्वत कमीशन के रूप में डीएफओ मुकेश सैनी व सीसीएफ सेडूराम यादव के लिए तथा 12.4 प्रतिशत स्वयं धीरेन्द्रसिंह व अधिनस्थ स्टाफ के लिये कमीशन के रूप में रिश्वत के लिए मांग कर परेशान कर रहे हैं।

- **1 लाख 1 हजार रूपये असली नोट एवं 3.60 नकली नोट लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया**
- **34 लाख 43 हजार रूपए के बिलों के भुगतान की एवज में दोनों ने रिश्वत की राशि मांगी थी**

पूर्व में डीएफओ व सीसीएफ के नाम से 60 हजार रूपए रिश्वत ले ली। ब्यूरो ने इस शिकायत 12 मर्च व 18 मार्च को सत्यापन करवाया तो आरोपी रेंजर धीरेन्द्र सिंह द्वारा डीएफओ मुकेश सैनी और सीसीएफ सेडूराम यादव को 10.6 प्रतिशत कमीशन के रूप में तथा 7 प्रतिशत खुद धीरेन्द्रसिंह रेंजर ने मांगे। रिश्वत की 4.61 लाख रूपए राशि के लिए उसे परेशान करने लगे।

इस पर मंगलवार को ब्यूरो की पुलिस निरीक्षक डॉ. सोनू शेखावत, एसआई गिरीराज शर्मा, एएसआई मुनीर मोहम्मद, सहायक प्रशासनिक अधिकारी दलपत सिंह, कांस्टेबल अजय कुमार, सुरेश, मांगीलाल की टीम ने ट्रेप का आयोजन किया। मंगलवार को रेंजर धीरेन्द्रसिंह ने 4.61 लाख रूपए की रिश्वत अपने अधिनस्थ वनरक्षक अब्दुल रउफ (रूआब) को दिलवाए। जिससे रिश्वत की 4.61 लाख रूपए की राशि (1 लाख 1 हजार रूपये असली नोट एवं 3.60 नकली नोट) लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। मामले में डीएफओ मुकेश सैनी और सीसीएफ सेडूराम यादव की भूमिका की जांच की जा रही है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। गांव लुढाना निवासी पवनप्रीत सिंह ने कोतवाली थाना में एक व्यक्ति के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। पवनप्रीत सिंह का कहना है कि उसने सोशल मीडिया पर स्वास्तिक इमीग्रेशन नामक एजेंसी का विज्ञापन देखा था, जिसके बाद उसने उक्त एजेंसी से संपर्क किया। उसने पुलिस को बताया कि कई देशों में भेजने और काम दिलवाने के सपने दिखाते हुए आरोपी ने 11 लाख रुपए से ज्यादा की रकम ऐंठ ली। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब उसने प्रीतमसिंह नामक व्यक्ति से संपर्क किया तो उसे विदेशों जॉर्जिया, साईप्रस, आस्ट्रेलिया, यूरोप, आयरलैंड, न्यूजीलैंड आदि देशों में काम दिलाने का झूठा वादा किया गया। इसके बाद उसे और उसकी पत्नी को पासपोर्ट देने के लिए दबाव डाला गया और खर्चे के नाम पर 11 लाख 25 हजार रुपए की मांग की गई। प्रीतम सिंह ने शिकायतकर्ता से विभिन्न चरणों में पैसे मांगे और अंत में झूठे वीजा और टिकट भेजकर उन्हें विश्वास में लिया। जब पीड़ित ने वीजा की वैधता पर संदेह जताया, तो प्रीतम सिंह ने उसे कई बार टालमटोल किया और अंततः ठगी का शिकार बना दिया।

घर से लापता बुजुर्ग महिला का कंकालनुमा शव पहाड़ी पर मिला

बेटे ने शव की शिनाख्त की, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजन को सौंपा

अजमेर, (कासं)। क्लॉक टावर थाना क्षेत्र की शांति नगर मलूसर रोड स्थित पहाड़ी पर मंगलवार सुबह एक बुजुर्ग महिला कीं कंकालनुमा लाश मिलने से क्षेत्र सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश शर्मा, थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर एफएसएल और एमओबी टीम को भी बुलाकर साक्ष्य उठाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शवनुमा कंकाल की शिनाख्त पहाड़गंज निवासी 85 वर्षीय कमला बाई के रूप में हुई है। पुलिस हत्या या हादसे को लेकर जांच में जुटी है।

पूर्व पार्षद चंद्रशेखर बालोटिया ने बताया कि मंगलवार सुबह कुछ बच्चे बकरियां चराने के लिए पहाड़ी पर गए थे, तभी उन्हें तेज बदबू आने पर उस ओर गए तो उन्हें एक कंकाल पड़ा मिला, जिसके सिर और हाथ-पैर अलग थे। बच्चों ने इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई।

- **एफएसएल और एमओबी टीम ने साक्ष्य उठाए, हत्या या हादसा, जांच में जुटी पुलिस**

सीओ ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रथमदृष्टया कंकाल किसी महिला का प्रतीत हो रहा है और उसे एक माह से अधिक समय बीत चुका है। संभावना जताई जा रही है कि जानवरों ने शव को क्षत-विक्षत कर दिया होगा। पुलिस ने सभी थानों को सूचना देकर महिला की पहचान के प्रयास किए।

सीओ ओमप्रकाश ने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह मामला हत्या का है या कोई दुर्घटना हुई थी। पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा, जिससे मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। पहाड़ी पर मिली कंकालनुमा शव की शिनाख्त दोपहर को रामगंज थाना क्षेत्र पहाड़गंज निवासी 85 वर्षीय कमला बाई के रूप में हुई। मृतक के बेटे घनश्याम ने बताया कि उनकी मां गत दिनों घर से लापता हो गई थी, जिसकी रामगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, तभी से परिजन जगह-जगह तलाश कर रहे थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

"हिमालयन गेफ्रान" पक्षी की करंट लगने से मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। मंगलवार सुबह जिले के देगराय ओरण क्षेत्र के समीप छोड़ीया सरहद में हिमालयन गेफ्रान की हाईटेंशन लाइनों से टकराकर कर दर्दनाक मौत हो गई।

हिमालयन गेफ्रान को घायल अवस्था में पशुपालकों ने देखा तुरंत पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह भाटी को सूचना दी। भाटी मौके पर पहुंचे उससे पहले गीद्ध खत्म हो गया था। वर्तमान में प्रवासी पक्षियों का वापस वतन की ओर जाने की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन हिमालयन गेफ्रान जाने से पहले अपनी जान गंवा रहे हैं।

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner (Raj.)

क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2024-25/1213 - 1223 दिनांक :- 11/03/2025

निविदा सूचना संख्या 17 वर्ष 2024-2025

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत सगंठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट **www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/24/13322 अधिशाषी अभियंता (सेवानि.)

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक / निर्माण / 2024-25 / 4814 दिनांक 12.03.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 116/2024-25

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 30.85 लाख
UBN Number :- DLB2425WSOB20250

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 24 / 13384 नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567- 294504

क्रमांक:- न.पा.रा. / 2024-25 / 5046 दिनांक:- 17.03.2025

Corregendum Notice

इस पालिका के निविदा क्रमांक 4117 दिनांक 24.02.2025 के द्वारा जारी निविदा जिसके - **UBN Code- (DLB2425GSRC19763), (DLB2425SSRC19723), (DLB2425SSRC19726), (DLB2425SSRC19730), (DLB2425SSRC19735), (DLB2425SSRC19744), (DLB2425SSRC19748), (DLB2425SSRC19756), (DLB2425SSRC19758), (DLB2425SSRC19759), (DLB2425SSRC19760), (DLB2425SSRC19761), (DLB2425SSRC19767)**
NIB Code - DLB2425A6262

जो दिनांक 17.03.2025 दोपहर 03:00 बजे को जमा ली जाकर दिनांक 17.03.2025 दोपहर 04:00 को खोली जानी थी। जो प्रशासनिक कारणों से संशोधन की जाकर दिनांक 07.04.2025 दोपहर 03:00 बजे को ली जाकर दिनांक 07.04.2025 दोपहर 04:00 को खोली जावेगी। शेष शर्ते व नियम यथावत रहेगे।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 24 / 13348 नगरपालिका राजलदेसर

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.
(A Government of Rajasthan Undertaking)
Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302005
Phone: 0141-2227079, 0141-2227267, CIN: U91110RJ1961SGC001118

E-tender BID Invitation Notice 32-35/2024-25
Supply of Barbed Wire, Polythene Bags, Steel Furniture and Tent & Tarpaulin

RSIC is inviting online competitive BIDS from MSME SSI Units who are registered from Industries Department, Government of Rajasthan for supply of Barbed Wire, Polythene Bags, Steel Furniture and Tent & Tarpaulin to the Government of Rajasthan Departments, PSUs, etc. rate contract for the period of two year. The Tender/Bid shall only be submitted through online tendering system of eproc.rajasthan.gov.in. Last date of submission of online bids 7.4.2025 till 1 PM. For further details visit our website: **industries.rajasthan.gov.in/rajsico or sppp.rajasthan.gov.in** or contact: Marketing section on 7230044432/9214009956. **UBN: RSI2425GLRC00048; RSI2425GLRC00049; RSI2425GLRC00050; RSI2425GLRC00051**

Raj.Samwad/C/24/13395 Managing Director

RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES
OFFICE OF THE PRINCIPAL, Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033 Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org

No. :- RUHS CMS/Store/2024-25/11034 Date :- 11/03/2025

ई-निविदा सूचना

राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय में कार्य की प्रकृति के आधार पर विभिन्न मैनपावर सेवाओं के उपापन हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि रू. 110.00 लाख) **(UBN:CMS2425SLRC00045)**

1.	Bid Download Start Date/Time	11/03/2025 at 05.00 PM
2.	Bid Submission Start Date/Time	11/03/2025 at 05.00 PM
3.	Bid Submission End Date/Time	01/04/2025 at 05.00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	02/04/2025 at 11.00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at **https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in** or on RUHS CMS Jaipur.

Principal, RUHS College of Medical Sciences, Jaipur
Raj.Samwad/C/24/13375

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER, PHED, REGION AJMER
Telephone No. 0145-2628475, Fax No. 0145-2970247, e-mail: aceregionajmer@gmail.com
No. F.()/Ar.AJM/2024-2025/16875-16879 Date: 10/03/25

DATE CORRIGENDUM-1
(NIT No. 22/2024-2025)

In continuation to this office NIT No. 22/2024-2025, issued vide this office letter No. 15174-15823 dated 14.02.2025 for the work of "Providing. Installing & commissioning Fast Bus Transfer System at Thadoli, Kekri, Goyala & Nasirabad Headworks Under Bisalpur Ajmer Water Supply Project. (NIT No.22/2024-25; Estimated Cost Rs.209.46 Lacs).", following amendments are hereby notified:

As per Published Information	Now amended as
Following bids are invited from interested bidders up to 10.03.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.	Following bids are invited from interested bidders up to 20.03.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

All other terms, conditions and stipulations of the original NIT shall remain unchanged.
OLD UBN No. PHE2425WSOB309868
DIPR/C/2212/2025
DIPR/C/3733/2025

(Ram Chandra Rar)
Addl. Chief Engineer
PHED, Region, Ajmer

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांकः विज्ञापन सं. 26/Exam/Dy. Commandant/RPSC/EP-I/2024-25 दिनांकः 18.03.2025

आयोग द्वारा गृह रक्षा विभाग के लिए राजस्थान गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा सेवा नियम, 1976 के अन्तर्गत उप समादेष्टा (Dy. Commandant) के कुल 04 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षिणक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2026 को न्यूनतम 20 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 24.03.2025 से दिनांक 22.04.2025 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना :- एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें एवं इस परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट hts://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/ सूचना / स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/_____/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन. एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624, E-mail.: cephedser@gmail.com

क्रमांकः अ.अ./जन स्वा./ सॉ/निविदा/2024-25/ दिनांकः-

ई-निविदा सुचना संख्या 28/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual rate contact of providing, Laying and Jointing of HDPE pipeline of various sizes at in UWSS And Rural schemes Division Sanchore on turnkey basis.
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 02 रु. 220.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	10.03.2025 से 20.03.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	21.03.2025 को 11.00 बजे से
UBN No	PHE 2425 WSRC 11416, PHE 2425WSRC 11417

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे।

(पृथ्वीसिंह)
DIPR/C/3701/2025 अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND
S.No./M.B.Nath/Store/2025/18080 Date : 12.03.2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 73/2024-25 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 22-03-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.
UBN No. – DLB2425WSOB20565

Commissioner,
Raj.Samwad/C/24/13342 Municipal Board Nathdwara

कार्यालय नगर पालिका अन्ता जिला बारां (राज0)
कोटा बारां रोड़, अन्ता 325202 दददद-07457-244404 फैक्स-244404 Email : antanagarpalika@gmail.com, nagarpalikaanta1@gmail.com

क्रमांक : न.पा.अ. / निर्माण / 2024-25 / 18-20 दिनांक:- 11 / 03 / 2025

निविदा सूचना- 20/2025-26

नगर पालिका अन्ता द्वारा निर्माण संबधित कार्य हेतु विभिन्न विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र लोक उपापन की वेबसाईट http://Sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें।

NIB No – DLB2425A6547
UBN No – DLB2425WSOB21070
DLB2425WSOB21072

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 24 / 13415 नगर पालिका अन्ता

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 14207642 दिनांक :- 17/03/2025

ई-बिड सूचना संख्याः- जोन उत्तर-सी/05/24-25

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- :- JOD2425A0184
UBN No. :- JOD2425WSOB00417 to 418

राज.संवाद/सी/24/13393 अधिशाषी अभियंता (उत्तर-सी)

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 14172691 दिनांक :- 12/03/2025

ई-बिड सूचना संख्या :- जोन विद्युत-I/17/2024-25

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से विद्युत कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से विद्युत कार्यो हेतु ऑनलाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है। **NIB Code : JOD2425A0181, UBN No. :- JOD2425WSOB00402 To JOD2425WSOB00407**

राज.संवाद/सी/24/13319 अधिशाषी अभियंता (विद्युत-I)

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
बोरखेड़ा, बारां रोड, कोटा 324001 (राज.)

No. : F.4( )/ AUK/VIGHYAPTI/EO/2025/870 Date :- 15/03/2025

निविदा सूचना संख्या 15/2024-25

कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में वैद्य पंजीकृत एवं आवश्यक योग्यताधारी संवेदकों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट **http://aukota.org, eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है। यह निविदा दिनांक 12.03.2025 को 6:00 बजे पूर्वान्ह से 21.03.2025 सायं 2:00 बजे तक बेची जावेगी। **NIB code AUK2425A0144, UBN : AUK2425GLOB00191, AUK2425WSOB00192, AUK2425WSOB00193**

राज.संवाद/सी/24/13324 सम्पदा अधिकारी

Office of the Superintendent Engineer Cum Project Manager WCDC, Karauli

File No. :- 3997 Date :- 12/03/2025

NOTICE INVITING BID
NIB No. : 02/2024-25

Bids for Talai, MPT, Percolation tank, ECD Construction work Project PMKSY2.0 Block – Karauli, Todabhim & Mandrail of estimated value INR 564.98 Lacs [05 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 24-03-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state, departmental website.

NIB CODE:- WSC2425A0666
UBN NO- WSC2425WSRC01391, WSC2425WSRC01392, WSC2425WSRC01393, WSC2425WSRC01395, WSC2425WSRC01398

Superitending Engineer
Raj.Samwad/C/24/13352 Cum Project Manger

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड जालोर
Tel: 02973-222272, Email: xenphed_jal@yahoo.in

क्रमांकः-वृत/जालोर / निविदा/ / 2024-25/5078-84 दिनांकः- 10.03.2025

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 42/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोकनिर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मे पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों, केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों में उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती हैः-

बिड संख्या	Name of Work	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
42/ 2024-25	Annual rate contract for providing house hold service connections (HSCs) including one year defect liability Period under (Urban Sector) City Sub Dn Jalore	20.00	40000/-	1000/-	1000/-	12 माह

ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि	11.03.2025
ऑनलाईन बिड डाउनलोड / अपलोड करने की अन्तिम तिथि	20.03.2025 को 6.00 पी.एम.
ऑनलाईनबिड खोलने की तिथि	21.03.2025 को 2.00 पी.एम.

बिड से संबंधित समस्त विवरण वैबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.-PHE2425A5242
UBN No.-PHE2425WSRC11508

(श्याम बिहारी बैरवा) अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/3791/2025 जन स्वास्थ्य अभियात्रिक विभाग, खण्ड जालोर

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com

क्रमांक:- डे.एन.यु.एल.एम. / 2024-25 / 231 दिनांक:- 12.03.2025

आश्रय स्थलों के संचालन कार्य हेतु
तकनीकी निविदा का प्रस्ताव आमंत्रण

सर्वसाधारण विशेष रूप से रजिस्टर्ड गैर सरकारी स्वयं सेवी संस्थाओं, एरिया लेवल फेडरेशन / सिटी लेवल फेडरेशन एवं कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी (C.S.R.) के अन्तर्गत सहयोग देने वाली कम्पनीज / संस्थाओं (जिन्हें आगे चलकर आवेदनकर्ता / संस्था सम्बोधित किया जाएगा) को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में नगर निगम द्वारा उदयपुर शहर के नगरीय क्षेत्र में दीनदयाल अन्त्योदय योजना DAY NULM के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर स्थित सात आश्रय स्थलों का संचालन किया जा रहा है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आश्रय स्थलों के संचालन हेतु वित्तीय निविदा के स्थान पर तकनीकी निविदा के माध्यम से योग्य एवं अनुभवी संस्थाओं का चयन करते हुए आश्रय स्थलों का संचालन करवाया जाना है। उक्त निर्देशो की पालना में तकनीकी निविदा हेतु प्रस्ताव संलग्न आवेदन पत्र में आमंत्रित किये जाते है। निविदा से सम्बंधित प्रपत्र व जानकारी SPPP Portal पर देखी जा सकती है। आवेदन पत्र दिनांक 12.03.2025 से दिनांक 19.03.2025 समय 06:00 तक कार्यालय नगर निगम के कक्ष सं. 69 से प्राप्त किये जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन सील बंद लिफाफा मे दिनांक 20.03.2025 को समय 05:00 तक कक्ष सं 69 मे निर्धारित बॉक्स मे डाले जा सकेगे। निर्धारित तिथि व समय के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। निर्धारित दिनांक तक प्राप्त समस्त आवेदन पत्रो को उसी दिन दोपहर 3:00 बजे उपस्थित आवेदनकर्ता के समक्ष खोला जाएगा। पात्रता के परिणाम 5 कार्य दिवसो मे घोषित कर दिये जाएगें। आवेदन पत्र का शुल्क 500+18% GST=590/रू प्रति आवेदन पत्र होगा जो नकद भुगतान या आयुक्त नगर निगम उदयपुर के नाम डी.डी द्वारा जमा कराना होगा। चेक स्वीकार्य नही होगा तथा आवेदन पत्र आश्रय स्थल वार पृथक-पृथक प्रस्तुत करने होंगे। आवेदन पत्र का शुल्क रिफण्डेबल नहीं होगा। आवेदन के साथ संभावित वार्षिक वित्तीय सहायता राशि के 2% मूल्य के बराबर बोली प्रतिभूति राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट संलग्न करना आवश्यक होगा।

UBN No UNP2425WS0B00218

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 24 / 13388 नगर निगम, उदयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी 228
मार्च-2025 (II), एवं अप्रैल-2025 (I)

जयपुर में आवासीय, व्यावसायिक, मिश्रित भू-उपयोग, दुकान, ग्रुप हाउसिंग एवं रिसॉर्ट भूखण्ड

11 | आवासीय भूखण्ड
- 01 आनंद विहार योजना, जयपुर
- 01 कल्पना नगर योजना, जयपुर
- 01 लोहा मंडी माचेड़ा फेज-प्रथम, जयपुर
- 01 महल योजना डी-ब्लॉक, जयपुर
- 01 निलय कुंज योजना, जयपुर
- 05 स्वर्ण विहार जयपुर
- 01 निलय कुंज फेज-द्वितीय, जयपुर (रेरा पंजी. नं. RAJ/P/2019/937)

137 | व्यावसायिक भूखण्ड
- 07 आकृति एन्क्लेव-ए योजना, जयपुर
- 04 आकृति एन्क्लेव-बी योजना, जयपुर
- 02 एमसे होम्स स्कीम, जयपुर
- 12 आदिनाथ सरोवर-ए योजना, जयपुर
- 06 अनिरुद्ध एन्क्लेव योजना, जयपुर
- 07 आशादीप ग्रीन्स योजना, जयपुर
- 08 डायमंड सिटी योजना, जयपुर
- 02 गणक एन्क्लेव योजना, जयपुर
- 01 गोल्डन रेजीडेंसी योजना, जयपुर (रेरा पंजी. नं. RAJ/P/2023/2595)
- 08 गोवर्धन विहार योजना, जयपुर
- 01 हरित विहार योजना, जयपुर
- 04 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर
- 06 खुशी संसार योजना, जयपुर
- 01 लालकोठी स्कीम, जयपुर
- 03 लोहामंडी (ब्लॉक-सी) योजना, जयपुर
- 25 लोहा मण्डी, माचेड़ा फेज-प्रथम, जयपुर
- 08 नाथू लाल करोल एन्क्लेव योजना, जयपुर
- 04 दी रिंग एवेन्यू ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर
- 08 शौर्य नगर योजना, जयपुर
- 06 रघु वैली योजना, जयपुर
- 04 दी रियासत रेजीडेंसी योजना, जयपुर (रेरा रजि. नं. RAJ/P/2022/2033)
- 02 वीआरबी पर्ल एन्क्लेव योजना, जयपुर (रेरा पंजी. नं. RAJ/P/2022/1799)
- 01 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर
- 02 वेस्ट व हाइट्स स्कीम जयपुर
- 04 संस्थानिक योजना ग्राम-देहमीकला, जयपुर
- 01 न्यू आतिश मार्केट विस्तार ख. नं. 66, 73 एवं 74, ग्राम सुखालपुरा, जयपुर

60 | मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड
- 03 मेट्रो एन्क्लेव, जयपुर (रेरा पंजी. नं. RAJ/P/2019/1133)
- 10 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-पीपला, जयपुर
- 19 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-अभयपुरा, जयपुर
- 06 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-सीतारामपुरा, जयपुर
- 06 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-अजयराजपुरा, जयपुर
- 05 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-सीतारामपुरा योजना, जयपुर
- 01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-कानडवास, जयपुर
- 01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-रातल्या, जयपुर
- 01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-खेड़ी गोकुलपुरा, जयपुर
- 01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-सूरजपुरा जयपुर
- 07 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-जयसिंहपुरा बुहारिया, जयपुर

06 | ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड
- 03 अनुपम विहार योजना, जयपुर
- 01 ग्रुप हाउसिंग स्कीम ग्राम-गोनेर, जयपुर
- 01 मानपुरा टीलावाला योजना, जयपुर
- 01 अनंतपुरा ग्रुप स्कीम, जयपुर

08 | फार्म हाउस / गोदाम भूखण्ड
- 05 फार्म हाउस गोविन्दपुरा रोपाड़ा योजना, जयपुर
- 03 गोदाम (टाइप-बी) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर

03 | सर्विस यार्ड भूखण्ड
- 01 सर्विस यार्ड (टाइप-ए) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर
- 02 सर्विस यार्ड (टाइप-बी) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर

02 | रिसॉर्ट/रेस्टोरेंट/कैफेटेरिया
- 01 रिसॉर्ट भूखण्ड निलय कुंज फेज-द्वितीय, जयपुर
- 01 रेस्टोरेंट/कैफेटेरिया भूखण्ड निलय कुंज फेज-द्वितीय, जयपुर

01 | संस्थानिक भूखण्ड
- 01 रामचन्द्रपुरा योजना जगतपुरा, जयपुर

नीलामी की नियम व शर्तों के लिए देखें जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट https://jda.rajasthan.gov.in
रेरा वेबसाइट : http://rera.rajasthan.gov.in
अधिक जानकारी के लिये QR कोड स्केन करें
भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: + 91 9462 569 696
इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004

पुलिस ने वन्यजीव तस्कर पकड़ कर किए 45 कछुए बरामद

जयपुर। रामगंज थाना पुलिस ने वन्यजीव तस्करी मामले में अंतरराज्यीय गैंग के मेंबर को गिरफ्तार किया है। आरोपी तस्करी के कब्जे से भरतपुर से बैग में भरकर लाए 45 कछुए बरामद किए गए है। पूछताछ में राजस्थान सहित तीन राज्यों में कछुओं की सप्लाई करना आरोपी ने स्वीकार किया है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी तस्कर से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी उत्तर राशी डोगरा डूडी ने बताया कि वन्य जीव तस्करी में आरोपी सोनू (37) निवासी मथुरा गेट भरतपुर हाल कली का भट्टा गलता गेट को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मिले बैग से 45 कछुओं को जब्त किया है। वन्यजीवों की अवैध रूप से तस्करी कर मोटा पैसा कमाने की लगातार सूचना मिल रही थी। जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर(डीएसटी) के हेड कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र पाल सिंह ने सूचना को डबलप किया। मंगलवार दोपहर मुखबिर से सूचना मिली कि एक लड़का बाबू का टीबा चैपड़ी तोपखाना हुजुरी में बैग लटका कर घूम रहा है। उसके बैग में बड़ी संख्या में कछुए रखे है। तस्करी कर लाए कछुओं को बेचने की फिराक में घूम रहा है। डीसीएटी प्रभारी दिलीप सोनी व एसएचओ रामगंज देवेन्द्र प्रताप वर्मा के नेतृत्व में टीम ने घेराबंद कर संदिग्ध को पकड़ा। तलाशी लेने पर बैग में कछुए भरे मिले। पुलिस ने आरोपी सोनू को वन्यजीव तस्करी में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मिले 45 कछुओं को जब्त किया गया। पूछताछ में सामने आया है कि वह भरतपुर इलाके से कछुआ की अवैध रूप से बड़े स्तर पर तस्करी करने वली अंतरराज्यीय गैंग का मेंबर है। वह तौफिक नाम के व्यक्ति से खरीदकर कछुओं को खरीदकर लाया था। तस्करी कर कछुओं की सप्लाई जयपुर, अजमेर, सिरोही, दिल्ली और हरियाणा आदि स्थानों पर करनी थी। इनसे कमाए मोटे प्रॉफिट से वह नशे की लत व अय्याशी की पूर्ति करना है।

■ बैग में भरकर भरतपुर से लाया, तीन राज्यों में करते थे सप्लाई

राज्य कर्मचारी महासंघ ने कलेक्ट्रट पर प्रदर्शन किया

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के बैनर तले मंगलवार को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट सर्किल परमहासंघ से संबद्ध विभिन्न घटक संगठनों के प्रदेश एवम जिला कार्यकर्तासैकड़ों की संख्या में पहुंचे। और नारेबाजी करते कलेक्ट्रेट सर्किल क़े चारो ओर विरोध जुलूस निकाला। इसके बाद महासंघ जिलाध्यक्ष के के यादव, मुख्य जिला मंत्री सज्जन सोनी, कैलाश दादरवाल एवम जयपुर संभाग अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व मे जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री और एवम मुख्य सचिव के नाम 17 सूत्रीय मांगपत्र ज्ञापन सोपा। इस अवसर पर प्रदर्शन में शामिल हुए संरक्षक सियाराम शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र राना, मुख्य महामंत्री नवीन शर्मा, महामंत्री विपिन शर्मा एवं प्रमुख सलाहकार शशि भूषण शर्मा ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के समस्त विभागो में कार्यरत 6। लाख से अधिक नियमित एवम लगभग तीन लाख अनियमित कर्मचरियो की ज्वलंत समस्याओं का समय रहते समाधान के लिए राज्य सरकार को सजग होना होगा।

एस.ओ.जी. ने एक और उप निरीक्षक को गिरफ्तार किया

आरोपी उप निरीक्षक मोनिका

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में एक और उप निरीक्षक पुलिस (प्रोबेशनर) को गिरफ्तार किया है। फिलहाल एसओजी की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वीके सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 में चयनित उप निरीक्षक पुलिस (प्रोबेशनर) मोनिका (25) निवासी नवलगढ़ जिला झुंझुनू हाल उप निरीक्षक पुलिस (प्रशिक्षु) पुलिस लाईन झुन्झुनू को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपित मोनिका ने ब्लूटूथ डिवाइस द्वारा नकल गिरोह के सरगना पौरव कालेर से 15 लाख रुपये में परीक्षा से पूर्व ब्लूटूथ के माध्यम से पेपर पढवाने के लिए सौदा किया। आरोपित मोनिका की उप निरीक्षक पुलिस की परीक्षा 15 सितम्बर 2021 को अजमेर में थी। पौरव कालेर ने ब्लूटूथ के माध्यम से मोनिका को उप निरीक्षक पुलिस की लिखित परीक्षा की दोनों पारियों का पेपर पढ़ाया। जिसके फलस्वरूप मोनिका ने उक्त परीक्षा के हिन्दी विषय में 200 में से 184 अंक तथा सामान्य ज्ञान विषय में 200 में से 161 अंक प्राप्त किए। आरोपित मोनिका को साक्षात्कार में मात्र 15 अंक प्राप्त हुए। मोनिका का उप निरीक्षक पुलिस के पद पर मेरिट क्रमांक 34 पर चयन हुआ। इस के लिए मोनिका ने पौरव कालेर को 15 लाख रुपये दिए।

एसओजी ने पौरव कालेर को गिरफ्तार करने पर मोनिका राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर से फरार हो गई। जिसे आवंटित जिला झुंझुनू में ज्वाइन करने पर एसओजी कार्यालय में पूछताछ के गिरफ्तार किया गया।

41 लाख के चैक बाउंस के मामले में अभियुक्त को दोषीमुक्त करार दिया

अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल

जयपुर। जयपुर महानगर-प्रथम के वरिष्ठ न्याय मजिस्ट्रेट सीमा रानी ने 41 लाख के चैक बाउंस के मामले में आरोपी को पूरी तरह दोष मुक्त किया है। न्यायालय ने यह आदेश राजेश जैन बनाम राकेश महरचन्दानी के मामले पर सुनवाई करते हुए दी। इस मामले में आरोपी के तरफ से मुख्यत: पैरवी अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल की ओर से की गई।

इस मामले के तथ्य के अनुसार परिवादी राजेश जैन और अभियुक्त राकेश मेहरचन्दानी के मध्यम वर्ष 2015 में किया गया था। इस इकरारनामा के अचल सम्पत्ति, गैरेज में बनी दुकान के संदर्भ में निष्पादित किया गया। इस संदर्भ में परिवादी द्वारा 25 लाख का अग्रिम भुगतान किया गया था। लेकिन अभियुक्त द्वारा इकरारनामा की पालना नहीं की गई। जिसके चलते परिवादी द्वारा अभियुक्त से बेचान के लिये दी गई अग्रिम राशि कई बार वापस मांगी गई और अभियुक्त को तलब किया गया। तत्पश्चात अभियुक्त ने 25 मई 2018 को परिवादी को अंतिम भुगतान के रूप में 41 लाख रुपये का चैक सौंपा। परंतु यह चैक बाउंस हो गया।

जब यह मामला अदालत में पहुंचा, तो अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल द्वारा बताया गया कि परिवादी और अभियुक्त के बीच में इकरारनामे के अनुसार केवल 25 लाख रुपये की राशि अग्रिम भुगतान के रूप में दी गई थी। और परिवादी कहीं भी यह साबित नहीं कर पाया कि अभियुक्त को 41 लाख रुपये की राशि उसे लौटानी थी। इसके अलावा इकरारनामे में कहीं भी यह लिखा नहीं गया है कि अभियुक्त के द्वारा किये गये अंतिम भुगतान में हर्जे-खर्चे की राशि भी जोड़ी जायेगी। इसके अलावा अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल ने अदालत को बताया कि परिवादी द्वारा दिये साक्ष्य अभियुक्त को पूरी दोषी करार देने में असफल है।

परिणाम स्वरूप यह न्यायालय अभियुक्त राकेश मेहरचंदानी को धारा 138 एनआई एक्ट 1881 के अपराध के आरोप से संदेह का लाभ देकर दोष मुक्त किया जाना उचित समझता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त के न्यायालय के समक्ष अपनी उपस्थिति बाबत पूर्व में प्रस्तुत जमानत मुचलके धारा 437ए दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत आगामी 6 माह तक प्रभावी रहेंगे।

■ इस मामले में अभियुक्त राकेश मेहरचन्दानी की ओर से श्वेताभ सिंघल ने पैरवी की

राजस्थान दिवस पर युवा और महिला वर्ग को राज्य सरकार देगी सौगातें : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च) को लेकर राज्य सरकार बड़े स्तर पर प्रदेश के विभिन्न वर्गों के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन के जरिए विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवा, किसान, महिला और गरीब वर्ग को विभिन्न सौगातें देगी।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान के युवाओं के सरकारी नौकरियों में रोजगार के सपने को साकार करते हुए रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेला भी आयोजित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि स्कील नीति व युवा नीति भी लायी जाएगी, जिससे युवाओं के सपने साकार हो सकेंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर ''रन फॉर फिट राजस्थान'' का आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से अहम निर्णय ले रही है। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में महिला वर्ग को भी विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत डीबीटी की जाएगी।

छह पुलिसकर्मी कांस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने मंगलवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित किया। फरवरी माह का कांस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार के लिए पूर्व जिले के प्रतापनगर थाने के कांस्टेबल गणेश, बिन्दायका थाने के संदीप कुमार, जालूपुरा थाने के कांस्टेबल शिवराज चैयल, सांगानेर सदर थाने के कांस्टेबल प्रेम चैधरी, यातायात पुलिस के कांस्टेबल रणजीत व कांस्टेबल सीताराम को सम्मानित किया।

शांति धारीवाल व महेश जोशी सहित छह को वापस जारी किए नोटिस

जयपुर। हाईकोर्ट ने राजस्थान विधानसभा में तत्कालीन स्पीकर की ओर से कांग्रेस के तत्कालीन 81 एमएलए की ओर से 25 सितंबर 2022 को दिये इस्तीफों पर निर्णय नहीं करने और 113 दिन देरी से इन्हें अस्वीकार करने के मामले में पूर्व मंत्री शांति धारीवाल सहित छह को नोटिस की तामील नहीं होने पर उन्हें पुन: नोटिस जारी करने के लिए कहा है। अदालत ने जिन अन्य को नोटिस के लिए कहा है उनमें महेश जोशी, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढा शामिल हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश बीजेपी नेता राजेंद्र राठौड की जनहित याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान राठौड की ओर से अदालत को बताया कि मामले में शांति धारीवाल सहित जिन नेताओं को पक्षकार बनाया था, उन्हें नोटिस की तामील नहीं हो पाई है। इसलिए इन्हें नए सिरे से नोटिस जारी किए जाए। जिस पर खंडपीठ ने धारीवाल सहित 6 को नोटिस जारी किए। पिछली सुनवाई पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि तत्कालीन 75 एमएलए का कहना है कि उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, तो स्पीकर को इस्तीफा सौंपने वाले छह एमएलए शांति धारीवाल, महेश जोशी, संयम लोढ़ा, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी व रामलाल जाट से यह पूछना चाहिए कि उनके पास बाकी 75 एमएलए के इस्तीफे कहां से आए।

■ तत्कालीन विधानसभाध्यक्ष की ओर से कांग्रेस के तत्कालीन 81 एमएलए की ओर से 25 सितंबर 2022 को दिये इस्तीफों पर निर्णय नहीं करने और 113 दिन देरी से इन्हें अस्वीकार करने के मामले में नोटिस की तामील नहीं हुई थी

आध्यात्मिकता, विज्ञान और संस्कृति का संगम है संस्कृत : आचार्य बालकृष्ण

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 62वीं अखिल भारतीय शास्त्र स्पर्धा का उद्घाटन किया गया।

हरिद्वार। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली एवं पतंजलि विश्वविद्यालय,हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 62वीं अखिल भारतीय शास्त्र स्पर्धा का आयोजन 18 से 21 मार्च तक किया जा रहा है।

उद्घाटन सत्र में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने बतौर मुख्य अतिथि सभागार को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि आध्यत्मिकता, विज्ञान और संस्कृति का अद्भुत संगम है। संस्कृत हमारी मूल भाषा है, जो सत्य और प्रामाणिकता पर आधारित है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम इस अमूल्य धरोहर को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में सफल होंगे।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान और कलाओं की आधारशिला संस्कृत ही है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा बाहरी आक्रमणों के कारण अनेक चुनौतियों और षड्यंत्रों से गुजरी है,लेकिन इसके बावजूद हमारी संस्कृति,संस्कृत भाषा और शास्त्र आज भी प्रासंगिक और सशक्त हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा केवल एक सम्प्रेषण का माध्यम नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने कहा कि यह अखिल भारतीय शस्त्रीय स्पर्धा संस्कृत भाषा के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य, दर्शन, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष, साहित्य और संगीत जैसी विविध विधाओं में न केवल अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होता है,बल्कि वे एक दूसरे से सीखकर संस्कृत के गूढ़ रहस्यों में भी निपुण बनते हैं। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकायाध्यक्ष एवं कुलानुशासिका प्रो. साध्वी देवप्रिया,पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल,दूरशिक्षा निदेशक प्रो. सत्येंद्र मित्तल,कुलसचिव आलोक कुमार सिंह,कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव सहित पतंजलि विश्वविद्यालय,हरिद्वार तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली के संकाय सदस्य,विद्यार्थी,शोधार्थी और देश के कोने-कोने से पधारे विद्वतजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो. पवन व्यास ने किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि स्व.श्री उपेंद्र सिंह सिराधना के नाम से RTO मै वाहन संख्या RJ 14 ZC 7570 रजिस्टर्ड है। श्री उपेंद्र सिंह सिराधना की मृत्यु दिनांक 05.10.2020 को एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती डॉ. अलका सिंह सिराधना की मृत्यु दिनांक 07.10.2018 को हो गई थी। उनकी मृत्यु पश्चात अब उक्त वाहन को मैं अपने नाम से हस्तांतरित करवा रहा हूँ। अतः इस प्रकरण में किसी व्यक्ति, संस्था, फर्म को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशित होने के 07 दिवस के अंदर RTO कार्यालय झालाना डूंगरी में संपर्क करें।
जन्मेजय सिंह सिराधना, पता-154, हीरापुरा पावर हाउस के पास कनक विहार अजमेर रोड़, जयपुर (राज.)

VACANCIES: ARMY PRE PRIMARY SCHOOL, NIWARU
STAFF REQUIRED

1. Army Pre Primary School, Niwaru, Jaipur invites applications for post of teachers and administrative staff on contractual basis.

Ser No	Vacancies for	No. of Vacancy	Age limit	Qualification
(a)	Teacher	02	Minimum age 25 Yrs	(a) Graduate with NTT/ B.Ed from any recognized institute with minimum 50% Marks (b) Basic Knowledge of computer. (C) Minimum one year teaching experience.
(b)	Ayah	01		(a) Minimum 8th class passed. (b) Minimum one year experience of the job.

2. Last date of submission of application is 22 Mar 2025 at APPS, Niwaru alongwith photocopy of above mentioned documents.
3. For query contact No 0141-2982268
4. E-mail id – appsniwaru45ib@gmail.com

कार्यालय तहसीलदार तहसील सांगानेर
कमाक-रीडर/25/178 दिनांक :- 18/03/25
आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम श्योसिंहपुरा उर्फ कल्लावाला पटवार हल्का खेड़ी गोकुलपुरा के खाता सं0 85 में खसरा नं0 181, 184, 185, 186, 187, 189, 190, 191,192, 197,198,200/622,210,213,214,379,547/623,548/624, 549/625 550/626 कुल किता 20 कुल रकबा 7.0600 है0 में हि0 1/2 खाता सं0 46 के ख0 नं0 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367/632, 380, 385, 376/619 कुल किता 10 में हि0 1/2, खाता सं0 88 में ख0 नं0 294, 308, 309, 310, 312/651,318 में हि0 1/8 खाता सं0 89 में ख0 नं0 317, 319, 320, 334/635, 355/636 में हि0 1/8, खाता सं0 87 में ख0 नं0 211 हि0 1/8, खाता सं0 50 में ख0 नं0 235 में हि0 1/24, खाता सं0 91 में ख0 नं0 274, 275, 276, 278, 283 हि0 1/8, खाता सं0 73 में ख0 नं0 284 में हि0 1/8, खाता सं0 नया 90 में ख0 नं0 281 हि0 1/16, खाता सं0 86 में ख0 नं0 302 हि0 1/16 की खातेदारी मिठ्ठनलाल पुत्र रामसहाय जाति महाजन निवासी गाम श्योसिंहपुरा उर्फ कल्लावाला के नाम दर्ज रिकार्ड है। उक्त खसरा नंबरान के संबंध में नोटेरी सत्यापित वसीयत के आधार पर नामांतरकरण खोलने बाबत प्रार्थी सोहनलाल अग्रवाल पुत्र स्व0 मिठ्ठनलाल निवासी म0 नं0 411 मोतीडूंगरी रोड नायला हाउस के सामने द्वारा प्रा0 पत्र प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है, उक्त खसरा नंबरान तथा वसीयत के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो कार्यालय की विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में आपत्ति प्राप्त नही होने पर आवेदक के पक्ष में नामांतरकरण की कार्यवाही नियमानुसार कर दी जावेगी।
तहसीलदार, तहसील-सांगानेर (जयपुर)

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फ.स.), चौमूँ जयपुर राधाबाग कॉलोनी सीकर रोड चौमूँ
PH. NO. 01423-220047 FAX NO. 01423-223873, Email:- KUMS.CHOMUFV@rajasthan.gov.in
क्रमांकः 414-422 दिनांकः 18/03/2025
सीमित निविदा सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस मण्डी समिति में कार्यालय उपयोग हेतु संलग्न शिड्यूल ऑफ रेट्स में वर्णित कम्प्युटर ऑल इन वन, लैपटॉप, प्रिन्टर मय स्केनर ब्लैक एण्ड व्हाईट, प्रिन्टर मय स्केनर कलर, यूपीएस आदि सामग्री सप्लाई हेतु इच्छुक जी.एस.टी. पंजीकृत फर्मो से दिनांक 25.03.2025 को प्रातः 11:00 बजे तक निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न शिड्यूल ऑफ रेटस में दरें अंकित करते हुए बन्द लिफाफे मे निविदायें आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन दोपहर 12.30 बजे उपस्थित निविदाताओं (यदि कोई उपस्थित हों) के समक्ष खोला जायेगा। निविदा स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार मण्डी समिति के पास सुरक्षित रहेगा। निविदा से संबंधित समस्त जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में कार्यालय में उपस्थित हो कर या विभागीय वेबसाईट agriculture.rajasthan.gov.in/mandi तथा sppp.rajasthan.gov.in पर अवलोकन की जा सकती है।
सचिव
कृषि उपज मंडी समिति (फ.स.). चौमूं जयपुर

Ranthambhore Sevika Hospital
Vinayak Nagar, Sawai Madhopur
Notice
This is to inform you that Medical record for the Year 2017-18 is being destroyed. Any person having any objection may kindly contact the hospital within 30 days of the notice.
By Order-Rupinder Kaur, ED
For-PRAKRATIK SOCIETY
Authorised Signatory

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास जयपुर-0141-4901663
क्रमांक-644 दिनांक-03/03/25
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश कमांक 676 दिनांक 12.05.2008 जारी कर आवास संख्या-1/H/275 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा जयपुर क्षेत्रफल 324.000 वर्ग मीटर का हस्तान्तरण श्रीमती श्री देवी शर्मा पत्नी स्व0श्री सहदेव शर्मा के पक्ष मे किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उपंजीयक जयपुर चतुर्थ मे दिनांक 23/05/2008 को करवाया गया। श्रीमती श्रीदेवी शर्मा की मृत्यु दिनांक 24/08/2024 को जाने के कारण श्री प्रशान्त शर्मा पुत्र स्व.श्री सहदेव शर्मा के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षितपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रजिस्टर्ड वसीयतनामा की छाया प्रति आदि प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध मे किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता **श्री प्रशान्त शर्मा पुत्र स्व.श्री सहदेव शर्मा** के नाम से उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

आम सूचना
यह कि मेरा अभिभाष्य राजेन्द्र कुमार मीणा पुत्र श्री घीसालाल मीणा वार्ड नं.11 खटीको का मौहल्ला, जोबनेर तहसील-जोबनेर जिला-जयपुर का निवासी है।
मेरे अभिभाष्य के बताये अनुसार मेरे अभिभाष्य द्वारा वाके ग्राम चारणवास पटवार हल्का भोजपुराकॅला, तहसील-हिर्गोनिया जिला जयपुर के खसरा नं.116, 117, 118, 120 कुल रकबा 6.2846 हैक्टेयर में हिस्सा 1/6 को जरिए विक्रय पत्र उपपंजीयक कार्यालय जोबनेर में पंजीयन करवाया गया है। यह कि नामान्तरण संख्या 345 दिनांक 22.2.2025 जरिए विक्रय पत्र द्वारा मेरे अभिभाष्य के रिकॉर्डेड काश्तकार के रूप में दर्ज नामान्तरण पर किसी भी काश्तकार या अन्य को कोई आपत्ति हो तो 30 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति पेश करें अन्यथा नियत समयावधी के बाद पेश आपत्ति प्रभावहीन व शून्य मानी जाएगी।
रामावतार सिंह (एडवोकेट)
अधिनस्थ न्यायालय, जोबनेर, सांभरलेक एवं राज. उच्च न्यायालय, जयपुर
दिनांक:18.03.2025 मो.9414389969

क्रमांक-007 दिनांक-11.03.2025
प्रेस विज्ञप्ति
यह कि सर्वसाधारण व हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि मेरा बडा पुत्र अर्जुन सिंह फोर व्हीलर गाडीयों का मैकेनिक है तथा मेरे पुत्र ने पारिवारिक स्तर व सामाजिक स्तर पर गलत कदम उठा लिया है ओर उसके द्वारा फुलेरा कस्बा व आस-पास या अन्य किसी भी व्यक्ति, संस्था से किसी भी प्रकार से कोई नकद उधार राशि, चेक जारी कर प्राप्त राशियों या अन्य किसी भी प्रकार से कोई राशि, वित्तीय राशि प्राप्ति की है तो उससे हम परिवारजन जिनमें हम 1 भरतलाल पुत्र औंकारमल, 2- आकाश उर्फ करण सिंह, 3- विरेन्द्र सिंह व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से मेरे बडे पुत्र अर्जुन सिंह का किसी भी प्रकार से कोई लेना देना या सम्वन्ध शेष नहीं है ओर आज दिन बाद वह मेरे पुत्र के रूप में जाना पहचाना नही जाएगा, तथा हमारे परिवार मेरे पुत्र अर्जुन सिंह का हमारे परिवार व हमारी सम्पत्ति, नकद राशियों व अन्य सम्वन्धों से हमेशा हमेशा के लिये वेदखली/सम्वन्ध विच्छेद करते है। ओर मेरे पुत्र में कोई भी व्यक्ति ओर व्यक्ति विशेष कोई उद्धारी करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, उसकी हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है ओर ना ही भविष्य में होगी।
भरतलाल पुत्र औंकारमल जाति ग्वारिया निवासी ग्वारिया मौहल्ला, खारडा मौहल्ला, वॉर्ड नंबर 24, सब्जी मण्डी, साँभर लेक तहसील फुलेरा पुलिस थाना फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान

नाम परिवर्तन
मैने अपना नाम राणा प्रगति धीरज से बदलकर प्रगति राणा पुत्री श्री धीरज राणा कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पताः फ्लैट नं. 504, शिवा हाईटस, प्लाट नं. आर-5, शिव एन्क्लेव गणपतपुरा, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान- 302020

मैंने अपना नाम रंजना देवी से बदलकर लड्डू देवी पत्नी स्व.श्री हेमराज शर्मा रख लिया है। निवासी 137, शक्ति नगर, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर-। भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जावे।

I Snehlata Khandelwal W/o Deepak Khandelwal R/o 230 Gayatri Nagar-B Maharani farm Durgapura Jaipur Declare that in my Daughter's (Ahana Khandelwal) education records my name is entered wrongly as Sneha Khandelwal. My correct name is Snehlata Khandelwal Vide affidavit 04.02.2025 Jaipur

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकद्मा नम्बर 108/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि रेणु तंवर पत्नी श्री मोहन लाल खिंची निवासी ई-74, मंगलम ग्रांड सिटी, महापुरा, सांगानेर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत रेणु एण्ड मोहन संस चैरिटेबल ट्रस्ट कार्यालय पता ई-74, मंगलम ग्रांड सिटी, महापुरा, सांगानेर जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.03.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 22.05.25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकद्मा नम्बर 110/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री अतुल कुलश्रेष्ठ पुत्र श्री वीरेन्द्र कुलश्रेष्ठ निवासी ई-76, द्वितीय तल, शिव शक्ति नगर, मालवीय नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत एमिनेन्ट इन्टरनेशन स्कूल शिक्षा समिति कार्यालय पता- बंसल पब्लिक स्कूल सेक्टर 17, प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.03.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23.05.25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकद्मा नम्बर 113/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री मुकेश साध पुत्र श्री राधा किशन साध निवासी 4 ज 34, जवाहर नगर, जयपुर 302004 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत स्वामी परशुराम साहिब साध राधा किशन साहिब ट्रस्ट कार्यालय पता-4 ज 34, जवाहर नगर, जयपुर 302004 राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.03.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 26.05.25
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान)
क्रमांक-2504-15 दिनांक-18/3/2025
नीलामी सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जिला सवाई माधोपुर के थाना मानटाउन व सूरवाल के द्वारा 38 पुलिस एक्ट में जब्त एवं राजसात किये गये वाहन 18 मोटर साईकिलों को वाहन स्वामी द्वारा निर्धारित अवधि में मुक्त नहीं कराने के कारण उक्त वाहनों को जिस स्थिति में है, दिनांक 03.04.2025 को प्रातः 12.00 बजे गठित समिति द्वारा थाना मानटाउन के परिसर में नीलाम किया जावेगा। अतः इच्छुक खरीददार/बोलीदाता को जरिये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर बोली लगा सकते है। नीलामी की शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।
पुलिस अधीक्षक
जिला सवाई माधोपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक / ज.वि.प्रा./उपा./ जोन-4/2025/डी-5261 दिनांक-17/03/2025
सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री विनोद पारीक, लक्ष्मी कान्त पारीक, जय प्रकाश पारीक पुत्रान स्व. श्री घनश्याम पारीक द्वारा आनन्द भवन निर्माण सहकारी समिति लि की योजना लायन्स कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 39 (पश्चिमी भाग) का उपविभाजन करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में पूर्व में इस कार्यालय द्वारा आनन्द भवन निर्माण सहकारी समिति लि की योजना लायन्स कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 39, क्षेत्रफल 206.11 [illegible]
उपायुक्त जोन-4 जविप्रा- जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक / ज.वि.प्रा./उपा./ जोन-4/2025/डी-5260 दिनांक-17/03/2025
सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ऑनलाईन प्रणाली का अवलोकन करमाये। आवेदक श्री संदीप पारीक पुत्र स्व. श्री घनश्याम पारीक द्वारा आनन्द भवन निर्माण सहकारी समिति लि की योजना लायन्स कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 39 (पूर्वी भाग) का उपविभाजन करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। [illegible]
उपायुक्त जोन-4 जविप्रा- जयपुर

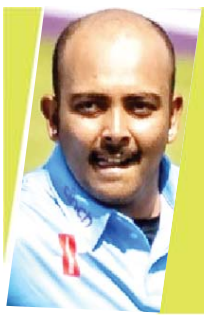

पृथ्वी शॉ को कम आंका गया है। अगर वह अपनी पुरानी चीजों पर काम करे, वह सब कुछ हासिल कर सकता है। मैं उसको तब से जानता हूं जब वह 13 साल का था।
- शशांक सिह

पंजाब किंग्स के क्रिकेटर, पृथ्वी शॉ के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हार्दिक पांड्या

मुंबई इंडियंस की टीम अपना पहला मैच 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेगी। जिसमें हार्दिक पांड्या नजर नहीं आएंगे। हार्दिक पांड्या पर आईपीएल के एक मैच का बैन लगा हुआ है। इसी वजह से वह आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। यही कारण है कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में न तो मुंबई इंडियंस के कप्तान होंगे और न ही प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। स्लो ओवर रेट की वजह से हार्दिक पांड्या पर एक मैच का बैन लगा हुआ है। आईपीएल 2024 में हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के कप्तान थे।

क्या आप जानते हैं ?... क्लबों और देश को मिलाकर 267 गोल करने वाले सुनील छेत्री वर्षों से भारतीय फ़ुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

न्यूज़ीलैंड ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया

डनेडिन (न्यूजीलैंड), 18 मार्च। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टिम साइफर्ट (45) और फिन ऐलन (38) की शानदार आतिशी पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड ने 2-0 से बढ़त बना ली है। पाकिस्तान के 135 रनों के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टिम साइफर्ट और फिन ऐलन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़।

पांचवें ओवर में मोहम्मद अली ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे टिम साइफर्ट को आउटकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। टिम साइफर्ट ने 22 गेंदों में तीन चौके और पांच छक्के लगाते हुए (45) रनों की पारी खेली। सातवें ओवर में जहानदाद खान ने फिन ऐलन को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। फिन ऐलन ने 16 गेंदों में एक चौका और पांच छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये। इसके बाद खुशदिल शाह ने मार्क चैपमैन (एक) को आउट किया। डैरिल मिचेल (14) और जिमी नीशम (पांच) को हारिस रउफ ने आउट किया। न्यूजीलैंड ने 13.1 ओवर में पांच विकेट पर 137 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच तीसरा महिला टी-20 मैच बारिश के कारण हुआ रद्द

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) 18 मार्च। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच मंगलवार को तीसरा महिला टी-20 मैच भारी बारिश के कारण बेनतीजा रहा। इसी के साथ दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हो गई। आज यहां यूनिवर्सिटी ओवल में श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए आठ ओवर में 60 रन जोड़े। बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका। इसके बाद मैच को रद्द घोषित कर दिया गया। श्रीलंका की कप्तान चामरी अट्टापटू को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

आईओसी ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में मुक्केबाजी को किया शामिल

कोस्टा नवारिनो (यूनान), 18 मार्च। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के खेल कार्यक्रम में मुक्केबाजी को शामिल करने को मंजूरी दे दी है। निवर्तमान आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने कोस्टा नवारिनो के रोमानोस रिसॉर्ट में आईओसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में इसकी पुष्टि की। बाक ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कहा, फरवरी में विश्व मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता मिलने के बाद हम यह फैसला लेने की स्थिति में थे। सत्र में इसे मंजूरी के लिये रखा जायेगा और मुझे यकीन है कि इसे मंजूरी मिल जायेगी। इसके बाद दुनिया भर के मुक्केबाज लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल सकेंगे अगर उनके राष्ट्रीय महासंघ को विश्व मुक्केबाजी से मान्यता मिली हुई है। उल्लेखनीय है कि मुक्केबाजी 1904 से ओलंपिक खेल रहा है, लेकिन शासन, संचालन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के कारण आईओसी ने वर्ष 2019 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की मान्यता को निलंबित कर दिया था।

65वां केन्द्रीय आवासीय खेल प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत में 21 मई से

जयपुर, 18 मार्च। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के तत्वाधान में खेल अधिकारी मानसिंह चौगान स्टेडियम ने बताया (बालक व बालिका) खिलाडियों का हैण्डबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बाक्सिँग, एथेलेटिक्स एंव तीरंदाजी खेलों में 21 मई से 65वा केन्द्रीय आवासीय खेल प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत में लगाया जा रहा है तथा फुटबॉल, क्रिकेट, जिमनास्टिक, जूटो, हॉकी, कुश्ती, कबडडी, भारोतोलन, खो-खो, साईकिलिंग, बैडमिटन, टेबल टेनिस, वुशू एंव तैराकी खेलों में 19 मई से 8 जून 2025 तक सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में लगाया जायेगा। जिसमें आवास, भोजन व रात्रा भता परिषद की तरफ से देय होगा। अत: इच्छुक प्रतिभावन खिलाडी जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र चौगान स्टेडियम से आवेदन फॉर्म प्राप्त कर भरकर दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक कार्यालय चौगान स्टेडियम में ज्जुमा वाले खिलाडी की करायेगे। भारा लेने वाले खिलाडी ही की आयु न्यूनतम 14 वर्ष एव अधिकतम 17 बर्ष होनी चाहिए।

11वीं शमशेर सिंह स्मृति महिला क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुरिया एकेडमी व राजस्थान यूथ टीमें जीती

जयपुर, 18 मार्च। राजस्थान कॉल्ट्स क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 11वीं शमशेर सिंह स्मृति महिला टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में जयपुरिया एकेडमी ने राजस्थान कॉल्ट्स को 6 विकेट से हराया तथा दूसरे मैच में राजस्थान यूथ ने के एल सैनी एकेडमी को 5 विकेट से हराया।

उदघाटन मुकाबले में के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान कॉल्ट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीमा जाट के 21 रन, अनुष्का चौधरी के 15 रन व शिवानी चौधरी के 15 रनों से 18.5 ओवर में 82 रन बनाए। जयपुरिया एकेडमी के लिए रुतबा चौधरी ने 6 पर 4, कनक शर्मा, अर्चना योगी, ऋषिता यादव व याना गुप्ता ने 1-1 विकेट लिए।

जवाबी पारी में जयपुरिया एकेडमी ने याना गुप्ता के 32 रन नाबाद, शिवानी चौधरी के 30 रनों से 14 ओवर में 4 विकेट पर 84 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया। राजस्थान कॉल्ट्स के लिए अक्षिता माहेश्वरी ने 14 पर 3 विकेट लिए।

दूसरे मैच में के एल सैनी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बीटू राजभर के 46 रन, डोलवी शर्मा के 28 रन, नेहा सैनी के 19 रन से 20 ओवर में 4 विकेट पर 127 रन बनाए। राजस्थान यूथ के लिए नेहा शर्मा ने 19 पर 3 विकेट लिए।जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने कृतिका गुलाब के 38 रन, अंशु सैनी के 25 रन मेधावी के नाबाद 23 रन व फ़ोरा गुर्जर के नाबाद 13 रनों से 15.1 ओवर में 5 विकेट पर 130 रन बनाकर मैच जीत लिया। के एल सैनी एकेडमी के लिए नंदिनी कुमावत ने 34 पर 2, सीमा शर्मा ने 27 पर एक विकेट लिया।

मैच पुर्व आर सी ए एडहॉक कमेटी के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया तथा कहा की राजस्थान कॉल्ट्स क्रिकेट क्लब ने स्व. शमशेर सिंह जी की स्मृति में पहली बार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करके महिला खिलाड़ियों को एक अवसर प्रदान किया है। इस अवसर पर पूर्व रणजी खिलाड़ी डॉ हेमेंद्र सुराणा, पूर्व रणजी कप्तान मोहम्मद असलम, महिला आई पी एल खिलाड़ी अक्षिता माहेश्वरी, राजस्थान कॉल्ट्स की सचिव प्रियंका सिंह, प्रतियोगिता कन्वीनर ओम शर्मा, रणजीत सैनी, सलेक्टर मेघा गौड, सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

अब खेल अधिकारी कहलाएंगे डीवाईएसपीओ : डॉ. नीरज के. पवन

जयपुर, 18 मार्च। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग और अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद डा. नीरज के. पवन की अध्यक्षता में मंगलवार को सवाई मान स्टेडियम में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की बैठक हुई।बैठक के प्रमुख निर्णयों की जानकारी देते हुए डा. नीरज के. पवन ने बताया कि अब भविष्य में खेल परिषद में खेल अधिकारी डिस्ट्रिक्ट यूथ एंड स्पोर्ट्स प्रमोशन ऑफिसर कहलाएंगे।खेल परिषद में पूर्व में मुख्यालय सहित सभी जिलों में खेल अधिकारी कार्य करते थे लेकिन अब उनके पदनाम में परिवर्तन किया गया है। डा. नीरज के. पवन ने बताया कि ग़ैर सरकारी संस्थाएं जो खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए अच्छा कार्य कर रहे है, उनकों राजस्थान खेल प्रोत्साहन अवार्ड 2025 से पुरस्कृत किया जायेगा।

उन्होने बताया कि 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलों के प्रदेश के पदक विजेता खिलाडियों को भी जल्दी ही सम्मानित किया जायेगा।इसके अलावा राजस्थान खेल अधिनियम-2005 की पालना प्रदेश में लागू स्पोटूस एक्ट-2005 की अक्षरश: पालना सुनिश्चित करवाने के साथ साथ राज्य खेल संघों के कार्यकलापो आदि पर भी विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में डा. नीरज के पवन के अलावा युवा मामले एवं खेल विभाग की उप शासन सचिव अनिता मीणा, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, खेल परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा, खेल विभाग की वरिष्ठ लेखाधिकारी नीलम राठौड़ सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

कोडाई की जीत में सारांश गोस्वामी व सात्विक जैन चमके

जयपुर, 18 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज इन्सपायर क्रिकेट ग्राउण्ड लालकोठी पर खेले गये पूल-बी के मैच में कोडाई क्रिकेट एकेडमी ने सात्विक जैन 64 रन (46 गेंद, 9 चौके) के अद्धर्शतक तथा सारांश गोस्वामी 16 रन (5 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) नाबाद व 35 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की मदद से आर.एस. क्रिकेट एकेडमी को 10 रन से हराकर लगातार 2 अंक अर्जित किये तथा पूल में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सुबह कोडाई एकेडमी ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये जतिन सैनी 25 रन व सात्विक जैन 64 रन ने मिलकर 5.2 ओवर में 44 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की मध्यक्रम में हर्षवर्धन मित्तल 23 रन, सरांश गोस्वामी 16 रन नाबाद, हर्षित गौर 14 रन तथा अतिरिक्त 22 रनों के सहयोग से निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 179 रन बनाये गेंदबाजी में आर.एस. एकेडमी की ओर से अब्दुल वहीद 8 रन पर 2 विकेट निखिल शर्मा 23 रन पर 2 विकेट तथा बलाच 41 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। 180 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरे आर.एस. एकेडमी ने कृष्ण कुमार यादव 40 रन निखिल शर्मा 33 रन, कौशल मीणा 41 रन, नमन शर्मा 14 रन, अनुराग शर्मा 17 रन की पारीयों के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 169 रन ही बना सकी और नजदीकी मुकाबले में 10 रन से मैच गवा दिया, प्रतियोगिता का अगला मैंच दिनांक 21.03. 2025 वार शुक्रवार को खेला जायेगा। मैन ऑफ दा मैच सारांश गोस्वामी (16 रन नाबाद व 35 रन पर 3 विकेट) कोडाई क्रिकेट एकेडमी रहे।

फ्लाइट से उतर कर सीधे स्टेडियम पहुंचे राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन

जयपुर, 18 मार्च। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपना पहला मैच 23 मार्च को हैदराबाद में खेलेगी। टीम ट्रेनिंग शुरू कर चुकी हैं। कप्तान संजू सैमसन सोमवार से पहले तक कैंप का हिस्सा थे। सोमवार शाम जैसे ही वह जयपुर पहुंचे बिना आराम किए, बिना कपड़े बदले और बिना होटल में चेकइन किए वह मैदान पर पहुंच गए।

राजस्थान रॉयल्स ने बताया कि संजू सैमसन कैसे महज एक घंटे के अंदर वह एयरपोर्ट से ट्रेनिंग करने पहुंचे। संजू सैमसन शाम 6.20 बजे पर एयरपोर्ट पर उतरे। फिर साढे 6 बजे वह एयरपोर्ट से बाहर निकले। संजू यहां से गाड़ी मं बैठे और शाम सात बजकर चार मिनट पर सवाई मानसिंह स्टेडियम पहुंच गए। उन्होंने पहले कुछ खिलाड़ियों से मुलाकात की और फिर अपने कपड़े बदले। वह ट्रेनिंग किट में नजर आए। शाम साढ़े सात बजे वह मैदान पर थे और टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ से गले लगे। द्रविड़ व्हीलचेयर पर थे। इस तहह सैमसन एयरपोर्ट से सीधा स्टेडियम में पहुंच गए।पिछले महीने संजू ने अंगुली की सर्जरी कराई थी।

वह बैंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे थे और अभी ये पुष्टि नहीं हो पाई है कि वह अभी विकेटकीपिंग करेंगे या नहीं। अगर सैमसन फिट नहीं होते हैं तो ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग का विलक्प चुना जा सकता है। फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में भी जुरेल ने सैमसन की जगह विकेटकीपिंग की थी। बल्लेबाजी करते समय जोफ्रा आर्चर की गेंद पर संजू सैमसन की अंगुली में चोट लग गई थी।

टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा के बीच संतुलन : विक्रम

जयपुर, 18 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने आज बैटिंग कोच विक्रम राठौर और स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने आगामी सीजन के लिए टीम की तैयारियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। राठौर ने बल्लेबाजी संयोजनों के बारे में बात की, जिसमें टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा के बीच संतुलन पर जोर दिया गया। उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में अनुकूलनशीलता के महत्व पर प्रकाश डाला। बहुतुले ने गेंदबाजी आक्रमण पर अपडेट दिया, जिसमें टीम की गहराई का उल्लेख किया गया और बताया गया कि कैसे विभिन्न गेंदबाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, खासकर उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में।

आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड 'अभिमान' समारोह 25 को

जयपुर, 18 मार्च। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी ने आज आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में कमेटी के सभी सदस्यों की उपस्थिति में आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाडी अवार्ड राज्य के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के नाम से दिए जाने व आगामी 25 मार्च को आरसीए अवार्ड समारोह आयोजित किये जाने की घोषणा की।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा के अनुसार आज शाम आरसीए अकादमी पर आयोजित एडहॉक कमेटी मीटिंग में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 में राजस्थान की विभिन्न आयु वर्गकी राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान का नाम रोशन करने वाले खिलाडियों को सम्मानित करने, आरसीए के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के योगदान को याद रखते हुए आरसीए अवार्ड की हर आयु वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाडीअवार्ड को उनके नाम पर देने, राष्ट्रिय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा खिलाडियों हेतु सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंगप्लेयर अवार्ड देने सहित राज्य क्रिकेट के संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सर्वगीय वरिष्ठ खेल प्रशासकों को मरणोपरांत लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार देने पर सहमति प्रदान करते हुए आरसीए अवार्ड समारोह के आयोजन की तिथि घोषित की।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, विमल शर्मा, रतन सिंह, धर्मवीर सिंह व हरीशचंद्र सिंह ने आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड समारोह के पोस्टर का विमोचन करते हुए आरसीए अवार्ड "अभिमान" नाम से दिए जाने की घोषणा की। बियाणी के अनुसार एडहॉक कमेटी सदस्य जल्द ही राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री आदरणीय भजन लाल शर्मा जी से मुलाकात कर उन्हें आरसीए अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि बनाने व उनकी गरिमामय उपस्थिति से राज्य के युवा प्रतिभावान खिलाडियों को सम्मानित करने व उनका हौंसला बढ़ाने का आग्रह करेंगे। जयदीप बिहाणी ने बताया की एडहॉक कमेटी द्वारा आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाडीअवार्ड राजस्थान के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के नाम से दिए जायेंगे।

विभिन्न आयुवर्ग के पुरुष-महिला अवार्ड सीनियर (पुरुष-महिला खिलाडी) हनुमंत सिंह अवार्ड, अंडर 23 (पुरुष-महिला खिलाडी) सलीम दुर्रानी अवार्ड, अंडर 19 (पुरुष - महिला खिलाडी) किशन रूंगटा अवार्ड, अंडर 16 पुरुष - अंडर 15 महिला खिलाडी) लक्ष्मण सिंह अवार्ड, सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर पार्थ सारथी शर्मा अवार्ड।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर के अनुसार एडहॉक कमेटी द्वारा आरसीए द्वारा राज्य के पूर्व प्रशासकों को उनके राज्य क्रिकेट में दिए गए अहम् योगदान को याद करते हुए उनके सम्मानितकरते हुए उन्हें मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने की घोषणा की।

आरसीए द्वारा निम्न पूर्व खेल प्रशासकों को मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिए जायेंगे :- स्वर्गीय कमल मोरारका, स्वर्गीय अशोक ओहरी, स्वर्गीय राजेंद्र सिंह राठौड़, स्वर्गीय राकेश अग्रवाल। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत के अनुसार आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाडीअवार्ड समारोह राज्य के खेल मंत्री (कैबिनेट) कर्नल राजवर्धनसिंह राठौड़, गौतम कुमार दक, सहकारिता, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राज्य सभा सांसद व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर की गरिमामय उपस्तिथि मेंआगामी दिनांक 25 मार्च को होटल मेरियट में आयोजित किये जायेगा।

धर्मवीर के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी राज्य में क्रिकेट के विकास व संचालन की जो जिम्मेदारी आदरणीय राजवर्धन सिंह ने दी थी उसे कमेटी ने पूर्ण निष्ठा व् कर्तव्य से पूर्ण करते हुए राज्य में हर आयुवर्ग के प्रतियोगिताओं के आयोजन, राष्ट्रिय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन सहित खेल के हर विभाग व खेल से जुड़े पूर्व व वर्तमान खिलाडियों , मैच ऑफिशल्स के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य रतन सिंह शेखावत के अनुसार राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन दवारा सत्र 2024-25 मे शानदार प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों के आरसीए अवार्ड प्रक्रिया व समारोह हेतु 3 सदस्य कमेटी का गठन किया गया था जिसके सदस्य रतन सिंह शेखावत, विमल शर्मा व हरीश चंद्र सिंह हैं। कमेटी ने आरसीए अवार्ड के विभिन्न वर्गों हेतु खेल प्रशासकों, पूर्व खिलाडियों सहित खेल से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े विभिन्न क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से प्राप्त सुझावों पर गहन चर्चा करने के बाद राज्य की क्रिकेट में अपना अहम् योगदान देने वाले राज्य के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के नाम से आरसीए अवार्ड देने व पूर्व दिवंगत प्रशासकों को मरणोपरांत सम्मानित करने का सुझाव देते हुए अपनी रिपोर्ट आरसीए एडहॉक कमेटी को सौंप दी थी। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य हरीश चंद्र सिंह के अनुसार आगामी 25 मार्च को आयोजित होने वाले आरसीए अवार्ड समारोह हेतु गठित कमेटी ने अवार्ड समारोह को भव्य व यादगार बनाने हेतु सभी तैयारियां लगभग पूर्णकर ली हैं जिसके लिए आरसीए से जसूए सभी अनुभवी ऑफिशल्स व स्टाफ को विभन्न जिम्मेदारियां दी गयी है। हरीश जी की अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी आरसीए राज्य सरकार के सभी मंत्रियों, गणमान्य प्रशासकों को आरसीए अवार्ड समारोह में आमंत्रित करेगी।

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पण्डित दीन दयाल उपाध्याय भवन लालकोठी, जयपुर)

क्रमांक :- ज.स.अ./2025/336 दिनांक :- 17/03/2025

ई-ऑक्शन (होर्डिंग) विज्ञप्ति सं. 45/2024-2025

नगर निगम, ग्रेटर जयपुर द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर विज्ञापन के लिए विभिन्न विज्ञापन साईटों का ई-ऑक्शन निम्नानुसार किया जाना है :-

क्र. सं.	विज्ञापन का नाम	संख्या	ई-ऑक्शन दिनांक	समयावधि
1.	1. कियोस्क बोर्ड, (बिजली के खंभो पर लगने वाले छोटे बोर्ड) ब्लॉक-F पूर्व हवामहल पूर्व जोन ब्लॉक-B पूर्व सिविल लाईन जोन	02 जोन कियोस्क बोर्ड	15.04.2025	प्रातः 11.00 बजे से 5.30 बजे तक (अंतिम 5 मिनट में संवेदक/फर्म द्वारा बोली दिये जाने पर ई-नीलामी की समयावधि में प्रत्येक बार स्वतः ही 15 मिनट की वृद्धि हो जायेगी जिसकी अधिकतम समय सीमा की बाध्यता नहीं होगी।)
	2. निर्मित डिजिटल यूनिपोल (समूह में)	14 डिजिटल यूनिपोल		
	3. नये लघु विज्ञापन बोर्ड 8'x4' (समूह में 37 विज्ञापन साईटे)	37		
2.	1. निर्मित सुलभ शौचालय पर विज्ञापन एवं संधारण (ग्रुप वाईज) (ग्रुप ए-ग्रुप-बी-ग्रुप-डी)	14	16.04.2025	प्रातः 11.00 बजे से 5.30 बजे तक (अंतिम 5 मिनट में संवेदक/फर्म द्वारा बोली दिये जाने पर ई-नीलामी की समयावधि में प्रत्येक बार स्वतः ही 15 मिनट की वृद्धि हो जायेगी जिसकी अधिकतम समय सीमा की बाध्यता नहीं होगी।)
	2. निर्मित ओवरहैड साईनैज (गैन्ट्री)	05		
	3. निर्मित बसशैल्टर्स साईटें (समूह में), (एम.आई.रोड़ बसशैल्टर्स) (जे.एल.एन मार्ग बसशैल्टर्स)	19		
3.	1. मालवीय नगर, जोन, विद्याधर नगर जोन, सांगानेर जोन, मानसरोवर जोन, जगतपुरा जोन एवं मुरलीपुरा जोन यूनिपोल	30	17.04.2025	प्रातः 11.00 बजे से 5.30 बजे तक (अंतिम 5 मिनट में संवेदक/फर्म द्वारा बोली दिये जाने पर ई-नीलामी की समयावधि में प्रत्येक बार स्वतः ही 15 मिनट की वृद्धि हो जायेगी जिसकी अधिकतम समय सीमा की बाध्यता नहीं होगी।)
	2. नये बैकलिट टॉवर साईटें	9		
	3. पुराने निर्मित बैकलिट टॉवर साईटें	13		
	4. निर्मित टॉलेस्ट टॉवर (समूह में)	02		

ई-ऑक्शन कार्यक्रम, शर्तें, अमानता राशि, भागीदारी राशि तथा ई-नीलामी बिजनेस रूल्स आदि की जानकारी हेतु नीलामी साईट वेबसाईट **www.jaipurmc.org** में (E-Auction) पर देखी जा सकती है तथा इसी साईट पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इच्छुक फर्में/व्यक्ति निर्धारित पंजीयन शुल्क राशि 1,000/- (एक हजार रूपये) जमा करवाकर, पंजीयन करवाकर ई-नीलामी में भाग ले सकते है। अमानता राशि दिनांक 14.04.2025 को रात्रि 12.00 बजे तक जमा की जावेगी। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या/अथवा जानकारी हेतु एनालिस्ट कम प्रोग्रामर, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर के दूरभाष नं. 8875403031, 6377142055 पर सम्पर्क कर सकते है।

उपायुक्त (राजस्व-प्रथम)
नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

राज.संवाद/सी/24/13409

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
नेल्सन मंडेला मार्ग, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070
वेबसाईट : www.aicte-india.org

सार्वजनिक सूचना

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अभातशिप)के संज्ञान में यह आया है कि परिषद् में विभिन्न पदों पर नियुक्तियों के प्रस्ताव देने वाले फर्जी ईमेल और पत्र प्रसारित किए जा रहे हैं। जिसमें कि अभातशिप (एआईसीटीई)के नाम और उसी के समान ईमेल आईडी का उपयोग किया जा रहा है और यहां तक कि इसमें अभातशिप के अधिकारियों/प्राधिकारियों के नाम भी प्रयोग किए जा रहे हैं। नियुक्ति का प्रस्ताव देने वाले ऐसे फर्जी ईमेल के द्वारा आवेदन पत्र/परीक्षा/साक्षात्कार/सरकारी आवास/वर्दी/मेस शुल्क आदि प्रदान करने के लिए डिमांड ड्राफ्ट/यूपीआई या किसी अन्य डिजिटल प्रारूप के माध्यम से शुल्क/धनराशि भी माँग सकते हैं।

आप सभी को यह भी सूचित किया जाता है कि अभातशिप किसी भी ईमेल अथवा पत्रों के माध्यम से कोई नियुक्ति प्रस्ताव जारी नहीं करता है, और नियुक्ति हेतु किसी भी प्रक्रिया को करने के लिए कोई भी शुल्क/धनराशि की माँग नहीं करता है। अभातशिप में रोजगार के अवसरों के संबंध में सभी आधिकारिक संचार, परिषद् की आधिकारिक वेबसाइट **(www.aicte-india.org)** के माध्यम से ही किया जाता है। अभातशिप अपनी भर्ती प्रक्रियाओं की सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी बरतें और अभातशिप द्वारा कथित तौर पर दिए गए किसी भी नियुक्ति प्रस्ताव की प्रामाणिकता की पुष्टि कर लें।

विज्ञापन संख्या :
अभातशिप/प्रशासन ब्यूरो/01(03)/2025
CBC 21300/12/0016/2425

प्रो० राजीव कुमार
सदस्य सचिव, अभातशिप

मु.मंत्री ने भ्रष्टाचार के 5 मामलों में 7 अफसरों पर केस चलाने को मंजूरी दी

मु.मंत्री भजनलाल ने भ्रष्टाचार के 13 प्रकरणों का निस्तारण किया

जयपुर, 18 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन स्वीकृति के लम्बे समय से विचाराधीन 13 प्रकरणों का निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रकरण में सेवानिवृत्त अधिकारी की पेंशन रोकने तथा 3 प्रकरणों में सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध राजस्थान सिविल सर्विसेज (क्लासिफिकेशन, कंट्रोल एण्ड अपील) रुल्स, 1958 के नियम 16 के अंतर्गत वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने का निर्णय किया। साथ ही, उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम-2018 के अंतर्गत प्रस्तुत 5 प्रकरणों में 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन को भी स्वीकृति भी प्रदान की।

- **मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने को प्रतिबद्ध है।**

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

शर्मा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 3 प्रकरणों में दोष सिद्धि के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन किया। वहीं एक अधिकारी को सी.सी.ए. नियम 23 में परिनिन्दा के दंड से बरी किया।

'नवीं फेल बेटे को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं लालू'

पटना, 18 मार्च। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके बेटे ने 9वीं भी पास नहीं की है लेकिन उन्हें इस बात की चिंता है कि उनका पुत्र बिहार का राजा बन जाये।

किशोर ने मंगलवार को लालू का उदाहरण देते हुए जनता से कहा कि उन्हें लालू से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता क्या होती है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि लालू का बेटा 9वीं पास भी नहीं है, फिर भी

- **प्रशांत किशोर ने लालू यादव पर कटाक्ष कर जनता से कहा लालू से सीखना चाहिए बच्चों की चिंता क्या होती है।**

उन्हें इस बात की चिंता है कि उनका बेटा बिहार का राजा बन जाए। उन्होंने कहा कि मैं लालू की शिकायत नहीं कर रहा हूं, उनकी तारीफ कर रहा हूं कि लालू बहुत अच्छे पिता हैं। उन्होंने कहा, दूसरी तरफ बिहार के आम लोग हैं जिनके बच्चों ने बीए-एमए कर लिया है, फिर भी उन्हें नौकरी नहीं मिली है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आम लोगों को इसकी चिंता नहीं है। अभी भी बिहार के लोग जाति और धर्म में उलझे हुए हैं।

'एकता की ताकत का विराट प्रदर्शन था महाकुंभ'

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ पर दिए वक्तव्य में महाकुंभ की सफलता के लिए देशवासियों का आभार जताया

नयी दिल्ली, 18 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम में हुए महाकुंभ को भारत के विराट स्वरूप का दर्शन बताया है और कहा है कि यह पूरे विश्व में बिखराव की स्थितियों के दौर में एकता की ताकत का विराट प्रदर्शन था जिसे हमें निरंतर मजबूत करना है।

मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ पर मंगलवार को वक्तव्य दिया और इसके सफल आयोजन के लिए उसमें शामिल सभी लोगों का आभार ज्ञापन किया। उन्होंने कहा, आज मैं इस सदन के माध्यम से कोटि-कोटि देशवासियों को नमन करता हूं, जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार के, समाज के, सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देशभर के श्रद्धालुओं को, उत्तर प्रदेश की जनता विशेष तौर पर प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं।

मोदी ने कहा कि महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए हैं। यह जो राष्ट्रीय चेतना है, यह जो राष्ट्र को नए संकल्पों की तरफ ले जाती है, यह नए संकल्पों की सिद्धि के लिए प्रेरित करती है।

- **प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम सभी ने यह महसूस किया था कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद महाकुंभ के इस आयोजन ने हम सभी के इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की यह सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।**

महाकुंभ ने उन शंकाओं-आशंकाओं को भी उचित जवाब दिया है, जो हमारे सामर्थ्य को लेकर कुछ लोगों के मन में रहती है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम सभी ने यह महसूस किया था कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद महाकुंभ के इस आयोजन ने हम सभी के इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की यह सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमने करीब डेढ़ महीने तक भारत में महाकुंभ का उत्साह देखा, उमंग को अनुभव किया। कैसे सुविधा-असुविधा की चिंता से ऊपर उठते हुए, कोटि-कोटि श्रद्धालु, श्रद्धा-भाव से जुटे यह हमारी बहुत बड़ी ताकत है। लेकिन यह उमंग, यह उत्साह सिर्फ यही तक सीमित नहीं था। बीते हफ्ते मैं मॉरीशस में था, मैं त्रिवेणी से, प्रयागराज से महाकुंभ के समय का पावन जल लेकर गया था। जब उस पवित्र जल को मॉरीशस के गंगा तालाब में अर्पित किया गया, तो वहां जो श्रद्धा का, आस्था का, उत्सव का, माहौल था, वह देखते ही बनता था। यह दिखाता है कि आज हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को आत्मसात करने की, उनका उत्सव मनाने की भावना कितनी प्रबल हो रही है।

उन्होंने कहा, मैं ये भी देख रहा हूं कि पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे संस्कारों के आगे बढ़ ने का जो क्रम है, वह भी कितनी सहजता से आगे बढ़ रहा है। आप देखिए, जो हमारी मॉडर्न युवा पीढ़ ी है, ये कितने श्रद्धा-भाव से महाकुंभ से जुड़े रहे, दूसरे उत्सवों से जुड़े रहे हैं। आज भारत का युवा अपनी परंपरा, अपनी आस्था, अपनी श्रद्धा को गर्व के साथ अपना रहा है।

'आधार कार्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के मुद्दे पर निर्णय लिया गया।

इस बैठक के दौरान यह तथ्य सामने आया कि सुप्रीम कोर्ट कई आदेश और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951, की धारा 23 और संविधान के अनुछेद 326 के अनुसार भारत के चुनाव में भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकता है। बैठक में यह भी कहा गया कि आधार कार्ड ही एक भारतीय नागरिक का पहचान पत्र है। इसलिए आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ा जाना अनिवार्य है।

जारी प्रेस नोट के अनुसार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और भारतीय निर्वाचन आयोग की तकनीकी विशेषज्ञों के बीच परामर्श जारी है और जल्दी ही दोनों पहचान पत्रों को जोड़ने / लिंक करने की कार्यवाही शुरू होगी।

एसआई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखित परीक्षा की दोनों पारियों के दौरान "ब्लूटूथ डिवाइस" के माध्यम से पेपर पढ़ाया, जिसके कारण मोनिका ने उक्त परीक्षा के हिन्दी विषय में 200 में से 184 अंक पाये और सामान्य ज्ञान विषय में 200 में से 161 अंक प्राप्त किये। एसओजी के अनुसार मोनिका और पौरव कालेर के बीच परीक्षा पास करने के लिये 15 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था।

प्रेस नोट के अनुसार मोनिका को उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा-2021 की मैरिट लिस्ट में 34वां पद मिला था। हैरानी की बात है कि उनके लिखित परीक्षा में पाये गये अंकों के विपरीत मोनिका को साक्षात्कार में मात्र 15 अंक मिले थे, जिस वजह से उन पर शक गहराता गया।

यूक्रेन व रूस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओडेसा" बंदरगाह को भी रूस को सौंपने के लिए ट्रम्प मान गए हैं। यह यूक्रेन के लिए मौत की सज़ा की तरह है, क्योंकि इसी बंदरगाह से यूक्रेन का अधिकतम आयात-निर्यात होता है।

ऐसा लगता है कि ट्रम्प पर पुतिन का जादू पूरी तरह ये चल गया है। पुतिन को खुश करने में वे कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इन घटनाक्रमों के संदर्भ में पश्चिमी यूरोपिय देश एक साथ बैठकर चर्चा कर रहे है कि यूक्रेन की मदद करने के लिए और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वे क्या कर सकते हैं। इन देशों में खासकर पोलैंड, लाटविया, फिनलैंड व कई अन्य छोटे देश हैं, जो रूस से खतरा महसूस कर रहे है।

कुछ खबरों के अनुसार, अमेरिका, पश्चिमी यूरोपियन देशों को दी हुई नाटो सुरक्षा गारंटी वापस ले सकता है। अगर ऐसा होता है तो ये देश रूस के निशाने पर आ जाएंगे, क्योंकि अमेरिका की सहायता के बिना ये अपनी सुरक्षा नहीं कर सकते हैं।

ट्रम्प और पुतिन की वार्ता के बीच यूरोपियन यूनियन भी ब्रसेल्स में मीटिंग कर कुछ रणनीतियों पर काम कर रही है। हालांकि, उनके पास सुरक्षा सामर्थ्य नहीं है।

ट्रम्प के समझौते से यूक्रेन में सत्ता परिवर्तन भी हो सकता है।

8 व 9 अप्रैल को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरीके से चलाते रहेंगे तथा पार्टी पर उनका नियंत्रण बना रहेगा।

एक अन्य नेता की टिप्पणी थी कि रायपुर एआईसीसी अधिवेशन में लिया गया कोई भी निर्णय क्रियान्वित नहीं हुआ, तथा इससे पहले, उदयपुर में लिये गये निर्णयों का भी यही हश्र हुआ था। तो फिर, इस अधिवेशन से भी क्या फर्क पड़ेगा।

राहुल ने अब प्रस्तावित किया कि जिला कांग्रेस कमेटियाँ ताकतवर होनी चाहिये, उनकी आवाज सुनी जानी चाहिये तथा उन्हें सत्ता के ढ़ाँचे का हिस्सा बनाया जाना चाहिये।

इसलिये, 27 एवं 28 मार्च तथा 3 अप्रैल को मीटिंग बुलाई गई हैं, जिनमें सारे देश की जिला कांग्रेस कमेटियों को चर्चा के लिये बुलाया गया है।

अगर अतीत को संकेत माना जाये, तो देखना यह होगा कि यह विचार तथा प्रस्ताव किस हद तक क्रियान्वित होता है। पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता उन तौर-तरीकों से हताश हो चुके हैं, जिनसे पार्टी चलाई जा रही है, तथा उनका मनोबल दिन-पर -दिन कम होता जा रहा है।

दिन भर हंगामे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिये स्थगित कर दी।

इससे पहले, राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की कटु आलोचना की तथा कहा, "जो युवा महाकुम्भ में गये थे, वे प्रधानमंत्री से रोजगार भी चाहते हैं।

उन्हें सदन में रोजगार के बारे में बोलना चाहिये था।"

इस बात को दृढ़तापूर्वक कहते हुये कि प्रधानमंत्री के बाद, नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति दी जानी चाहिये थी, उन्होंने कहा, "मुझे नहीं बोलने दिया गया। यह "नया भारत" है।"

इन्हीं विचारों और भावनाओं को शब्द देते हुये, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, "नेता प्रतिपक्ष को बोलने देना चाहिये था। महाकुम्भ के विषय में विपक्ष की भी भावनाएं है और इसमें (सरकार को) कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये।"

'भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोयाबीन पर जवाबी टैरिफ लगा दिया है ताकि अमेरिकन बिज़नैस मैन व किसानों को ट्रम्प के खिलाफ जाने के लिए दबाव में लिया जा सके। इसी के साथ, वह विदेशी कम्पनियों को देश भारी छूट व राहत देने की पेशकश भी कर रहा है। टैक्स में छूट और सब्सिडी, नियमों में ढील आदि। इस प्रकार वह ग्लोबल सप्लाई चेन के केन्द्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। चीन ईरान और ब्रिक्स देशों के साथ भी संबंध मजबूत कर रहा है और पश्चिमी प्रभुत्व को दरकिनार करने के लिए वैकल्पिक फ्रेमवर्क बना रहा है।

घरेलू उपभोग बढ़ाना और निर्माण को बढ़ावा देना बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रेड पार्टनरशिप में विविधता, फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स में तेजी, खासकर उभरते हुए बाज़ारों में, भारत को, अमेरिका के संरक्षणवाद का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। भारत को रूपए में व्यापार को प्रोत्साहन देना चाहिए। इससे डॉलर पर निर्भरता घटेगी।

इसके अलावा प्रमुख क्षेत्रों जैसे सेमीकंडक्टर्स, एआई और इलैक्ट्रिक वीकल में तकनीकी आत्मनिर्भरता लाने को प्राथमिकता दी जाए। भारत को उन कम्पनियों को आकर्षित करना चाहिए जो चीन का विकल्प ढूंढ रही हैं।

ईडी ने राबड़ी देवी से चार घंटे पूछताछ की, अब लालू की बारी है

पहली बार लालू के पुत्र तेज प्रताप यादव से भी ईडी ने पूछताछ की

पटना, 18 मार्च। जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके पुत्र व पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को लंबी पूछताछ की।

राबड़ी देवी से करीब चार घंटे जबकि तेज प्रताप यादव से पांच घंटे तक ईडी की पूछताछ चली। इस मामले में 19 मार्च को पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद से भी पूछताछ संभव है।

प्रवर्तन निदेशालय ने कुछ दिनों पहले ही राबड़ी देवी और तेज प्रताप यादव को जमीन के बदले नौकरी प्रकरण में पूछताछ के लिए समन जारी किया था।

तेज प्रताप यादव को ईडी की ओर से पहली बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था। समन के आधार पर पहले राबड़ी देवी अपनी सांसद पुत्री डॉ. मीसा भारती के साथ गांधी मैदान स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय पहुंची।

- **तेज प्रताप यादव से 5 घंटे तक पूछताछ की गई।**
- **लालू यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अपनी सांसद पुत्री मीसा भारती के साथ ईडी कार्यालय पहुँचीं।**

तेज प्रताप इसके करीब एक घंटे के बाद पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर पहुंचे। दोनों को अलग-अलग कमरों में बिठा कर पूछताछ की गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने राबड़ी देवी से यह जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किया कि उन्होंने नौकरी के बदले जमीन अपने नाम कैसे कराई।

जिन लोगों को नौकरी देकर जमीन प्राप्त की गई उन्हें राबड़ी देवी या उनका परिवार कैसे जानता था। क्या संबंधित लोगों से लालू परिवार के लोग पूर्व परिचित थे।

राबड़ी देवी से यह भी पूछा गया कि पहली बार उन्होंने जमीन देने वालों से कब मुलाकात की। संबंधित लोगों को नौकरी देने के लिए उन्होंने क्या रेल मंत्री और अपने पति लालू प्रसाद से कोई पैरवी की थी।

सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम ने राबड़ी देवी से तेजस्वी यादव के दिल्ली स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी के बंगले, पटना के सगुना मोड़ स्थित अपार्टमेंट की जमीन और उसके निर्माण के साथ ही निर्माण में लगी राशि के स्त्रोत के बारे में भी सवाल किए गए।

सूत्र बताते हैं कि राबड़ी देवी ने अधिकांश सवालों को उन्हें जानकारी नहीं कहकर टाल दिया। दूसरी ओर तेज प्रताप से भी ईडी अधिकारियों ने केस के संबंध में कई सवाल पूछे और जानने की कोशिश की कि उन्हें जमीन के बदले नौकरी घोटाले के बारे में पहली बार कब जानकारी मिली।

उनके पिता और अन्य रिश्तेदारों की मिलीभगत के बारे में भी सवाल पूछे गए।

पूछताछ के बाद दोनों जब ईडी दफ्तर से बाहर आए तो इन्होंने मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908